शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

àß-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 94 | गुवाहाटी | मंगलवार, 31 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत व मलेशिया ने शिलांग में किया संयुक्त सैन्य अभ्यास — पेज 3
रक्षा मंत्री ने हिंद महासागर क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानून की प्राथमिकताओं... — पेज 4
डबल इंजन की सरकार में उप्र की स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त : अखिलेश यादव — पेज 5
महंगाई राहत के नाम पर कांग्रेस सरकार ने जनता से किया धोखा... — पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

एक नेता वह होता है जिसकी एक सोच हो, जिसमें कुछ कर गुजरने का जज्बा हो। जो मुश्किलों में डरे नहीं। बल्कि उसे यह पता हो कि समस्याओं का सामना कैसे किया जाए। सबसे महत्वपूर्ण, जो अपनी बात पर कायम रहे।

– **अब्दुल कलाम**

कुछ लोगों को भारत का विकास पच नहीं रहा : उपराष्ट्रपति

गुवाहाटी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि समाज को बदलने के लिए शिक्षा सबसे प्रभावशाली, स्थायी, परिवर्तनकारी तंत्र है। यह असमानताओं को दूर कर सकता है और असमानताओं का मुकाबला कर सकता है। यदि हमारे पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है, तो अन्य चीजें भी अपने स्थान पर आ जाएंगी। वे आज यहां रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के तीसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और राज्यपाल असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मुझे इसमें कोई शंका नहीं है कि शिक्षा ही समाज को बदल सकती है। समाज में बदलाव तब आएगा जब हम नए-नए खोज करेंगे। रिसर्च करेंगे। विकास करेंगे। जब हम आउट ऑफ बॉक्स जाकर सोचेंगे। तभी समाज में परिवर्तन आएगा। उन्होंने 21 सितंबर -शेष पृष्ठ दो पर

सड़कों पर उतरें नहीं, न्याय पर रखें भरोसा : धनखड़

गुवाहाटी (एजे /हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को लोगों से कानूनी मुद्दों से निपटने के लिए सड़कों पर उतरने के बजाय देश की न्यायिक प्रणाली में भरोसा रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश की शासन प्रणाली की सफाई कर दी गई है और सत्ता के दलालों को निष्प्रभावी बना दिया गया है। असम की एक दिवसीय यात्रा के दौरान गुवाहाटी की कॉटन यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्हें जब भी अदालत या जांच एजेंसियों से समन मिलता है, तो वे सड़कों पर उतर आते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास एक मजबूत न्यायिक प्रणाली है। हम इसका लाभ क्यों नहीं उठाते? हमारी अदालतों ने बहुत शानदार काम किया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मौजूदा शासन के तहत भ्रष्टाचार को सिस्टम से खत्म कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मैंने ऐसा समय भी देखा है, जब यह सोचा जाता था कि कानून कुछ लोगों तक नहीं पहुंच सकता, दलाल हर जगह थे और भ्रष्टाचार व्याप्त था। -शेष पृष्ठ दो पर

नितिन गडकरी को मानद डी.लिट की उपाधि

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को सोमवार को गुवाहाटी के असम डाउन टाउन विश्वविद्यालय ने डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी.लिट) की मानद उपाधि से सम्मानित किया। सोमवार को केंद्रीय मंत्री गडकरी असम डाउन टाउन विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. नरेंद्र नाथ दत्ता और कुलपति डॉ. नारायण चंद्र तालुकदार ने गडकरी को डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी.लिट) की मानद -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम में बिछाया जा रहा सड़कों का जाल : गडकरी

एजल। केंद्रीय परिवहन मंत्री नीतिन गडकरी मिजोरम के डंपा में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिस राज्य का विकास होगा उसी की गरीबी मिटेगी और लोगों के जीवन में खुशहाली आएगी। इसी क्रम में, मिजोरम को केंद्र सरकार बहुत सी सौगात देने जा रही है। मिजोरम में भी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

भूटान नरेश चार नवंबर को आएंगे काजीरंगा

गोलाघाट (हि.स.)। पड़ोसी देश भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक 04 नवंबर को काजीरंगा आएंगे। वे काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के कोहरा वनांचल का भ्रमण करेंगे। काजीरंगा प्रशासन भूटान नरेश के स्वागत के लिए इसी बीच तैयारी शुरू कर दी है। वे दो दिवसीय यात्रा पर काजीरंगा पहुंचेंगे। काजीरंगा के विभिन्न गेस्ट हाउसों में भूटान के राजा के आगमन के लिए बड़ी संख्या में कमरे आधिकारिक तौर पर बुक किए जा चुके हैं।

पूजा के बहाने खंडित कर दी मां काली की प्रतिमा

टांडाकला (चंदौली)। घनश्यामपुर गांव में रविवार की रात गांव के ही एक सिरफिरे युवक ने अतिप्राचीन मां काली की मूर्ति को खंडित कर आभूषण को लेकर फरार हो गया। सोमवार की सुबह जब पुजारी मंदिर में पूजन अर्चन करने गए तो मंदिर से गायब मूर्ति को खंडित देख ग्रामीणों को सूचना दी। ग्रामीणों ने मंदिर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

ड्यूटी पर शराब पीने वाले पुलिसकर्मी होंगे निलंबित : डीजीपी

गुवाहाटी। फटाशील आमबाड़ी पुलिस स्टेशन के अधिकारी ओम प्रकाश सिंह के गंभीर कदाचार के जवाब में, पुलिस ने एक निलंबन आदेश जारी किया है, जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि आगे की जांच होने तक उन्हें सबसे गंभीर कानूनी विभागीय सजा का सामना करना पड़ेगा। हाल के एक घटनाक्रम में, जनरल डायरी प्रविष्टि संख्या 12 के आधार पर 29 अक्तूबर, 2023 को निलंबन आदेश, इंस्पेक्टर सतीश साहू द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के बाद जारी किया गया था, जो फटाशील आमबाड़ी पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। अधिकारी ओम प्रकाश सिंह के घोर कदाचार और कर्तव्य के प्रति लापरवाही के परिणामस्वरूप निलंबन तत्काल प्रभाव से लागू हुआ है। अपने निलंबन की अवधि के दौरान, अधिकारी ओम प्रकाश सिंह विभागीय नियमों के अनुसार -शेष पृष्ठ दो पर

असम के विकास में मारवाड़ी समाज का महत्वपूर्ण योगदान : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉक्टर हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम के विकास में मारवाड़ी समाज के लोगों का भरपूर योगदान रहा है। चाहे वह आर्थिक क्षेत्र हो या सांस्कृतिक क्षेत्र, हर क्षेत्र में मारवाड़ी समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। मुख्यमंत्री सोमवार को यहां एक निजी होटल में मारवाड़ी समाज की ओर से आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ तथा राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां एक और असम की अर्थव्यवस्था को ऊंचाई देने -शेष पृष्ठ दो पर

प्याज के दामों में कमी आनी शुरू हुई : केंद्र सरकार

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार का कहना है कि निर्यात संबंधित फैसलों के बाद प्याज के दामों में गिरावट आनी शुरू हो गई है। साथ ही नवंबर महीने में बढ़ती मांग को देखते हुए विभाग ने मंडी बिक्री और उच्च कीमतों वाले केंद्रों पर खुदरा उपभोक्ताओं को रियायती बिक्री के माध्यम से प्याज बफर स्टॉक को बाजार में जारी करना शुरू कर दिया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार प्याज की कीमतों में पिछले सप्ताह के दौरान दर्ज की गई उच्चतम -शेष पृष्ठ दो पर

आरक्षण के लिए मराठा समाज का आंदोलन उग्र, भाजपा नेता का घर फूंका

मुंबई (हि.स.)। मराठा आरक्षण के लिए सोमवार को मराठा क्रांति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने उग्र रुप धारण करते हुए कई नेताओं के घर, कार्यालय, सरकारी कार्यालयों में आगजनी और तोड़फोड़ की है। इस तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाओं पर मराठा नेता मनोज जारांगे ने कहा कि सरकारी पक्ष में बैठे लोग की ओर से इस तरह का कृत्य किए जाने की आशंका है। उन्होंने मराठा समाज को शांतिपूर्वक आंदोलन करने की अपील की है। जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले कहा कि जनप्रतिनिधियों की घर कार्यालय फूंक दिया जा रहे हैं। यह टोटल इंटेलीजेंस फेल्योर है। गृह मंत्रालय कहां हैं। गृहमंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उधर मराठा नेताओं की उग्रता को देखते हुए प्रशासन ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे, मंत्री छगन भुजबल सहित कई नेताओं के घर पर पुलिस सुरक्षा बढ़ा दिया है। मराठा आरक्षण की -शेष पृष्ठ दो पर

सरदार पटेल की प्रतिमा को देखकर आगामी पीढ़ियों का रहेगा सिर ऊंचा : पीएम

मेहसाणा (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मेहसाणा की खेड़ालू ताहसील के दभोदा में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने राज्य को 5,950 करोड़ रुपए की सौगात दी। इन परियोजनाओं में रेल, सड़क, पेयजल और सिंचाई जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज 30 अक्तूबर है और कल 31 अक्तूबर, ये दोनों दिन हमारे -शेष पृष्ठ दो पर

जनता को चुनावी चंदे का स्त्रोत जानने का अधिकारी नहीं : केंद्र

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी ने चुनावी चंदा हासिल करने वाले इलेक्ट्रॉल बॉन्ड स्कीम की वैधता का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि जनता के पास राजनीतिक दलों को मिलने वाले चुनावी चंदे का स्त्रोत जानने का मौलिक अधिकार नहीं है। अटॉर्नी जनरल ने अदालत में चार पेज का लिखित जवाब दिया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इलेक्ट्रॉल बॉन्ड योजना में चंदा देने वाले को गोपनीयता का लाभ मिलता है। उन्होंने अदालत में कहा कि इलेक्ट्रॉल बॉन्ड स्कीम संविधान के अनुच्छेद 19(2) के दायरे में है, जो सरकार को मौलिक अधिकारों के प्रयोग पर उचित प्रतिबंध लगाने की अनुमति देती है। केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए अटॉर्नी जनरल ने राजनीतिक दलों की फंडिंग में पारदर्शिता के लिए याचिकाकर्ताओं द्वारा उठाए गए तर्कों का विरोध किया। केंद्र सरकार के वकील ने कहा कि अभिव्यक्ति के लिए जरूरी जानने का अधिकार -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तरी और सेंट्रल गाजा में घुसी इजरायली सेना

गाजा पट्टी। इजरायल और हमास के बीच युद्ध का आज 24वां दिन है, दोनों तरफ से हुई हजारों मौतों हुई हैं। इस बीच इजरायली सैनिक सोमवार (30 अक्तूबर) को उत्तरी और मध्य गाजा में अंदर तक घुस गए और जमीनी हमले किए। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र और चिकित्सा कर्मचारियों ने इजरायल को चेतावनी दी थी कि उसकी तरफ से हवाई हमले उन अस्पतालों के पास हो रहे हैं जहां हजारों फलस्तीनियों ने हजारों घायलों के साथ आश्रय मांगा है। खबरों के मुताबिक, सेंट्रल गाजा में एक इजरायली टैंक और बुलडोजर को क्षेत्र के मुख्य उत्तर-दक्षिण हाईवे को बाधित करते हुए दिखाया गया है। इस हाईवे का इस्तेमाल फलस्तीन के आम नागरिक हमलों से बचने के लिए कर रहे थे। यह पूछे जाने पर कि क्या सेनाएं सड़कों पर तैनात हैं, इजरायली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि हमने अपने हमलों को आगे बढ़ाया है, लेकिन सेना की वर्तमान तैनाती पर टिप्पणी नहीं करेंगे। वहीं, इजरायल ने गाजा शहर के दोनों किनारों और उत्तरी गाजा के आसपास के इलाकों में सेना की तैनाती की है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसको हमास द्वारा 7 अक्तूबर को इजरायल में क्रूर हमले के बाद शुरू हुए युद्ध का *दूसरा चरण* कहा है। इसके बीच घने रिहायशी इलाकों में इजरायली सेना और फलस्तीनी आतंकवादियों -शेष पृष्ठ दो पर

पुलवामा में आतंकवादियों ने एक प्रवासी को मारी गोली

पुलवामा (हि.स.)। पुलवामा जिले में सोमवार को आतंकवादियों ने एक प्रवासी श्रमिक की गोली मारकर हत्या कर दी। इस वारदात के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी करके हमलावर आतंकवादियों की तलाश में अभियान शुरू कर दिया है। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों ने पुलवामा के तुमची नौपोरा इलाके में यूपी के मुकेश नामक एक मजदूर पर गोलीबारी कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। हालांकि मुकेश ने बाद में दम तोड़ दिया। इस घटना -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

लोकसभा चुनाव से पहले जदयू में भूचाल

जिलाध्यक्ष के कार्यों से नाराज पदाधिकारी दे रहे हैं इस्तीफा

औरंगाबाद। लोकसभा चुनाव से पहले जिला जदयू में भूचाल आया है। पार्टी जिलाध्यक्ष के कार्यों से नाराज जिला स्तरीय पदाधिकारी इस्तीफा दे रहे हैं। पार्टी के 15 पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए अपने पद से इस्तीफा दिया था। एक साथ 15 की इस्तीफा के बाद से पार्टी में हलचल बढ़ गई है। जिलाध्यक्ष इस्तीफा दिए अधिकारियों को हटाने में लगे हैं। वहीं, पार्टी नेता अध्यक्ष के खिलाफ राष्ट्रीय एवं प्रदेश अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिकायत कर रहे हैं। रविवार को जिला जदयू के मुख्य प्रवक्ता अजिताभ कुमार सिंह रिंकू ने प्रेस बयान पर जारी कर बताया कि नबीनगर विधानसभा क्षेत्र के जदयू के 15 पार्टी पदाधिकारियों ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। छह का इस्तीफा मंजूर किया गया है। नौ अपने पद पर बने रहेंगे। सभी ने रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिलकर अपनी गलती पर खेद प्रकट किया है। मुख्यालय प्रभारी चंदन सिंह के निर्देश पर उदय पटेल, मुकेश पटेल, विनोद सिंह, फारूक कैसर, बृजमोहन मेहता, महावीर मेहता, जितेंद्र चंद्रवंशी, केदार यादव, मुरारी रजक अपने पद पर बने रहेंगे। जिला प्रवक्ता राजीव रंजन सिंह उर्फ राजा, उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह, सूर्यवंश सिंह, विभूति नारायण पांडे, सचिव नागेंद्र सिंह एवं महासचिव रंजीत कुमार सिंह का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। अब ये पद पर नहीं रहेंगे। उधर, पूर्व मुख्य प्रवक्ता राजीव रंजन सिंह उर्फ राजा के साथ अन्य पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष पर मनमानी, संगठन को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय एवं प्रदेश अध्यक्ष को पत्र लिखा है। बताया है कि औरंगाबाद स्थित जदयू कार्यालय बंद रहता है। गांधी एवं राधाकृष्णन जयंती पर कार्यालय बंद रहा। दोनों की जयंती पर कोई कार्यक्रम नहीं हुआ।

सिंगूर : टाटा ग्रुप की बड़ी जीत बंगाल सरकार को चुकाने होंगे पैसे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के सिंगूर जमीन विवाद में टाटा को बड़ी जीत मिली है। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड को इस विवाद में 766 करोड़ रुपए मिलेंगे। बंगाल सरकार को ये राशि टाटा ग्रुप को चुकानी होगी। सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पंचाट न्यायाधिकरण ने मामले का निपटारा करते हुए टाटा मोटर्स के पक्ष में फैसला सुनाया है। इसमें कहा गया है कि टाटा मोटर्स अब प्रतिवादी पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम (डब्ल्यूबीआइडीसी) से 11 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज के साथ 765.78 करोड़ रुपए की राशि वसूलने की हकदार है। गौरतलब है कि पूर्ववर्ती वाममोर्चा सरकार ने टाटा को सिंगूर में *लखटकिया* नैनो कार कारखाना लगाने की अनुमति दी थी। तब ममता बनर्जी विपक्ष में थीं। ममता ने वाममोर्चा सरकार पर सिंगूर में टाटा के लिए जबरन जमीन अधिग्रहण का आरोप लगाते हुए आंदोलन का नेतृत्व किया था। साल 2008 में आंदोलन के कारण टाटा को अपना कारखाना गुजरात के सानंद में स्थानांतरित करना पड़ा था। गुजरात के तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी और टाटा ग्रुप के चेयरमैन रतन टाटा ने इस प्लांट का उद्घाटन किया था। 2010 में टाटा ने सानंद में एक और प्लांट खोला था। टाटा उस वक्त सिंगूर में एक हजार करोड़ रुपए लगा चुका था। टाटा मोटर्स ने साल 2011 में ममता सरकार के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसके जरिए कंपनी से अधिगृहित जमीन छीन ली गई थी।

No. SLRC-G-III/91/Advertisement/2023/2

ADVERTISEMENT

In exercise of powers conferred by "The Assam Direct Recruitment Commission for Analogous Posts in Class-III and Class-IV Act, 2021", online applications are invited from intending and eligible candidates who are citizens of India having registration number in Employment Exchange in the State of Assam for filling up of 7,600 nos. of vacant Class-III posts (tentative) under different establishments/departments of the Government of Assam.

There will be reservation of posts for various categories as per existing Government Rules. The details of vacancies including particulars of Pay Band and Grade Pay, etc. shall be published ahead of conduct of Examination along with details of reservations.

1. Educational Qualifications required for various Class-III posts are as follows :

Sl. No.	CATEGORY OF WRITTEN EXAMINATION	MINIMUM QUALIFICATION REQUIRED	TENTATIVE VACANCIES
1	**Category I** Bachelor Degree Level	Bachelor's Degree	4,055
		Bachelor's Degree with Computer Certificate/Diploma of minimum 6(six) months duration from a recognized Institute	
		Bachelor's Degree with Computer Certificate/Diploma of minimum 6(six) months duration and Stenography Certificate from recognized Institute	
		Bachelor's Degree in Library Science with Computer Certificate/Diploma of minimum 6 (six) months duration from a recognized Institute.	
2	**Category II** HSSLC Level	HSSLC or equivalent Examination passed	3,127
		HSSLC (Science) Examination passed	
3	**Category III** HSLC Level	HSLC or equivalent Examination passed with valid LMV Driving Licence	418

The vacancies mentioned above are tentative and final position of vacancies and reservation of posts shall be published in due course of time and before written examination.

Commission reserves the right to change any condition of recruitment mentioned in this advertisement.

Further, Commission reserves the right to cancel/amend the whole or part of the process of recruitment at any time without assigning any reason thereof. However, communication in this regard will be placed in public domain.

2. **Age :** The candidate should not be less than 18 years and more than 40 years of age as on 01-01-2023. The upper age limit is relaxable as follows:
- **(a)** 5 years for SC/ST candidates.
- **(b)** 3 years for OBC/MOBC candidates.
- **(c)** 2 years for Ex-Servicemen.
- **(d)** 10 years for PwBD candidates.

The age of the candidates will be calculated on the basis of the Matriculation/ HSLC Admit Card/HSLC Passed Certificate issued by a recognised Board/ Council. No other document shall be accepted in lieu thereof for this purpose.

3. Documents to be uploaded :
- i) Recent Passport Size Photograph.
- ii) Scanned signature of the Candidate.

4. Application Fee*:
- (a) There will be no application fee for all the categories of candidates.
- (b) Candidates are not required to pay any application fee for submission of their online applications,

5. Application Procedure:

CANDIDATES ARE REQUIRED TO APPLY IN PRESCRIBED FORM THROUGH ONLINE MODE ONLY. NO OTHER MODE FOR SUBMISSION OF APPLICATION IS ALLOWED.
- i) Instructions for filling up prescribed online form shall be available in website- www.scbaonlinc.org as well as in the official Assam Government website i.e. https://assam.gov.in/ from 10th November, 2023.
- ii) The applications shall be received from 10th November, 2023 onwards upto 29th December, 2023.
- iii) Candidates should fill up all the fields in the online application which are marked as mandatory.
- iv) Candidates should be cautious while submitting the online application form. Once the online application is submitted there will be no scope for editing / correction / resubmission.
- v) After submitting the online application form, the candidate will get a unique number against their submitted application and will utilize the unique number for all future references.
- vi) Candidates may also note that for any lapse in submission of online application due to technical problem, the Commission will not be responsible.
- vii) The Admit Cards for attending the examination will be available for download from the official website of the SEBA. Date and time for the same shall be notified later.

6. Selection Procedure:

The Selection Criteria and the mode of examination for the different categories of posts shall be communicated in due course of time. However, after written examination, the shortlisted candidates will have to appear for skill test viz. Computer/Stenography/Driving Skill tests etc.

The shortlisted candidates will have to bring all the original testimonials i.e. Age proof Certificate, Caste Certificate (in case of reserved category candidates), Educational Qualification Certificates, Computer Proficiency Certificate (as applicable), Disability Certificate (in case of PwBD candidates) and Declaration in Form-"A" under Rule 5(I) of the Assam Public Services (Application of Small Family Norms in Direct Recruitment) Rules, 2019 as available in the website for verification at the time to be notified later on.

7. Other Conditions:
- i) Those candidates who are already in Government service should produce NOC (No Objection Certificate) from the respective HoDs (Heads of Departments) at the time of the Skill test/Document Verification.
- ii) Canvassing directly or indirectly shall disqualify a candidate.
- iii) No TA/DA will be admissible for attending the written test/ Skill test.
- iv) There will be no preference for place of posting. However, the Government may take into consideration nearest proximity of the permanent address, need of the department/ any other requirements in public interest.
- v) The selection of candidates shall be on the basis of merit in order of higher Grade Pay taking into consideration reservations as applicable.
- vi) Selected candidates within a particular grade pay shall be allotted departments by draw of lots by the Commission.
- vii) The Commission reserves the right to cancel the candidature of any candidate as and when any ineligibility condition is detected. If any information declared by the candidate is found to be false at any stage, the candidate will be penalized as per prevailing law/rules.
- viii) The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

Secretary,
State Level Recruitment Commission for Class-III Posts
Assam Administrative Staff College,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/12532/ 23

पृष्ठ एक का शेष

कुछ लोगों को ...

के दिन को भी याद किया जब संसद ने महिला आरक्षण बिल को पास किया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आधी आबादी को न्याय मिला। उन्होंने कहा कि जब देश की प्रगति अप्रत्याशित हो जाती है। सपनों से परे होती है। जमीनी हकीकत है। तो चुनौतियां भी हैं। दुनिया में भारत की आवाज बुलंदी पर है। यह बहुत से लोगों के हाजमें के लिए ठीक नहीं है। ऐसा इलाज कीजिए उन लोगों का, जो भारत की प्रगति को पचा नहीं पा रहे हैं। उनको बेचैनी हो जाती है। वो किसी भी हद तक जा सकते हैं। भारत की पवित्र संस्थाओं को कलंकित करने के लिए। मैं हर एक से अपील करना चाहता हूं कि यह हमारी राष्ट्रीय कर्तव्य है कि भारतीयता पर विश्वास करें। भारत के नागरिक होने पर गर्व करें। भारत विरोधियों के खिलाफ उठें। आप में ताकत है, आपमें बुद्धि है, आपमें सोच हैं। आप विवेचन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग तो कुछ भी कह जाते हैं। हमारा पड़ोसी मुल्क हमसे अच्छा है। उस देश के लोग यह बात सुनकर बेहोश हो जाते हैं। कहां आ गए हैं हम। जब राष्ट्र पूरी तरह से अग्रसर है। सही रास्ते पर है। दुनिया सराहना कर रही है। हमने जो भी पाया है, हमारी अचीवमेंट्स प्रेक्टिकल टर्म्स में हैं। हमें पीछे नहीं हटना चाहिए। मुझे विश्वास है, आप उसे कर गुजरेंगे। इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सोमवार को सुबह यहां एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए गुवाहाटी पहुंचे। असम के राज्यपास और मुख्यमंत्री ने यहां पहुंचने पर उनका हवाई अड्डे पर स्वागत किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को डिग्री और डिप्लोमा दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में पौधा भी लगाया।

सड़कों पर उतरें...

लेकिन वह समय अब खत्म हो गया है। धनखड़ ने कहा कि एक दौर था, जब हमारे सत्ता के गलियारे और शासन प्रणाली सत्ता के दलालों और भ्रष्ट तत्वों से भरे हुए थे। इन गलियारों को अब साफ कर दिया गया है और दलालों को निष्क्रिय बना दिया गया है। उपराष्ट्रपति ने दावा किया कि आम नागरिकों और छात्रों को मौजूदा स्थिति से सबसे ज्यादा फायदा होगा। उन्होंने युवाओं से सभी क्षेत्रों में राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया। धनखड़ ने कहा कि भारत का विकास कुछ वर्गों को पसंद नहीं आ रहा है और उन्होंने छात्रों से ऐसी ताकतों को हराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत की आवाज अब वैश्विक स्तर पर शीर्ष पर है, लेकिन यह कई लोगों को पसंद नहीं आ रही है... भारत विरोधी विमर्श को बेअसर करना हमारा कर्तव्य है। एक समय था, जब हमारी शासन प्रणाली सत्ता के दलालों और भ्रष्ट तत्वों से प्रभावित थी। अब देश की शासन प्रणाली को सैनिटाइज कर सत्ता के दलालों को निष्क्रिय किया जा रहा है। धनखड़ यहां कॉटन विश्वविद्यालय में एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति धनखड़ सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर गुवाहाटी पहुंचे हैं। इसके अलावा उपराष्ट्रपति ने गुवाहाटी में रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी तथा आरजीआई यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोहों में भी भाग लिया। धनखड़ ने अपने संबोधन में समस्याओं को लेकर सड़कों पर आंदोलन करने के बजाय देश की न्यायिक प्रणाली में विश्वास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश की शासन प्रणाली को साफ-सुथरा कर दिया गया है और सत्ता के दलालों को निष्क्रिय किया जा रहा है। कुछ लोग न्यायपालिका या जांच एजेंसी से समन मिलने पर सड़कों पर उतर आते हैं। हमारे पास एक मजबूत न्यायिक प्रणाली है, हम इसका लाभ क्यों नहीं उठाते। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मौजूदा शासन के दौरान व्यवस्था से भ्रष्टाचार को हटा दिया गया है। उन्होंने कई बार देखा है, जब यह सोचा जाता था कि कानून हर किसी के लिए नहीं है। दलाली व भ्रष्टाचार चल रहा है, लेकिन अब वह समय बदल गया है। अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने युवाओं से संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा करने का आह्वान किया।

नितिन गडकरी को...

उपाधि से सम्मानित किया। गडकरी को यह मानद उपाधि पूर्वोत्तर क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास में उनके पर्याप्त योगदान के लिए दी गई है। गुवाहाटी के एक दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचने के बाद केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अपनी पत्नी के साथ सुबह कामाख्या मंदिर पहुंच कर वहां पूजा-अर्चना की तथा मां कामाख्या का आशीर्वाद लिया।

मिजोरम में बिछाया...

सड़कों जा जाल बिछाया जा रहा है। इससे मिजोरम का बांग्लादेश और म्यांमार के साथ संपर्क और मजबूत होगा। उन्होंने सत्तारूढ़ सरकार पर विकास में सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर सरकार हमको जगह नहीं देगी तो हम कैसे विकास को आगे बढ़ा पाएंगे। आपको विश्वास दिलाता हूं कि भाजपा मिजोरम की तस्वीर बदल देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जेपी नड्डा की नेतृत्व वाली भाजपा मिजोरम के विकास में पूरा जान लगा देगी। उन्होंने कहा मिजोरम की लाइफ लाइन कहलाने वाली सिलचर से बेरेंगटे जो कि सैरांग तक जाएगी, जिसकी लंबाई 98 किलोमीटर है। इस चार लाइन सड़क, जिस पर करीब 3500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसे जल्द ही पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह इसलिए नहीं बन पा रही है क्योंकि सरकार जमीन दिला पाने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि म्यांमार से एक अंतर्राष्ट्रीय सड़क बनाने जा रही है, जो नगालैंड, मिजोरम और मणिपुर से होकर गुजरेगी।

ड्यूटी पर शराब...

अपने जीवन निर्वाह भत्ते (एसए) के हकदार होंगे, और वह पश्चिम गुवाहाटी में अधिकारी रिजर्व में बंद रहेंगे। इससे पहले दिन में, माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर डीजीपी जीपी सिंह ने एक संबंधित घटना को संबोधित किया जो उनके ध्यान में आई थी। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में ड्यूटी पर शराब पीते पुलिस कर्मियों का एक वीडियो मेरे संज्ञान में लाया गया है। ड्यूटी पर या वर्दी में, भले ही ड्यूटी से बाहर हों, पुलिस कर्मियों के नशे में होने के प्रति हमारी कोई सहनशीलता नहीं है। उनका भी वही हश्र होगा जो उनके साथ हुआ है। उनसे पहले कई अन्य। मैंने कानूनी रूप से स्वीकार्य सबसे गंभीर विभागीय कार्रवाई का निर्देश दिया है। जुलाई की एक पूर्व घटना में, एक सशस्त्र शाखा निरीक्षक, लोहित राजबोंगशी को तेजपुर में एक कॉलेज लड़की को कथित तौर पर अश्लील पाठ संदेश भेजने के लिए निलंबित कर दिया गया था। पीड़ित ने राजबोंगशी से अनुचित संदेश प्राप्त होने की सूचना दी, जिसके बाद तेजपुर के कचारीगांव पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई। पीड़िता के आरोपों में अधिकारी द्वारा भेजे गए स्पष्ट संदेशों का विवरण दिया गया, जिससे उसे औपचारिक शिकायत दर्ज करने के लिए प्रेरित किया गया। जैसे ही अधिकारी को समुदाय द्वारा डांटे जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, राजबोंगशी को पीड़ित से माफी मांगने के लिए मजबूर होना पड़ा। डीजीपी जीपी सिंह ने अनुशासन बनाए रखने और बल के भीतर उच्चतम नैतिक और नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रति पुलिस विभाग के दृढ़ रवैये को दोहराया। उन्होंने कहा कि किसी भी पुलिस अधिकारी द्वारा किसी भी तरह के अपमानजनक व्यवहार की अनुमति नहीं दी जाएगी और विभाग आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना जारी रखेगा।

असम के विकास में ...

में मारवाड़ी समाज का योगदान है, वहीं यहां के स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों आदि के निर्माण के लिए भूमि देने से लेकर धन देने तक- हर तरीके से मारवाड़ी समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया है। समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि मारवाड़ी समाज के लोगों ने स्थानीय कला-संस्कृति-साहित्य में जो योगदान दिया है, वह अविस्मरणीय है। मारवाड़ी समाज के अनेक लोगों ने असमिया भाषा में साहित्य में रचनाएं लिखी की हैं। आज मारवाड़ी समाज असम का एक अभिन्न अंग बन गया है। इस मौके पर राज्य के शहरी विकास मंत्री अशोक सिंघल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय मारवाड़ी लोग व विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी मौजूद थे।

प्याज के दामों ...

कीमत से 5 से 9 प्रतिशत की गिरावट हुई है। निर्यात को हतोत्साहित करने और घरेलू बाजारों में उपलब्धता बनाए रखने के लिए 29 अक्तूबर से 31 दिसंबर तक प्याज पर 800 अमेरिकी डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य लगाने के भारत सरकार के फैसले ने महाराष्ट्र के बाजारों में मूल्य सुधार का तत्काल प्रभाव दिखाया है, जहां कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। महाराष्ट्र के सभी बाजारों में प्याज की औसत कीमत में 4.5 प्रतिशत की गिरावट आई है और खपत केंद्रों में भी इसी तरह की गिरावट देखी गई है। मंत्रालय का कहना है कि उपभोक्ता मामलों का विभाग स्थिर घरेलू कीमतें और उपभोक्ताओं के लिए उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए दैनिक आधार पर प्याज के निर्यात और कीमतों की निगरानी कर रहा है। सरकार ने प्याज बफर स्टॉक को बाजार में जारी करना शुरू कर दिया है। इसमें 170 से अधिक शहरों को कवर करने वाले 685 मोबाइल खुदरा दुकानों के माध्यम से खुदरा बिक्री शामिल है। एनएएफईडी और एनसीसीएफ ने प्याज की कीमतों को नियंत्रण में रखने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए उच्च मूल्य केंद्रों में वितरित करने के लिए खरीफ फसल के अतिरिक्त 2 एलएमटी प्याज की खरीद भी शुरू कर दी है।

आरक्षण के लिए...

मांग को लेकर आज सुबह से ही मराठा आंदोलन कारियों ने राकांपा विधायक प्रकाश सोलंके के घर में आग लगा कर की थी। इसके बाद उग्र मराठा आंदोलनकारियों ने बीड़ में ही राष्ट्रवादी भवन में आग लगा दिया। इसके बाद आंदोलन कारियों ने बीड़ में विधायक विधायक संदीप क्षीरसागर और पूर्व मंत्री जयदत क्षीरसागर के कार्यालय में आग लगा दी। इतना ही नहीं मराठा आंदोलन कारियों ने विधायक प्रकाश सोलंके के भाई धैर्यशील सोलंके का बंगला भी फूंक दिया। बीड में ही मंत्री छगन भुजबल के कार्यकर्ता सुभाष राउत के होटल में आग लगा दी गई है। आंदोलनकारियों ने बीड़ नगर निगम के कार्यालय को भी फूंक दिया है। छत्रपति संभाजीनगर में मराठा कार्यकर्ताओं ने भाजपा विधायक प्रकाश बंब का कार्यालय तोड़ दिया। इतना ही नहीं उग्र मराठा आंदोलन कारियों ने जालना में बदनपुर और शेलगांव स्टेशन के बीच रेलवे को रोकने का प्रयास किया, जबकि जालना में समृद्धि हाईवे को कई घंटे तक बंद रखा। महाराष्ट्र के कई जिलों में मराठा आंदोलन कारियों ने हाईवे पर टायर जलाकर यातायात अवरुद्ध किया। खबर लिखे जाने तक मराठा आंदोलन कारियों का उग्र आंदोलन कई शहरों में जारी है। मनोज जारांगे पाटिल ने आज सुबह राकांपा विधायक प्रकाश सोलंके का घर जलाए जाने के बाद कहा था कि सोलंके ने कभी मराठा समाज के बारे में गलत व्यक्तव्य दिया होगा। लेकिन शाम को मनोज जारांगे ने कहा कि मराठा समाज के लोग आगजनी और तोड़फोड़ में शामिल नहीं हो सकते। इस तरह की तोड़फोड़ और आगजनी उनके आंदोलन को बदनाम करने के लिए सरकारी पक्ष के लोगों द्वारा किए जाने की आशंका है। जारांगे पाटिल ने मराठा समाज के लोगों से अपील की है कि कोई भी आंदोलन शांतिपूर्वक करें अन्यथा उन्हें अलग निर्णय लेना पड़ेगा।

सरदार पटेल की ...

लिए बहुत प्रेरणादायक हैं। आज गोविंद गुरुजी की पुण्यतिथि है, जिन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी और अंग्रेजों को कड़ी टक्कर दी और कल सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती है। हमारी पीढ़ी ने दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा देखी। हमने सरदार पटेल के प्रति अपनी सर्वोच्च श्रद्धा व्यक्त की। आने वाली पीढ़ियां सरदार पटेल की प्रतिमा को देखेंगी लेकिन झुकेंगी नहीं, उनका सिर ऊंचा रहेगा। मोदी ने आगे कहा कि गोविंद गुरुजी का पूरा जीवन भारत की आजादी और आदिवासी समुदाय की सेवा के लिए बीता। उनकी सेवा और राष्ट्रवाद इतना मजबूत था कि उन्होंने बलिदानों की एक परंपरा शुरू की और वो एक प्रतीक बन गए। पिछले वर्ष हमारी सरकार ने मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्तर पर विकसित किया। उन्होंने आगे कहा कि यहां आने से पहले, मुझे अंबाजी मंदिर के दर्शन करने का मौका मिला। जिस तरह से *गब्बर* (अंबाजी गांव के पश्चिम में एक छोटी पहाड़ी, जिसे देवी की मूल सीट माना जाता है) को विकसित किया जा है। मैंने इसके बारे में रविवार को *मन की बात* में बात की थी। आज 6000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की घोषणा की गई। ये परियोजनाएं किसानों को मजबूत करेंगी। इनसे पूरे देश के साथ कनेक्टिविटी बनेगी। इन परियोजनाओं से मेहसाणा के आसपास के सभी जिलों को फायदा होगा। पीएम ने कहा कि उत्तरी गुजरात के आलू पूरी दुनिया में मशहूर हैं। उत्तरी गुजरात में निर्यात गुणवत्ता वाले आलू पैदा होते हैं। आलू से बने उत्पाद दुनियाभर में निर्यात होते हैं। बनासकांठा में आलू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित हैं। हमारे आलू उत्पादक किसानों ने रेतीली मिट्टी से सोना पैदा करने का काम किया है। आज जिन प्रोजेक्ट्स को शुरू किया गया है, उसमें भारतीय रेलवे, गुजरात रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, जल संसाधन विभाग, जल आपूर्ति विभाग, सड़क और भवन विभाग और शहरी विकास सहित कई सरकारी विभागों के प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट्स से मेहसाणा, अहमदाबाद, बनासकांठा, साबरकांठा, महिसागर, गांधीनगर और पाटन जिले को लाभ मिलेगा। इन जिलों में कुल 16 प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें से 8 का उद्घाटन और लोकार्पण किया गया। पश्चिमी समर्पित फ्रेट कॉरिडोर का न्यू भांडू-न्यू साणंद (एन) खंड, वीरमगाम-समखिअली रेल लाइन का दोहरीकरण, कटोसन रोड-बेचराजी-मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड रेल परियोजना का उद्घाटन किया गया।

जनता को चुनावी ...

कुछ उद्देश्यों के लिए हो सकता है। जवाब में ये भी कहा गया कि लोकतंत्र के सामान्य स्वास्थ्य के लिए जानने का अधिकार अधिक व्यापक होगा। बता दें कि 16 अक्तूबर को इलेक्ट्रॉल बॉन्ड स्कीम को चुनौती देने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने पांच जजों की बेंच को रेफर किया था। अदालत ने याचिका की महत्ता को देखते हुए फैसले के लिए संविधान पीठ के पास भेज दिया था। 31 अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट की बेंच याचिका पर सुनवाई करेगी। याचिकाकर्ताओं ने मामले को पांच जजों की पीठ के पास भेजने की मांग की थी। याचिका में कहा गया था कि यह मामला संवैधानिक महत्व का है और यह देश में लोकतांत्रिक राजनीति और राजनीतिक दलों की फंडिंग को प्रभावित कर सकता है। इलेक्ट्रॉल बॉन्ड स्कीम के तहत एक बॉन्ड खरीदकर किसी भी राजनीतिक दल को चंदा दिया जा सकता है। बॉन्ड को कोई भी व्यक्ति, कंपनी, फर्म के द्वारा खरीदा जा सकतका है। हालांकि, वह शख्स भारतीय नागरिक हो या कंपनी भारत में हो। इसका मकसद राजनीतिक दलों को चंदा देना है।

उत्तरी और सेंट्रल ...

के बीच युद्ध में दोनों पक्षों में मरने वालों और घायलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। बता दें कि उत्तरी गाजा में हजारों की संख्या में फलस्तीनी रहते हैं। उत्तर-दक्षिण हाईवे के बंद होने से इजरायल आसानी से बिना रोक-टोक के उत्तरी गाजा में हमला कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक, लगभग 117,000 विस्थापित लोग उत्तरी गाजा के अस्पतालों में हजारों मरीजों और कर्मचारियों के साथ रह रहे हैं। विस्थापित लोगों को उम्मीद है कि वो यहां सुरक्षित रहेंगे। मगर, इधर ऐसी भी खबरें सामने आई हैं कि इजरायल ने जिन क्षेत्रों को सुरक्षित बताया था, उसने वहां भी बमबारी की है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, फलस्तीन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 8,000 से ज्यादा हो गई है। मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। वहीं, गाजा में 14 लाख से ज्यादा लोग अपना घर छोड़कर विस्थापित हो गए हैं, जबकि, हमास के हमले में 1,400 से ज्यादा इजरायली नागरिकों की मौत हुई है।

पुलवामा में ...

के बाद इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। इससे एक दिन पूर्व श्रीनगर के ईदगाह इलाके में आतंकवादियों के हमले में एक पुलिस इंस्पेक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

पूजा के बहाने ...

ने मौका मुआयना करते हुए। युवक को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया। घनश्यामपुर गांव में मां काली व हनुमान जी करीब 400 वर्ष पुराना मंदिर है। गांव के एक युवक राजेश उर्फ बब्बू पाठक रविवार की शाम को गांव के ही मंदिर के पुजारी प्रेम चंद्र पाल से पूजा करने के लिए चाबी मांगकर ले गया। पुजारी ने उसे चाबी दे दी। देर रात होने पर नहीं आया तो वे घर पर ही सो गए। युवक ने पिछले हिस्से का गेट खोलकर पीछे मां काली की मूर्ति ले जाकर कई हिस्सों में तोड़कर कर खंडित कर दिया। नवरात्रि में लोगो द्वारा श्रृंगारोत्सव पर चढ़ाया गया सोने व चांदी का नथिया, हार आदि सामान ले गया। सुबह तक युवक के न आने पर पुजारी मंदिर में पूजा पाठ करने गए तो गेट खुला देख अंदर गए जहां से मूर्ति व आभूषण गायब थे।

भारत व मलेशिया ने शिलांग में किया संयुक्त सैन्य अभ्यास

गुवाहाटी। भारत और मलेशिया के बीच एक संयुक्त अभ्यास शिलांग के उमरोई छावनी में चल रहा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। गुवाहाटी में पीआरओ रक्षा लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा कि अंतरसंचालनीयता हासिल करने के उद्देश्य से, दोनों सेनाएं एक सप्ताह से अभ्यास कर रही हैं।उन्होंने कहा कि दोनों टुकड़ियों को लड़ाकू कंडीशनिंग और सामरिक प्रशिक्षण पर रखा गया है, जिसमें फायरिंग ड्रिल और *बैटल हार्डनिंग* कार्य सत्र शामिल है। जंगल में सैनिकों के विशेष प्रशिक्षण पर जोर दिया गया है, जिसमें हेलेबोर ऑपरेशन, रॉक क्लाइंबिंग, जंगल सर्वाइवल तकनीक और रिफ्लेक्स शूटिंग आदि शामिल हैं। हरिमाउ शक्ति आईवी 2023 के नामक संयुक्त अभ्यास 23 अक्तूबर को शुरू हुआ और 5 नवंबर को समाप्त होगा। अभ्यास में, कमांड पोस्ट एक्सरसाइज (सीपीएक्स), एक टेबल टॉप प्लानिंग इवेंट है, जो यूनिट कमांडरों और स्टाफ अधिकारियों की परिचालन योजना निर्माण की क्षमताओं पर केंद्रित है। अधिकारी ने कहा कि इस दौरान मिशन को कंप्यूटर स्क्रीन, मानचित्र, ओवरले पर ट्रैक किया जाता है, जबकि नकली विद्रोही समूह जवाबी कार्रवाई करते हैं।

30/10 के सीरियल बम धमाके के 15 वर्ष पूरे

कोकराझाड़ (हिंस)। असम के इतिहास में 30 अक्तूबर का दिन काला अध्याय के रूप में दर्ज है। इसी दिन को पूरे राज्य में काला दिवस के रूप में मनाया जाता है। ज्ञात हो कि आज से 15 वर्ष पूर्व 30 अक्टूबर, 2008 को असम के विभिन्न स्थानों में प्रतिबंधित संगठन एनडीएफबी द्वारा सिलसिलेवार नौ स्थानों पर बम विस्फोट किए गए थे। विस्फोट में 81 लोगों की जान गई थी, जबकि 540 से अधिक लोग घायल हुए थे। सबसे अधिक गुवाहाटी के तीन स्थानों फैंसी बाजार, पान बाजार और गणेशगुड़ी में हुए विस्फोट में 41 लोगों की मौत हुई थी। जबकि, अन्य लोगों की मौत कोकराझार, बरपेटारोड और बाक्सा जिले में हुई थी। आज के दिन को असम के इतिहास में काला दिवस के रुप में मनाया जाता है। असम के इस सीरियल धमाके ने न केवल असम बल्कि, पूरे देश को दहला दिया था।

रोटरी स्मार्ट सिटी ने दिए *शरद स्वीकृति दुर्गा पूजा अवार्ड*

गुवाहाटी (विभास)। गैर सरकारी संस्था रोटरी क्लब का गुवाहाटी स्मार्ट सिटी की और से आयोजित शरद स्वीकृति दुर्गा पूजा अवार्ड 2023 के सभी विजेता पूजा समितियां को आज आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अवार्ड प्रदान किए गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में 18 न. वार्ड पार्षद शंकर चक्रवर्ती, विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलिन बरदलै उपस्थित थे। क्लब के अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने स्वागत संबोधन देते हुए कहा कि रोटरी क्लब की ओर से पहली बार आयोजित शरद स्वीकृति दुर्गा पूजा अवार्ड 2023 के माध्यम से महानगर की विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस पुरस्कार का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. मंटू पाल ने बताया कि महानगर के विभिन्न इलाकों में बनी एक से बढ़कर एक दुर्गा पूजा समितियों द्वारा बनाई गई प्रतिमाओ, आलोक सज्जा व पंडालों का भ्रमण करने के पश्चात निर्णायक मंडली द्वारा विजेताओं के नामो की घोषणा की गई थी। उसी के तहत घोषित विजाताओ को आज आयोजित इस कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जा रहा है। इनमें बेस्ट प्रतिमा का पुरस्कार रिहाबाड़ी बिलपार दुर्गा पूजा कमेटी व उपविजेता का पुरस्कार नयनतारा क्लब पूजा समिति, बेस्ट विद्युत सज्जा का पुरस्कार भास्करनगर सर्वजनिन दुर्गा पुजा कमिटी व उपविजेता रेस्ट कैंप कालीबाड़ी मालीगांव, बेस्ट पंडाल का पुरस्कार छत्रीबाड़ी सार्वजनिन देवो पूजास्थान समिति व उपविजेता आठगांव सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, बेस्ट इको फ्रेंडली पंडाल का पुरस्कार बेहतर उदलबकरा सर्वजनि पूजा मंदिर कमेटी तथा बेस्ट पूजा विथ सोशल मैसेज का पुरस्कार डायमंड क्लब रेलवे कॉलोनी को दिया गया। कार्यक्रम संयोजक मानस मजूमदार ने बताया कि आज आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सभी पूजा समितियां से आए पदाधिकारियों को क्लब की ओर से पुरस्कृत किया गया। क्लब के सचिव अभिषेक जैन ने बताया कि इस वर्ष आयोजित कार्यक्रम की आपार सफलता को देखते हुए क्लब की ओर से आने वाले वर्षों में भी शरद स्वीकृति दुर्गा पूजा अवार्ड का आयोजन किया जाएगा। वही कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न पूजा समितियां के पदाधिकारियो ने भी क्लब के इस प्रयास की खुले दिल से प्रशंसा की।

त्रिपुरा में बसाए गए दो हजार ब्रू परिवारों को एक साल से मासिक भत्ता नहीं मिला : समुदाय के नेता

गुवाहाटी/त्रिपुरा। त्रिपुरा के धलाई जिले में बसाए गए करीब दो हजार ब्रू परिवारों को पिछले एक साल से कोई मासिक भत्ता नहीं मिला है, जिस वजह से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इन लोगों के एक नेता ने यह दावा किया। यह समझौता तीन साल पहले हुआ था। जिलाधिकारी एसएस जायसवाल को लिखे एक पत्र में ब्रूहापाड़ा बस्ती इलाके के सहायक प्रभारी करणजॉय रेयांग ने कहा कि जातीय संघर्षों के कारण अपने गृह राज्य मिजोरम को छोड़ने के लिए मजबूर होने वाले विस्थापित आदिवासियों को अक्तूबर 2022 से मासिक भत्ता नहीं मिला है। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ब्रू समुदाय के लोगों को यह भत्ता केंद्र द्वारा दिया जाता है और तकनीकी कारण से इसमें देर हुई होगी। जिलाधिकारी को लिखे पत्र में रेयांग ने कहा कि मासिक नकद सहायता मिलने में देरी, ब्रू परिवारों को वित्तीय संकट में डाल देगी। इस संदर्भ में, मैं आपसे जरूरी कदम उठाने का अनुरोध करता हूं ताकि उन्हें (ब्रू परिवारों को) नकद सहायता प्राप्त हो सके। समझौते के मुताबिक, कुल 6, 953 ब्रू परिवारों में से प्रत्येक परिवार दो वर्षों के लिए पांच हजार रुपए मासिक भत्ते का हकदार है।

राज्य की प्रथम महिला अनीता कटारिया ने किया आठगांव में एचएम ट्रेडर्स दो का शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। पिछले दो दशकों से प्लाईवुड एवं लैमिनेट्स के कारोबार में ग्राहकों की कसौटी पर खरा उतरने वाले एचएम ट्रेडर्स ने आठगांव में अपने दूसरे स्टोर का उद्घाटन किया। राज्य की प्रथम महिला श्रीमती अनीता कटारिया ने सोमवार को आठगांव के बरभुइयां कांप्लेक्स स्थित एचएम ट्रेडर्स 2 का विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि श्रीमती कटारिया ने स्टोर के मालिक भंसाली परिवार को शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई की आने वाले समय में भी एचएम ट्रेडर्स, ग्राहकों को पहले से और बेहतर सेवा उपलब्ध कराएगा। इस मौके पर स्टोर के प्रमुख मांगीलाल भंसाली, मंजू भंसाली, गौतम भंसाली, रश्मि भंसाली सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। इस दौरान श्री भंसाली ने कहा कि 400 वर्ग फुट में फैले इस नए स्टोर के माध्यम से वे खुदरा ग्राहकों को उचित मूल्य पर प्लाईवुड व लैमिनेट उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि इस नए स्टोर में प्लाईवुड, लेमिनेटस के अलावा कैरिसिल किचन अप्लायंसेज, एक्सक्लूजिव हैंडल लॉक आदि उपलब्ध है। मालूम हो कुमारपाड़ा स्थित एचएम ट्रेडर्स के पास तेजस प्लाई, प्लाई स्टोरी, रॉयल टच लग्जरी लैमिनेट्स, सत्यम लैमिनेट्स, वेलस्पन सीपीसी फ्लोरिंग, एक्सक्लूसिव हैंडल्स की डिस्ट्रिब्यूशन हैं। इसके अलावा एचएम ट्रेडर्स सेंचुरी प्लाई के चैनल पार्टनर हैं। नए स्टोर में प्लाईवुड, लेमिनेट्स, हार्डवेयर फिटिंग्स आदि से जुड़ी सभी वस्तुएं एक छत तले उपलब्ध है।

बुटिक्स ऑफ इंडिया की दो दिवसीय प्रदर्शनी सह बिक्री शुरू

देश भर के नामी-गिरामी डिजाइनरों के लेटेस्ट कलेक्शन उपलब्ध

गुवाहाटी (विभास)। देश की अग्रणी एवं सबसे लोकप्रिय प्रदर्शनी आयोजकों में से एक बुटिक्स ऑफ इंडिया (बीओआई) की ओर से आगामी त्योहारों सहित वैवाहिक समारोह के मद्देनजर दो दिवसीय प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन आज से किया जा रहा है। महानगर के खानापाड़ा स्थित होटल ताज विवांता में प्रदर्शनी का विधिवत शुभारंभ फिटनेस सलाहकार रुचि भारद्वाज बोरा और प्रतिदिन मीडिया नेटवर्क की निदेशक स्मिताक्षी बी गोस्वामी ने किया। उद्घाटन के मौके पर बीओआई की निदेशक श्रीमति मीरा देवी अग्रवाल, बीओआई के संस्थापक व सीईओ संजय अग्रवाल ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर बुटिक्स ऑफ इंडिया के प्रमुख श्री अग्रवाल ने बताया कि इस बार बीओआई का यह 36वां एडिशन हैं, जिसमें फेस्टिव कलेक्शन लेकर आए हैं। वहीं आगामी त्योहारों सहित शादियों का मौसम भी दस्तक देने वाला है। ऐसे में युवती एवं महिलाओं के लिए लेटेस्ट ट्रेंड के एक्सक्लूसिव कलेक्शन व डिजाइनर परिधानों सहित अन्य एसोसिरिज इस दो दिवसीय प्रदर्शनी सह बिक्री में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि एक ही छत के नीचे भारतीय और समकालीन परिधान, असली आभूषण, ब्राइडल वियर, फैशनेबल गहने, घर की सजावट और कई अन्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला इस प्रदर्शनी सह बिक्री में उपलब्ध है। बीओआई की अपनी एक अलग पहचान है और खासकर फैशन डिजाइनरों द्वारा तैयार कपड़े एवं आभूषणों को इस प्रदर्शनी में शामिल किया जाता है। अद्वितीय फैशन और जीवन शैली की प्रदर्शनी में इस बार देश के मेट्रो शहरों से कई नामी गिरामी डिजाइनर और प्रतिभागी शामिल हुए हैं। इनमें कोलकाता की बडालिया जेम्स, सूरत से तथास्तु ज्वैलर्स, हर्षिता सुल्तानिया ज्वैलरी, लेबल दीपिका अरोड़ा, हाउस ऑफ फेट, अमाया, प्रियंका मालिनी द्वारा शुबा आयु जैसे कई नामी-गिरामी ब्रांड शामिल हैं। बीओआई के प्रमुख श्री अग्रवाल बताया कि देश भर के कुछ लोकप्रिय ब्रांडों द्वारा अपने एक्सक्लूसिव कलेक्शन लेकर इस प्रदर्शनी सह बिक्री में शामिल हुए हैं, जिनके कलेक्शन महिलाओं एवं युवतियों को लुभा रहे हैं। बीओआई किसी भी नए ब्रांड को अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक भव्य मंच प्रदान करता है। बीओआई स्थानीय डिजाइनरों, ज्वैलर्स और फैशन एक्सेसरीज को उनकी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान कर प्रोत्साहित करता है। बीओआई की ओर से गैर सरकारी संस्था लेडीज सर्कल इंडिया-158 के सहयोग से आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की शिक्षा के अलावा ग्रामीण अंचलों के विद्यालय के निर्माण में आर्थिक मदद दी जाती है। इस दो दिवसीय प्रदर्शनी का समापन 31 अक्तूबर को होगा।

पूप्रमायुमं की 16वीं प्रांतीय कार्यकारिणी की दूसरी बैठक सोनापुर में संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच की सत्र 2023-25 की कार्यकारिणी की द्वितीय बैठक 3 महीने पूर्व गठित गुवाहाटी अमृत शाखा के आतिथ्य में गुवाहाटी महानगर के समीप सोनापुर स्तिथ क्लब निरवाना रिसोर्ट में गत दिनांक 28 एवं 29 अक्तूबर 2023 को आयोजित की गई। इस बैठक में प्रांत के सभी हिस्सों से प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। दो दिवसीय बैठक का शुभारंभ आयोजक शाखा की अध्यक्षा स्वीटी गोयनका के संबोधन से हुआ। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने की तथा अपना संबोधन सभी के समक्ष रखा। प्रांतीय अध्यक्ष ने कहा कि हमारा देश और हमारा संगठन दोनो ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया से कार्य करता है, हम आजाद देश के नागरिक हैं लेकिन फिर भी हम देश के नियम, कानून, समाज के कानून, नियमों, से बंधे हैं, यह बंधन का सूत्र जितना मजबूत होगा हम लोकतंत्र में उतना अच्छा काम कर पाएंगे और यह ही सच्ची आजादी है। महामंत्री सुभाष सुराणा ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष प्रेरणा सेठिया ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। उपाध्यक्ष (मुख्यालय) प्रदीप राठी ने मुख्यालय की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सभी उपाध्यक्षों ने बहुत ही सुंदर रूप से अपने-अपने मंडल की रिपोर्ट तथा आगामी कार्य योजना को बैठक में रखा। सभी संयोजकों, चेयरमैन- वाइस चेयरमैन ने अपने-अपने विभाग की कार्य योजना प्रस्तुत की। बैठक में सलाहकार, समन्वयक तथा आमंत्रित सदस्य उपस्थित थे। बैठक मैं आगमी खेल कूद प्रतियोगिता सिलापथार में, आगमी प्रांतीय सभा तिनसुकिया में, बी पी सराफ स्मृति वाद विवाद प्रतियोगिता सभी मंडल एवम फाइनल गुवाहाटी में, स्वर्गीय अशोक शर्मा प्रस्नातोरी प्रतियोगिता तिनसुकिया में, करने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रांत स्तर पर जमीन एवम ट्रस्ट गठन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। प्रथम दिन की बैठक के पश्चात सांस्कृतिक संध्या का आयोजन आतिथ्य शाखा द्वारा किया गया। द्वितीय दिन की बैठक में अरुण बजाज पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के संबोधन का लाभ सभी को मिला। दो दिवसीय बैठक में पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवम पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष एवम वर्तमान राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री मोहित नाहटा, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष संजीव गोयल, रितेश खतेर, प्रांतीय सलाहकार राम जीवन सुरेका, राज कुमार शर्मा, संजय त्रिवेदी, पवन मोर, संपत मिश्र सहित अन्य कई अभिभावक उपस्थित थे। बड़ी संख्या में उपस्थित प्रांतीय कार्य समिति सदस्यों ने दो दिनों में संगठन के भविष्य कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा कर निर्णय लिए। ये जानकारी प्रांतीय जनसपर्क अधिकारी सेंकी अग्रवाल ने दी।

साध्वीश्री स्वर्णरेखा जी के सानिध्य में द पावर ऑफ रीडिंग कार्यशाला का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित, तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी के तत्वाधान में साध्वीश्री स्वर्णरेखा जी के सानिध्य में द पावर ऑफ रीडिंग कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ धर्मस्थल में किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महिला मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण का संगान किया गया। अध्यक्षा श्रीमती अमराव देवी बोथरा ने अपने स्वागत वक्तव्य से सभी का स्वागत किया एवं इस कार्यशाला पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता के रूप में महिला मंडल सदस्या एवं उपासिका श्रीमती पुष्पा गोलछा ने लौकिक विद्या के अध्ययन के साथ-साथ आत्म विद्या का विस्तार से वर्णन करते हुए नैनी सूत्र के माध्यम से बहुत सुंदर सरल भाव से बताया। साध्वीश्री स्वर्णरेखा जी ने कहा कि स्वाध्याय का अर्थ है स्वयं को पढ़ना, उदाहरण के द्वारा बताया कि हमारी बुद्धि दृष्टि कैसे होती है, जीवन का विकास कैसे होता है, हम कैसे संवेदनशील और कार्यशील बन सके। शिक्षा का उद्देश्य है विद्या ददाति विनयम् साध्वीश्री जी ने अपने अनुबोधन में सभी धर्मानुरागी भाई बहनों से एक पृष्ठ रोजाना स्वाध्याय करने की प्रेरणा दी। इसी क्रम में श्रीमती सुचित्रा जी छाजेड़ को अभातेममं कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत होने पर मंडल की बहनों ने बधाई देते हुए फुलाम गामोछा से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री श्रीमती ममता दुग्गड़ ने किया। साध्वी श्री जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सह मंत्री श्रीमती श्वेता सिंघी जी ने सभी का आभार व धन्यवाद ज्ञापन किया। इस आशय कि जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती विनीता सुराणा ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

नगरबेड़ा में *पेनचक सिलाट* समर कला प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र में पहली बार आज नगरबेड़ा में *पेनचक सिलट* नामक समर कला प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया गया। नगरबेड़ा क्षेत्रीय रास मैदान प्रांगण में शुरू हुआ है। प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन श्री वाल्ड फेम और प्रख्यात बॉडी बिल्डर गोलाप राभा ने किया। इस अवसर पर प्रख्यात बॉडी बिल्डर गोलप राभा, नगरबेड़ा मौजा समिति के अध्यक्ष उदय शंकर मेधी, बिमला प्रसाद चलिहा कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रोफेसर नूर आलम, डोकुशी मॉडल स्कूल के प्राचार्य डॉ. रमन बायन, असम प्रेस कॉरस्पोंडेंट यूनियन शॉर्ट में अबुल कलाम आजाद, एपीकेयू के सलाहकार, पत्रकार संजीव कुमार दास आदि ने अपने विचार रखे। उद्घाटन समारोह का संचालन सहायक प्रोफेसर अभिराम कलिता ने किया। उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल रहे विक्रम साराभाई विज्ञान अकादमी के प्रबंध निदेशक अब्दुल जलील, एलिगेंट इन्स्टीट्यूट संस्थान के प्रबंध निदेशक सुलेमान शिकदार, लिबर्टी कॉमर्स संस्थान के प्रबंध निदेशक कजोम अली, सहायक प्रोफेसर अतवर रहमान, अखिल कामरूप जिला छात्र संघ के उपाध्यक्ष दीपक पाठक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता हफीजुर रहमान, राजूफा अहमद केंद्र में सैकड़ों छात्र और प्रशिक्षु भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि कार्यशाला में गोलाप राभा के साथ केंद्र के प्रशिक्षुओं ने मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया।

बंगाईगांव : महाराजा श्री अग्रसेन जयंती समारोह में दो समाज सेवियों को *अग्र गौरव* से सम्मानित

बंगाईगांव। श्री अग्रवाल समाज सभा, युवा परिषद तथा महिला शाखा बंगाईगांव के द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के वंशज तथा समाजवाद के प्रणेता एवं विश्व में प्रेम और भाईचारा का प्रचार करने वाले महाराजा श्री अग्रसेनजी की 5147वीं जयंती समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया जिसके अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण किया गया। चार दिवसीय समारोह के प्रथम चरण में 15 अक्तूबर को विशाल शोभा यात्रा निकाली गई तथा श्री गणेशजी, श्री लक्ष्मी जी तथा महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना की गई। दूसरे और तीसरे चरण में 27 एवं 28 अक्तूबर को खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्याओं में समाज के बच्चों एवं महिलाओं ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। चौथे चरण में 29 अक्तूबर को जयंती का मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री अग्रवाल समाज सभा के अध्यक्ष मनोज हरलालका ने महिला शाखा की अध्यक्षा श्रीमती सरोज हरलालका एवं युवा परिषद के अध्यक्ष गोविंद अग्रवाला के साथ मिलकर ध्वजारोहण किया एवं ध्वजागान प्रस्तुत किया गया। समाज के वरिष्ठ सदस्य प्रेमनाथ हरलालका, बनवारी लाल बुधिया, भगवती प्रसाद हरलालका एवं श्रीमती सरोज हरलालका ने दीप प्रज्ज्वलन किया। संजय बजाज, राज कुमार बजाज एवं श्रीमती सरोज अग्रवाल ने माल्यार्पण किया। राष्ट्रीय गान के पश्चात समाज में गत एक वर्ष में देवलोक गमन हुए सभी लोगों को 1 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम में समाज के छोटे-छोटे बच्चों के अलावा समाज की बहुएं ने भी बहुत सुंदर एवं मनमोहक प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक प्रस्तुति इतनी मनमोहक थी कि कई बार प्रांगण में उपस्थित समाज बंधुओ ने भी नाचते हुए इसका आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान उन बच्चों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने विभिन्न परीक्षाओं में सफलता के साथ विशेष स्थान हासिल किया। इसी क्रम में बंगाईगांव के युवक कैप्टन तुषार अग्रवाल को वाणिज्यिक पायलट बनने पर विशेष तौर पर सम्मानित किया गया। ज्ञात होगी शहर के जाने-माने चिकित्सक डॉ. मुरारी लाल अग्रवाला एवं डॉ. श्रीमती सुधा अग्रवाल द्वारा मैट्रिक में उच्चतम नंबर लाने के लिए कृषा सुरेका को 11000 का नगद पुरस्कार एवं एमबीए में प्रथम श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए प्रिया अग्रवाल को 21000 का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रत्येक वर्ष श्री अग्रवाल समाज सभा बंगाईगांव द्वारा समाज की उन दो विभूतियों को *अग्र गौरव* सम्मान से सम्मानित करती है जिन्होंने समाज सेवा में उल्लेखनीय कार्य किया हो। इसी क्रम में धुबड़ी के जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश हरलालका को तथा पाठशाला निवासी एवं गुवाहाटी प्रवासी राजकुमार जालान को अग्र गौरव की उपाधि से अलंकृत किया गया। उन्हें सोल, जापी, दुपट्टा, स्मृति चिन्ह एवं अग्र परिवार परिचय पुस्तिका देकर सम्मानित किया गया। इन्होंने अपने संबोधन में अग्रवाल समाज के प्रगति के बारे में चर्चा की तथा किस तरह हम बच्चों को आगे बढ़ा सके उसे पर भी अपने विचार प्रकट किए। पूरे रंगारंग कार्यक्रम का सफल संचालन महेश कुमार अग्रवाल एवं श्रीमती दीपाली अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में श्री अग्रवाल समाज सभा के अध्यक्ष मनोज हरलालका को 5000 वृक्षारोपण के महान कार्य के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में रोचकता प्रदान करने के लिए निशुल्क लकी ड्रॉ का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने इसका भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में अग्रवाल युवा परिषद, बरपेटा रोड की अध्यक्षा श्रीमती रचना तुलसियान के साथ श्रीमती कुसुम मोर, आशीष अग्रवाल, अमित तुलस्यान एवं राहुल अग्रवाल भी उपस्थित थे। धुबड़ी के सामाजिक कार्यकर्ता संजय छावछरीया ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बंगाईगांव म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के चेयरमैन सुभाष चंद्र दास भी उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल करने में पवन हरलालका, संजय बजाज, गोपाल हरलालका, प्रमोद सुरेका, राजेश अग्रवाला, अशोक सुरेका, अभिषेक अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, राजकुमार बजाज, महेश कुमार अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, प्रमोद हरलालका, श्रीमती हेमा अग्रवाल, श्रीमती सिखा हरलालका, श्रीमती ज्योति अग्रवाल, श्रीमती दीपाली अग्रवाल, श्रीमती अनु अग्रवाल, श्रीमती अर्चना सुरेखा, श्रीमती नीलम अग्रवाल, श्रीमती ज्योति अग्रवाल के अलावा सभी सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा। अध्यक्ष मनोज हरलालका ने कार्यक्रम सफल करने के लिए सभी को धन्यवाद दिया। यह जानकारी प्रचार सचिव गोपाल हरलालका ने दी।

रक्षा मंत्री ने हिंद महासागर क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून की प्राथमिकताओं पर जोर दिया

- गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव में आईओआर देशों से हरित अर्थव्यवस्था में निवेश का आह्वान
- राजनाथ सिंह ने कहा, अंतरराष्ट्रीय संबंधों से जुड़े जोखिमों को कम करें आईओआर देश

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव में जोर देकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून हमारे लिए आदर्श होने चाहिए। हमें अपनी साझा प्राथमिकताओं पर काम करना होगा और उन पर सहमत होना होगा। हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में स्वतंत्र, खुली और नियमों से बंधी समुद्री व्यवस्था हम सभी के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए। इस व्यापक ढांचे के भीतर प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, समुद्री डकैती विरोधी अभियान जैसी कई और ठोस प्राथमिकताएं तय की जा सकती हैं। भारतीय नौसेना के नेवल वॉर कॉलेज में 29 अक्टूबर से शुरू हुए 'गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव' में समसामयिक और भविष्य की समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए नौसेना प्रमुखों और समुद्री एजेंसियों के बीच 'हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा' विषय पर चर्चा की जानी है। इस वर्ष के संस्करण का विषय समुद्री क्षेत्र में 'सक्रिय और सहयोगात्मक प्रयासों' की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव भारतीय नौसेना की आउटरीच पहल है, जो समसामयिक और भविष्य की समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए नौसेना प्रमुखों और

साझेदार समुद्री एजेंसियों के बीच विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए बहुराष्ट्रीय मंच है। रक्षा मंत्री ने मुख्य भाषण देते हुए कहा कि प्राचीन काल से ही समुद्र ने हमारे इतिहास को आकार दिया है। यह आज भी हमारे जीवन को प्रभावित कर रहा है और भविष्य में हमारे साझा भाग्य को आकार देगा। मुझे यह कहने में कोई झिझक नहीं है कि यदि हम सहयोग करें तो हमारे क्षेत्र का भविष्य अपार संभावनाओं से भरा है। यदि सभी देश हरित अर्थव्यवस्था में निवेश करके ऊर्जा उत्सर्जन में कटौती करने की जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं और जरूरतमंद देशों के साथ प्रौद्योगिकी और पूंजी साझा करते हैं, तो कोई कारण नहीं है कि मानवता इस समस्या से भी नहीं उबर सकती। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों के क्षेत्र में देशों को रणनीतिक निर्णय लेने की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आपसी भय और अविश्वास के कारण ही दो या दो से अधिक देश हथियारों की होड़ में शामिल होते हैं। ऐसे देशों के बीच विश्वास बनाना महत्वपूर्ण है, ताकि इनके बीच सहयोगात्मक बातचीत संभव हो सके। इसलिए ऐसी चुनौतियों का समाधान खोजना होगा, जो सहयोग को बढ़ावा दें, विश्वास का निर्माण करें और अंतरराष्ट्रीय संबंधों से जुड़े जोखिमों को कम करें। रक्षा मंत्री ने कहा कि आईओआर देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने, समुद्री डकैती, आतंकवाद, नशीली दवाओं की तस्करी और अत्यधिक मछली पकड़ने जैसी सामान्य समुद्री प्राथमिकताओं पर जोर देना होगा। कॉन्क्लेव में हिंद महासागर तटीय क्षेत्रों मॉरीशस, म्यांमार, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका, थाईलैंड, बांग्लादेश, कोमोरोस, इंडोनेशिया, मेडागास्कर, मलेशिया, मालदीव के नौसेना प्रमुख, समुद्री बलों के प्रमुख और वरिष्ठ प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं, जिनकी मेजबानी भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार कर रहे हैं। 31 अक्टूबर तक चलने वाली कॉन्क्लेव के हिस्से के रूप में 'मेक इन इंडिया प्रदर्शनी' लगाई गई है, जिसमें भारत के स्वदेशी जहाज निर्माण उद्योग और स्वदेशी युद्धपोतों के साथ-साथ डीप सबमर्जेंस रेस्क्यू वेसल की क्षमताओं को देखने का मौका है।

देश में स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे का तेजी से किया गया विस्तार : डॉ. मांडविया

नई दिल्ली, (हि.स.)। दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की क्षेत्रीय समिति द्वारा आयोजित 76 वें सत्र की बैठक में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि केन्द्र सरकार समग्र और समावेशी दृष्टिकोण अपना रही है। हम स्वास्थ्य के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहे हैं, दवाओं की पारंपरिक प्रणालियों को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दृष्टि के साथ सभी को सस्ती स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में अंतिम व्यक्ति को पीछे नहीं छोड़ने की अटूट प्रतिबद्धता के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित 76वें सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. मनसुख मांडविया ने

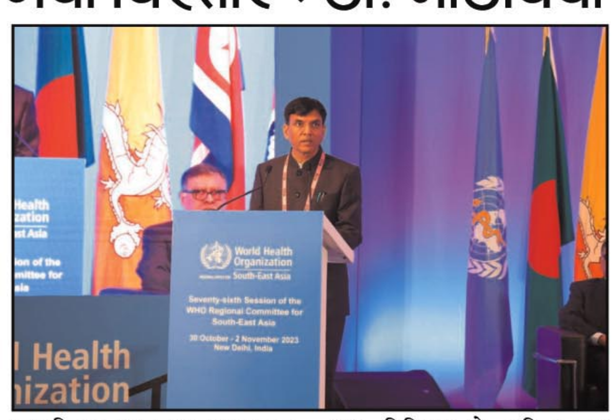

कहा कि 24 अक्टूबर तक आयुष्मान भारत- हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर (एबी-एचडब्ल्यूसी) 211 करोड़ से अधिक फुटफॉल दर्ज किए हैं। इन केन्द्रों पर मरीजों को 1,830 मिलियन से अधिक बार मुफ्त दवाओं और 873 मिलियन से अधिक बार नैदानिक सेवाओं का लाभ मिला है। इसके अतिरिक्त, 26 मिलियन कल्याण सत्र आयोजित किए गए हैं, जिसमें 306 मिलियन से अधिक लोग शामिल हुए।

मंगलौर बसपा विधायक सरवत करीम का निधन, मुख्यमंत्री ने जताया दुःख

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले की मंगलौर विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के विधायक सरवत करीम अंसारी का सोमवार सुबह दिल्ली के एक अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की सूचना पर कार्यकर्ताओं और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सरवत करीम के निधन पर मुख्यमंत्री सहित बसपा और अन्य नेताओं ने दुःख व्यक्त जताया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलौर विधानसभा सीट से विधायक और बसपा नेता सरवत करीम अंसारी

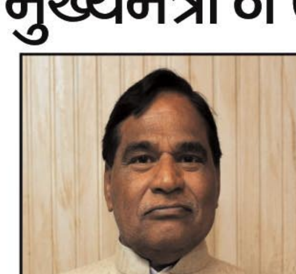

के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत सरवत करीम अंसारी के पुत्र से फोन पर बात कर उन्हें ढांढस बंधाया। बसपा विधायक के निधन के की खबर मिलते ही मंगलौर स्थित उनके आवास पर समर्थकों की भारी भीड़ जुट गई। बताया जा रहा है कि बसपा विधायक सरवत करीम कई दिनों से बुखार से पीड़ित थे। उनको दिल की बीमारी थी। दो महीने पहले ही उनकी बाईपास सर्जरी हुई थी। दिन में तबीयत खराब होने पर उन्हें दिल्ली के एक अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किया गया था। जहां उनका आज सुबह निधन हो गया। इससे पहले वे बसपा से 2012 से 2017 तक मंगलौर विधानसभा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

तेलंगाना में भाजपा आई तो वापस होगा मुस्लिमों को दिया आरक्षण

-केन्द्रीय मंत्री किशन रेड्डी का बयान, चार प्रतिशत कोटा होगा समाप्त

हैदराबाद (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने कहा है कि भाजपा तेलंगाना में मुस्लिमों को दिए चार प्रतिशत आरक्षण को समाप्त करेगी। उन्होंने रविवार को घोषणा की कि अगर भाजपा तेलंगाना में सत्ता में आई तो मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण खत्म करने का वादा करती है। जी. किशन रेड्डी ने आदिलाबाद और पेद्दापल्ली जिलों के बीआरएस और अन्य दलों के कई नेताओं को भाजपा में शामिल करने के बाद पार्टी दफ्तर में एक बैठक को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि नौकरियों और शिक्षा में मुसलमानों को मिला कोटा पिछड़े वर्गों को वापस दिया जाएगा। किशन रेड्डी ने कहा कि 3 नवंबर से भाजपा की ओर से प्रचार अभियान तेज किया जाएगा और कई केंद्रीय मंत्री और केंद्रीय नेता इस अभियान में हिस्सा लेंगे। सूयार्पेट में गृह मंत्री अमित शाह की हालिया घोषणा अगर भाजपा सत्ता में आई तो पिछड़े वर्ग के एक नेता को मुख्यमंत्री बनाएगी का जिक्र करते हुए कि कहा कि यह तेलंगाना में एक क्रांति लाएगा।

जी.किशन रेड्डी ने कई दशकों से पिछड़ा वर्ग (बीसी) मुख्यमंत्री के रूप में बीसी की मांग कर रहा था कहते हुए कहा कि सत्ता में रहने वाली पार्टियों ने हमेशा बीसी को धोखा दिया है। रेड्डी ने कहा कि अब भाजपा उनके सपनों को साकार करेगी। आजादी मिलने के बाद पहली बार भाजपा ने बीसी नेता नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाया। वह पूरी प्रतिबद्धता के साथ देश में भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा द्वारा किए गए सीएम के वादे को जनता की ओर से भारी प्रतिक्रिया मिल रही है। कई बीसी संगठन बीजेपी के समर्थन में प्रस्ताव पारित कर रहे हैं। भाजपा का जनता को दी गई अपनी बात पर कायम रहने का इतिहास रहा है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की आलोचना करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि वह पहली कैबिनेट में किसी भी महिला को मंत्री बनाने में विफल रहे और कभी भी बीसी उप-योजना लागू नहीं की। रेड्डी ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस बीसी को उनके हिस्से का आरक्षण देने में विफल रही और बीसी के लिए आरक्षण छीनने में एमआईएम का समर्थन किया। अल्पसंख्यक आरक्षण के नाम पर बीसी को धोखा दिया जा रहा है। सत्ता में आने के बाद हम पहली ही कैबिनेट बैठक में अल्पसंख्यक आरक्षण खत्म कर देंगे। जी किशन रेड्डी ने कहा कि बीजेपी के पास अल्पसंख्यक समुदाय से विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक एपीजे अब्दुल कलाम को भारत का राष्ट्रपति बनाने का इतिहास है।

सुप्रीम कोर्ट से खारिज की मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका, भाजपा ने साधा निशाना

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज किए जाने पर भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है। शहजाद पूनावाला ने कहा कि ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट के बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने भी मनीष सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया। आम आदमी पार्टी के सभी बचाव के पैंतरे औंधे मुंह गिरे हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा भी 338 करोड़ रुपये का मनी ट्रेल स्थापित हो चुका है। लेकिन आम आदमी पार्टी लगातार कह रही है कि कहां है मनी ट्रेल? वे देश से इसके बारे में झूठ बोलते रहे। उन्होंने पूछा कि कब तक

अरविंद केजरीवाल इन लोगों का बचाव करते रहेंगे? उल्लेखनीय है कि दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 338 करोड़ रुपये की मनी ट्रेल साबित हुई है। सिसोदिया ने एजेंसी द्वारा पूछे गए कई सवालों के जवाब नहीं दिए हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि इस मामले की सुनवाई 6 से 8 महीने में पूरी हो।

टीपू की तलवार 1.9 करोड़ रुपये में नीलाम

-मैसूर के शासक थे टीपू सुल्तान

नई दिल्ली (ईएमएस)। मैसूर के 18वीं सदी के शासक टीपू सुल्तान की रत्न जड़ित और मीनाकारी वाली एक तलवार लगभग 1.9 करोड़ रुपये में नीलाम हुई है। यह निलामी ब्रिटेन के क्रिस्टी नीलाम घर में हुई। बताया जाता है कि यह तलवार मैसूर के 18वीं सदी के शासक टीपू सुल्तान के निजी शस्त्रागार से थी। आर्ट ऑफ द इस्लामिक एंड इंडियन वर्ल्ड बिक्री में नीलामी के लिए टीपू सुल्तान की एक अन्य तलवार भी थी, लेकिन इसके लिए 1,500,000-2,000,000 ब्रिटिश पाउंड की मांगी गई कीमत के भीतर बोली नहीं लग पायी और यह बिना बिकी रह गई। हालांकि, खरीदारों के नाम गोपनीय रखे गए। ये तलवारें चार्ल्स, प्रथम मार्क्वेस और द्वितीय अर्ल कॉर्नवालिस के संग्रह से थीं, जो 1799 में टीपू

सुल्तान की मृत्यु के बाद भारत में ब्रिटिश प्राधिकार को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे। तलवारों की नीलामी से प्राप्त आय का इस्तेमाल दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के कॉर्नवाल में परिवार के पोर्ट एलियट एस्टेट की मरम्मत में किया जाएगा। टीपू सुल्तान के प्रसिद्ध बाघ प्रतीक वाली एक तीसरी तलवार भी नहीं बिक पायी क्योंकि नीलामी में उसे 60,000 और 80,000 ब्रिटिश पाउंड के बीच निर्धारित मूल्य प्राप्त नहीं हो सका। पोर्ट एलियट एस्टेट के एक प्रवक्ता ने कहा, ये तलवारें पहले टीपू सुल्तान की थीं और 18वीं शताब्दी के अंत में चार्ल्स, प्रथम मार्क्वेस कॉर्नवालिस और द्वितीय अर्ल कॉर्नवालिस केजी पीसी (1738-1805) को भेंट किए जाने के बाद से एलियट परिवार के पास थीं।

पंजाब में पहचानपत्र दिखाकर मिलेगा सस्ता प्याज

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब में प्याज की लगातार बढ़ रही कीमतों को देखते हुए राज्य सरकार ने कंट्रोल रेट पर प्याज बेचने का फैसला किया है। पंजाब वासी अपना पहचान पत्र दिखाकर सस्ता प्याज खरीद सकेंगे। पंजाब में इस समय प्याज के दाम औसतन 70 से 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। जिसके चलते राज्य सरकार ने फैसला लिया है कि पंजाब की मंडियों में 25 रुपये प्रति किलो प्याज बेचेंगे। सोमवार को जालंधर की मकसूदां मंडी से इसकी शुरूआत की गई। केंद्र सरकार ने नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन की तरफ से लोगों को यह राहत दी जा रही है। मकसूदां मंडी में अधिकारी दीपक ने बताया कि एक आधार कार्ड पर प्रति व्यक्ति को अधिकतम चार किलो प्याज 25 रुपये प्रति किलो के हिसाब से दिया जाएगा। मंडी में सुबह नौ बजे से रियायती दरों पर प्याज खरीदा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर में प्याज की कीमतें आसमान छू रही हैं। पहले दाम 55 रुपये था और अब 70 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुका है। त्योहारों के सीजन को देखते हुए प्याज लोगों का बजट बिगाड़ सकता था। व्यापारियों के मुताबिक, सबसे ज्यादा प्याज की फसल नासिक और राजस्थान से आती थी। मगर वहां अब से फसल आनी बंद हो गई थी। जिसके चलते रेट बढ़ गए हैं।

हथिनी कुंड बैराज के विकसित होने से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा : कंवरपाल

यमुनानगर, (हि.स.)। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यमुना नगर के हथिनीकुंड बैराज क्षेत्र को विकसित किया जाएगा। हरियाणा सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। ऐसे में यमुनानगर में पर्यटन की बहुत ज्यादा संभावनाएं है। बहुत जल्दी जिले में पर्यटन की दृष्टि से बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। यह कहना था वन एवं पर्यटन मंत्री कंवरपाल जो सोमवार को जगाधरी स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले पर्यटन मंत्री कंवरपाल ने वन विभाग को एक थार गाड़ी भी भेंट की। इस गाड़ी की मदद से वन सुरक्षाकर्मी नेशनल पार्क कलेसर की पेट्रोलिंग करेंगे। उन्होंने इस गाड़ी को अपने निवास से ही हरी झंडी देकर रवाना किया। वन एवं पर्यटन मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार बहुत जल्द ही कलेसर जंगल में सफारी को शुरू करने जा रही है। कोरोना महामारी के समय लोगों की सुरक्षा को देखते हुए इसे बंद कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि हथिनी कुंड बैराज के पास करोड़ों रुपये की लागत से पार्क बनाया गया है। इसे पर्यटन को विकसित करने के उद्देश्य से ही तैयार कराया गया है। इसमें और बढ़ोतरी हो इसके लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल 8 नवंबर को हथिनीकुंड बैराज पर आएंगे।

प्लेऑल स्पोर्ट्स ने दिल्ली एनसीआर के तीन स्थानों पर किया अत्याधुनिक खेल मैदानों का अनावरण

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। भारत की लीडिंग स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट कंपनी प्लेऑल स्पोर्ट्स ने अपने पोर्टफोलियो में तीन नए खेल के मैदान शामिल किए हैं। विभिन्न खेलों की सुविधाओं वाले यह खेल मैदान न्यू ग्रीन फील्ड स्कूल, अलकनंदा, फॉर्च्यून वर्ल्ड स्कूल, नोएडा सेक्टर 105 और नोएडा सेक्टर 73 में स्थित हैं। यह खेल मैदान कुल मिलाकर 55,000 वर्ग फुट में फैले हुए है। विश्वस्तरीय सुविधाओं से संपन्न यह मैदान हर आयुवर्ग के खेलों प्रेमियों के लिए हैं जोकि कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्लेऑल का लगातार बढ़ता नेटवर्क अपने आसपास के लगभग 10,000 से अधिक लोगों को बॉक्स क्रिकेट, बास्केट बॉल और पिकल बॉल की सुविधा प्रदान करता है। यह पहल प्लेऑल की विस्तारवादी रणनीति की तरफ एक और कदम है। जिसमें मध्य दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, जयपुर, रायपुर और गुड़गांव जैसे प्रमुख दस से ज्यादा

स्थान शामिल हैं। इस तरह की कलेक्टिव ग्रोथ देश भर में खेल से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने की प्लेऑल के मिशन की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। प्लेऑल के सह-संस्थापक जयंत सुराणा और विशाल लुनिया ने कहा," हम समाज में खेलों के प्रति बढ़ते जुनून को देखकर रोमांचित हैं। हमारे नए खेल के मैदान न केवल गुणवत्ता के प्रति हमारी अटूट समर्पण भावना को दर्शाते हैं बल्कि खेल भावना की शक्ति में हमारे विश्वास को भी रेखांकित करते हैं।" प्लेऑल स्पोर्ट्स भविष्य को देखते हुए आगामी पांच वर्षों के अंदर भारत की प्रमुख स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी बनने की राह पर काम कर रही है। कंपनी अपने भविष्य को इस रूप में देखना चाहती है जहां प्लेऑल नाम बेजोड़ सेवा और सर्वोत्तम श्रेणी के बुनियादी ढांचे का पर्याय बन जाए। अपने आगे के रोडमैप में कंपनी की योजना दिल्ली एनसीआर और उत्तर प्रदेश के स्कूलों में अपनी पहुंच का विस्तार करने और तैराकी और पिकलबॉल को एकीकृत करके अपनी खेल पेशकशों में विविधता लाने और विस्तार की योजनाओं पर फोकस कर प्रोजक्ट स्तर पर अपने आगामी परियोजनाओं के लिए फंडरेज करना।

तस्करी नेटवर्क पर नकेल कसने के लिए अंतर-सरकारी सहयोग जरूरी : वित्त मंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तस्करी नेटवर्क चलाने वाले लोगों (मास्टरमाइंड) को पकड़ने के लिए अंतर-सरकारी सहयोग का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि अवैध व्यापार पर नकेल कसने के लिए अंतर-सरकारी सहयोग भी जरूरी है। वित्त मंत्री सोमवार को नई दिल्ली में राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा प्रवर्तन मामलों में सहयोग 2023 पर वैश्विक सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। सीतारमण ने राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) द्वारा आयोजित वैश्विक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सीमा शुल्क अधिकारियों को अवैध व्यापार के नेटवर्क पर अंकुश लगाने के लिए आपस में जानकारी साझा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि उनके द्वारा साझा की गई

जानकारी कार्रवाई योग्य हो। सीतारमण ने कहा कि पिछले 50-60 साल में तस्करी या अवैध तरीके से वस्तुओं के व्यापार की प्रकृति में बदलाव नहीं आया है। अब भी बहुमूल्य धातु, नशीले पदार्थ, जंगल या समुद्र से निकले कीमती भंडार की ही तस्करी होती है। वित्त मंत्री ने कहा कि वस्तुओं के अवैध व्यापार पर अंकुश के प्रयासों की पुष्टि इस तथ्य से होती है कि सीमा शुल्क अधिकारी सतर्क हैं। सीतारमण ने कहा कि आपने तस्करी का कुछ सामान रोका है, जो सामान आपने पकड़ा है, चाहे वह वैध ही क्यों नहीं है, उसे आप पूरी तरह नष्ट कर देते हैं। यह आपके समर्पण को दशार्ता है।

कैट का अनुमान- करवा चौथ पर देशभर में होगा 15 हजार करोड़ रुपये का व्यापार

अजय त्यागी

नई दिल्ली। करवाचौथ पर खरीदारी को लेकर राजधानी दिल्ली सहित देशभर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि देशभर में इस बार करवाचौथ पर 15 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का व्यापार होगा। कैट को राजधानी दिल्ली में ही करीब डेढ़ हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने की उम्मीद है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि एक नवम्बर को करवाचौथ का त्योहार है। भारत में यह त्योहार सौभाग्य का प्रतीक है। सुहागिन महिलाएं करवाचौथ के दिन व्रत रख अपने पति की दीघार्यु होने की कामना करती हैं। रात्रि में चंद्रमा के दर्शन एवं पूजाकर अपना व्रत खोलती हैं। इस दिन में महिलाएं करवा देवी की पूजा करती हैं। करवा माता की कथा कहकर अपने पति की लंबी उम्र और परिवार को सुखी रहने की दुआ करती हैं। खंडेलवाल ने कहा कि यूं तो करवाचौथ महिलाओं का त्योहार है, लेकिन अब पत्नी का साथ देने के लिए पुरुष भी करवाचौथ का व्रत रखने लग गए हैं। पिछले कई दिनों से करवा चौथ के पवित्र त्योहार को लेकर दिल्ली एवं देश के बाजारों में महिलाओं की गहमागामी काफी बढ़ी है। खंडेलवाल ने बताया कि करवाचौथ के अवसर पर ज्वैलरी से लेकर कपड़े, मेकअप सामग्री, साड़ियां, पूजा कैलेंडर एवं पूजा सामग्री जिसमें पूजा हेतु करवा, छलनी, दीया, फूलबत्ती व पूजा से जुड़ी अन्य सामग्री की खरीदारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि करावा चौथ पर अधिकांश महिलाएं कथा की किताब और दीपों की खरीदारी करती हैं। इसके अलावा श्रृंगार की वस्तुओं में कांच की लाल चूड़ियां, बिछिया, पायल, लाकेट एवं चूड़ा सहित विभिन्न प्रकार की करवे की थाली खरीदे जाते हैं। इस बार चांदी से बने करवे भी बाजार में उपलब्ध हैं, जिनकी मांग अधिक होने की उम्मीद है। खंडेलवाल के मुताबिक करवा चौथ की पूजा में शुद्ध घी, गंगाजल, चावल, मिठाई, लाल महावर (रंग), कंघी, बिंदी, चूड़ियां, मेहंदी चुनरी शिव-पार्वती और भगवान गणेश की एक फोटो, व्रत कथा की किताब, दीपक गौरी बनाने मिट्टी या गाय का गोबर, गेंहू, पानी का लोटा, कच्चा दूध कुमकुम अगरबत्ती फल-फूल आदि की बिक्री बढ़ जाती है। खंडेलवाल ने यह भी बताया कि करवा चौथ के पर्व पर मेहंदी लगाना बहुत शुभ माना जाता है।

पूर्व नौसेनिकों को सजा: जयशंकर ने परिजनों से मुलाकात कर दिलाया भरोसा

नई दिल्ली (ईएमएस)। कतर में भारत के 8 नौसेना के पूर्व अधिकारियों को फांसी की सजा सुनाई गई है। इन पर जासूसी का आरोप लगाया है। इधर भारत ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए कानून इस फैसले को चुनौती देने का फैसला किया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कतर में हिरासत में लिए गए 8 भारतीयों के परिवारों से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उनकी रिहाई के लिए सभी प्रयास करेगी। विदेश मंत्री ने कहा कि सरकार मामले को सर्वोच्च महत्व देती है और इस संबंध में परिवारों के साथ निकटता से समन्वय करेगी। जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया गया कि सरकार उनकी रिहाई के लिए सभी प्रयास करना जारी रखेगी। जयशंकर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, इस संबंध में परिवारों के साथ निकटता से समन्वय करेंगे। यह कतर के प्रथम दृष्टया न्यायालय द्वारा दोहा में हिरासत में लिए गए आठ पूर्व नौसेना अधिकारियों के

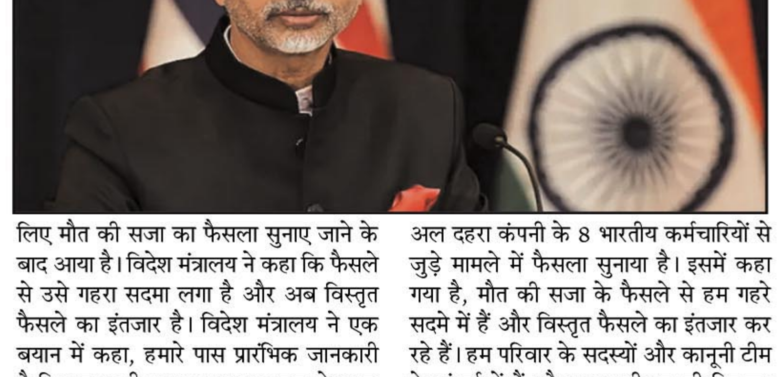

लिए मौत की सजा का फैसला सुनाए जाने के बाद आया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि फैसले से उसे गहरा सदमा लगा है और अब विस्तृत फैसले का इंतजार है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हमारे पास प्रारंभिक जानकारी है कि कतर की प्रथम दृष्टया अदालत ने आज अल दहरा कंपनी के 8 भारतीय कर्मचारियों से जुड़े मामले में फैसला सुनाया है। इसमें कहा गया है, मौत की सजा के फैसले से हम गहरे सदमे में हैं और विस्तृत फैसले का इंतजार कर रहे हैं। हम परिवार के सदस्यों और कानूनी टीम के संपर्क में हैं और हम सभी कानूनी विकल्प तलाश रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि यह मामला हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, विदेश मंत्रालय ने कहा और वे इस पर कड़ी नजर रख रहे हैं। विदेश मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है, हम इस मामले को बहुत महत्व देते हैं और इस पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हम सभी कांसुलर और कानूनी सहायता देना जारी रखेंगे। हम फैसले को कतर के अधिकारियों के समक्ष भी उठाएंगे। इसमें कहा गया है, इस मामले की कार्यवाही की गोपनीय प्रकृति के कारण, इस समय कोई और टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। 8 भारतीय नागरिक अक्टूबर 2022 से कतर में कैद हैं और उन पर पनडुब्बी कार्यक्रम पर कथित रूप से जासूसी करने का आरोप लगाया गया था। नई दिल्ली को आठ भारतीयों तक राजनयिक पहुंच प्रदान की गई थी और वह उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही थी। मार्च के अंत में भारतीय नागरिकों का पहला परीक्षण हुआ।

अयोध्या में कुबेर टीले का हो रहा जीणोद्धार, खुदाई में मिली बाल हनुमान एवं गणेश की प्रतिमा

लखनऊ, (हि.स.)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण के साथ ही अयोध्या के कई अन्य प्राचीन स्थलों व मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डा.अनिल मिश्रा ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि कुबेर टीले पर पक्षीराज जटायु की प्रतिमा लगेगी। उन्होंने बताया कि कुबेर टीले में खुदाई के दौरान नीचे मंदिरनुमा आकार मिला है। इसके अलावा जटायु, शेर की आकृति का पत्थर, तलवार, गणेश जी मूर्ति एवं बाल हनुमान की प्रतिमा भी मिली है। उन्होंने बताया कि खुदाई से प्राप्त मूर्तियों को संग्रहालय में रखा जायेगा। उल्लेखनीय है कि राम जन्मभूमि परिसर के अंदर कुबेर टीला,नल-नील टीला और अंगद टीला मौजूद है। कुबेर टीला सबसे ऊँचा है और रामजन्मस्थान से बिल्कुल पास में है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट राम मंदिर निर्माण के साथ ही कुबेर टीले का भी जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। बाद में अन्य टीलों का भी जीणोद्धार होगा।

अयोध्या में सबसे ऊँचा है कुबेर टीला – श्रीराम जन्मभूमि परिसर स्थित कुबेर टीले की ऊंचाई अयोध्या में सबसे अधिक है। अयोध्या नगर से बाहर स्थित मणिपर्वत से पूरी अयोध्या दिखती है।

वहीं अयोध्या में केवल कुबेर टीले से ही मणि पर्वत को देखा जा सकता है। मान्यता है यहां पर कुबेर का आगमन हुआ था और उन्होंने यहां शिवलिंग की स्थापना की थी। शिवलिंग अभी भी विराजमान है।

राम मंदिर के साथ-साथ हनुमानगढ़ी मंदिर का भी हो रहा विस्तार – अयोध्या में रामलला के साथ ही उनके सेवक हनुमंत लला के मंदिर हनुमानगढ़ी के परिसर का भी विस्तार किया जा रहा है। हुनमान गढ़ी मंदिर के प्रांगण से दुकानें हटाई जा रही हैं। मुख्य सड़क को चौड़ा किया जा रहा है। हनुमानगढ़ी के प्राचीन निकास द्वार को गिराकर द्वारा को बड़ा बनाया जायेगा। बुजुर्गों की सुविधा के लिए लिफ्ट लगायी जायेगी।

मुख्यमंत्री योगी ने मीरजापुर को 202 करोड़ की दी सौगात

मीरजापुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनपद मीरजापुर में 202 करोड़ की 660 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले की 10 महिलाओं को 'विंध्य शक्ति सम्मान' देकर पुरस्कृत किया। इस मौके पर केन्द्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल समेत अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस कार्यक्रम के ठीक पहले मां विंध्यवासिनी धाम के दर्शन करने एवं डबल इंजन की सरकार के प्रयासों को देखने का अवसर मिला है। हम सब जानते हैं कि आधी आबादी को नजरअंदाज करके कोई भी समाज और देश आगे नहीं बढ़ सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देकर 2014 में संदेश दे दिया था। उज्वला योजना, सौभाग्य योजना, जनधन खाता, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से लेकर अन्य योजनाएं आधी आबादी को समृद्धि की ओर से ले जाने वाली है।

नई संसद बनने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं को आरक्षण देकर इतिहास रचा है।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आप सबका अभिनंदन करते हैं। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि 2017 में मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद से ही हमारे जनपद मीरजापुर के लिए विभिन्न योजनाएं दी है। जिले के सरकारी खजाना खोल दिया है। मुख्यमंत्री योगी ने आधी आबादी का साहस बढ़ाया है। उनकी योजनाओं से आज नारी शक्ति हर क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य कर रही है। उप्र में पुलिस भर्ती में 30 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण दिया है। इसके लिए मुख्यमंत्री को हम धन्यवाद देना चाहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था और योगी के नेतृत्व में उप्र की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

डबल इंजन की सरकार में उप्र की स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त : अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल है। भाजपा सरकार ने प्रदेश में एक भी जिला अस्पताल नहीं बनाया है। यह बयान समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। वह सपा मुख्यालय में सोमवार को प्रेस वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे। पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) की साईकिल यात्रा से पूर्व अखिलेश यादव पत्रकारों से रूबरू हुए। उन्होंने पीजीआई में पूर्व सांसद के बेटे की इलाज के अभाव में हुई मौत को लेकर भाजपा सरकार पर कटाक्ष किया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि यूपी में स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त है। इस सरकार में गरीब का इलाज नहीं हो रहा है। यूपी में डेंगू के आंकड़ें बढ़ रहे हैं। सरकार डेंगू के मरीजों का इलाज नहीं करा पा रही है। कहा कि सरकार किसी को नौकरी नहीं दे पा रही है। सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी के पास कोई भी काम दिखाने के लिए नहीं है। अखिलेश ने कहा कि मैं सभी को भरोसा दिलाता हूं कि सपा में सबका ख्याल रखा जाएगा। उन्होंने रविवार को इकाना स्टेडियम में इंग्लैण्ड की टीम के साथ खेले गए विश्व कप मैच में भारत की जीत पर टीम इंडिया को बधाई दी। इस दौरान पीडी जोशी, निहाल अहमद, प्रताप, मुस्कीम, जितेंद्र, अल्ताफ हुसैन आदि सपा में शामिल हुए।

पीडीए में सब शामिल – अखिलेश यादव ने पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) यात्रा को लेकर कहा कि इसमें सब शामिल हैं, कोई ऐसा नहीं जो अलग हो रहा हो इससे।

जहां हम पिछड़े, दलित अल्पसंख्यक-मुसलमान भाई की बात कर रहे हैं, वहीं पीडीए आधी आबादी और अगड़े समाज की भी बात कर रहा है। ये यात्रा भारतीय जनता पार्टी की पोल खोल रही है। उल्लेखनीय है कि आज सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जनेश्वर मिश्र पार्क तक समाजवादी पीडीए साइकिल यात्रा में सम्मालित होंगे। सपा अध्यक्ष पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के जीरो प्वाइंट से यात्र में शामिल होंगे और साइकिल चलाकर जनेश्वर मिश्र पार्क तक आएंगे। यात्रा मार्ग में वह 16 प्वाइंट से होकर गुजरेंगे। इन सभी 16 प्वाइंटों पर अखिलेश यादव का पदाधिकारी व कार्यकर्ता स्वागत करेंगे। इस दौरान सुरक्षा के भी पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के आदेश पर सीएचसी में तैनात डॉक्टर निलंबित

जालौन, (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री बृजेश कुमार पाठक के आदेश पर सोमवार को कालपी स्वास्थ्य केंद्र में तैनात डॉक्टर उदय कुमार को निलंबित कर दिया गया है। नशे में ड्यूटी करने के आरोप में उनके खिलाफ यह कार्रवाई हुई है। पूरा मामला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी का है। मरीजों की जांच निजी पैथोलॉजी पर कराने के चलते मरीज की मौत हो जाने की वजह से विभागीय जांच बैठी थी। वहीं, रविवार को निलंबित करने के बाद डॉक्टर उदय कुमार को अपर निदेशक कार्यालय झांसी से संबद्ध किया गया है। उप मुख्यमंत्री ने ट्वीट के जरिए यह जानकारी देते हुए बताया कि स्वाथ्य सेवाओं के प्रति किसी तरह की लापरवाही को बर्दाशत नहीं किया जायेगा।

हिंदुत्व व विकास मॉडल को जनता के बीच ले जायेगी भाजपा

मीरजापुर, (हि.स.)। हिंदुत्व और विकास मॉडल को जनता के बीच ले जाने की भाजपा ने पूरी तैयारी की है। इसी मॉडल को स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को मीरजापुर पहुंचे। मीरजापुर जनपद देश और दुनिया में आदिशक्ति जगत जननी मां विंध्यवासिनी के विंध्याचल धाम के लिए जाना जाता है। इसी विंध्याचल धाम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट विंध्य कॉरिडोर निमार्णाधीन है। दरअसल, विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना 1964 में हुई थी। 60 वर्ष पूर्ण होने पर विहिप के योजनानुसार संभवतः 2024 तक भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की तैयारी है। वहीं लोकसभा चुनाव 2024 से पहले भाजपा हिंदुत्व एजेंडे को स्थापित करने की पुरजोर कोशिश में लगी है। वर्तमान में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी

में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर और अब मां विंध्यवासिनी धाम में विंध्य कॉरिडोर प्रोजेक्ट पर काम करके भाजपा की यह बताने की कोशिश है कि वह अध्यात्म, धर्म और विकास का मेल कराकर आगे बढ़ रही है।

बाबा काशी विश्वनाथ व मां विंध्यवासिनी की मान्यता – उत्तर प्रदेश में काशी,अयोध्या और मथुरा के बाद विंध्याचल का बड़ा नाम है। महिसासुर मर्दिनी मां विंध्यवासिनी को लेकर मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु काशी में बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने जाता है, उसका दर्शन तभी पूरा माना जाएगा। जब वह मां विंध्यवासिनी का दर्शन करेगा। ऐसे में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर व विंध्य कॉरिडोर से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ हिंदुत्व और विकास के एजेंडे को सेट करने के लिए भाजपा इसे जल्द से जल्द पूरा करना चाहती है।

विंध्य कॉरिडोर से मंदिर और गंगा का मेल कराने की कोशिश – विंध्य कॉरिडोर प्रोजेक्ट पूरा होने पर मंदिर परिसर से गंगा दर्शन भी संभव हो सकेगा। मां विंध्यवासिनी मंदिर का परिक्रमा करने वाले दर्शनार्थी मां गंगा का भी दर्शन कर पाएंगे। मंदिर से गंगा नदी के घाट की दूरी लगभग डेढ़ सौ से 200 मीटर ही है, लेकिन मंदिर के आसपास कई निर्माण होने की वजह से अब तक मंदिर से गंगा नजर नहीं आती थी। प्रोजेक्ट पूरा होने पर श्रद्धालु मंदिर परिसर में रहकर गंगा दर्शन भी कर पाएंगे।

अबुआ आवास योजनाः 8 लाख जरूरतमंदों को आवास उपलब्ध करवाएगी सरकार, पोर्टल तैयार

रांची, (हि.स.)। राज्य के करीब आठ लाख गरीब लोगों को अबुआ आवास योजना का लाभ देने के लिए ग्रामीण विकास विभाग एक पोर्टल तैयार हो चुका है। इसे जैप आइटी के सहयोग से विकसित किया गया है। अगले तीन वर्ष में लगभग 16 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर राज्य सरकार अपनी निधि से जरूरतमंद लोगों को आवास उपलब्ध करवाएगी। अबुआ आवास योजना के पात्र राज्य के वैसे सभी लोग होंगे, जो कच्चे मकान में रह रहे हैं। योजना के लाभुकों के चयन की प्रक्रिया राज्य स्थापना दिवस 15 नवंबर से शुरू की जाएगी। वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में नये आवासों की स्वीकृति नहीं मिली। इसको लेकर राज्य और केंद्र सरकार के बीच कई बार बातचीत भी हुई। प्रधानमंत्री आवास योजना में राज्य सरकार की वित्तीय भागीदारी 40 प्रतिशत होती थी। इसके बाद राज्य सरकार ने अपने वित्तीय स्रोत से अबुआ आवास योजना के तहत 2023-24 में दो लाख परिवारों को आवास देने का निर्णय लिया है। अबुआ आवास योजना के तहत तीन कमरे के मकान के लिए प्रति आवास राज्य सरकार दो लाख रुपये लाभुकों को देगी। इस वित्तीय वर्ष में भी दो लाख आवास 31 मार्च 2024 तक

स्वीकृत कर दिए जाएंगे। इसमें करीब 4106.67 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3,50,000 इकाई आवास निर्माण की स्वीकृति दी जाएगी, जिसमें 7106.67 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं, 2025-26 में 2,50,000 इकाई आवास स्वीकृत होंगे, जिसमें 5106.96 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यानी अगामी तीन वर्षो में 16 हजार करोड़ से अधिक की राशि खर्च की जाएगी। अबुआ आवास योजना के लाभुकों के चयन के लिए ग्रामीण विकास विभाग ने एक सॉफ्टवेयर डेवलप कर लिया है। इसी सॉफ्टवेयर के माध्यम से ग्रामसभा की अनुशंसा के बाद लाभुकों का चयन किया जाना है। योग्य लाभुकों के आवेदन आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से लिया जाएगा। इस अभियान के तहत सुदूर इलाकों में शिविर लगाए जाएंगे, जहां लोगों से विभिन्न योजनाओं और सेवाओं के लिए आवेदन लिया जाएगा। इसे निर्धारित समय में पूरा किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2016-17 से 23-24 के बीच 15 लाख 82 हजार आवास स्वीकृत किए गए। इसमें राज्य सरकार ने 8294.21 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। केंद्र संपोषित इस योजना में राज्य सरकार को 40 प्रतिशत शेयर राज्य बजट से एलोकेशन करना होता है।

ऐसा होगा अबुआ आवास – अबुआ आवास योजना के अंतर्गत तीन कमरों का पक्का मकान और रसोई घर बनाया जाएगा, जिसका क्षेत्रफल 31 वर्गमीटर होगा। योजना अंतर्गत तीन कमरों सहित स्वच्छ रसोई घर का प्रावधान किया गया है।

शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी से संबंधित लोगों के ठिकानों पर ईडी का छापा

रांची, (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज (सोमवार) सुबह झारखंड के गोड्डा जिले में शराब कारोबारी मुकेश बजाज के ठिकानों पर छापा मारा है। इसके अलावा देवघर के उमाशंकर सिंह, संजय मालवीय, महेश लाठ समेत अन्य लोगों के ठिकानों पर भी ईडी ने दबिश दी है। इन सभी का कनेक्शन चर्चित शराब कारोबारी योगेंद्र तिवारी से बताया गया है। पहले यह सभी लोग पहले शराब और जमीन के कारोबार से जुड़े रहे हैं। ईडी योगेंद्र तिवारी को पिछले दिनों

गिरफ्तार कर चुकी है। रिमांड पर लेकर लगातार उससे ईडी लगातार पूछताछ कर रही है। इस पूछताछ में ही इन लोगों के नाम सामने आए हैं।

मुखिया जी के साथ मास्टर साहेब जाम छलकाते हो गए वायरल

मुजफ्फरपुर, (हि.स.)। पूर्ण शराबबंदी वाले बिहार में एक मुखिया जी जाम छलकते अपने साथियों के साथ वायरल होने लगे मामला मुजफ्फरपुर जिले के सकरा का है। जहां शराब पीते मुखिया जी अपने सहयोगियों के साथ वायरल हो रहे है। मामला सकरा प्रखंड के रूपनपट्टी मथुरापुर पंचायत के मुखिया रंजित कुमार राय उर्फ पिंटू का है जो साथियों

के साथ जाम छलकाते दिख रहे हैं। मुखिया जी का फोटो जाम छलकाते वायरल होने के बाद अब सोशल मीडिया पर स्थानीय लोग तरह-तरह के सवाल उठा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि फोटो में दिख रहे लोगो में मुखिया जी के साथ साथ एक सरकारी स्कूल के शिक्षक भी है। अब देखना होगा कि इस मामले में सकरा थाना पुलिस संज्ञान लेती है या फिर मुखिया जी और मास्टर साहेब को पद प्रतिष्ठा को देखते हुए छोड़ देती है।हालांकि इस वायरस फोटो की पुष्टि हम नहीं करते है।

एनटीपीसी में "भ्रष्टाचार का विरोध करें राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें" अभियान शुरू

बेगूसराय, (हि.स.)। केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) बरौनी में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ सोमवार को प्रशासनिक भवन में किया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख राजीव खन्ना द्वारा सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा सभी कर्मचारियों और सीआईएसएफ कर्मियों के समक्ष दिलाई गई। आयोग द्वारा इस वर्ष का थीम "भ्रष्टाचार का विरोध करें, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें" रखा गया है। परियोजना प्रमुख ने कहा कि एनटीपीसी ने भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति को स्वीकारा है। इसी कड़ी में सतर्कता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान एनटीपीसी बरौनी द्वारा कर्मचारियों, सीआईएसएफ एवं उनके परिवारजनों, आस पास के समीपवर्ती गांव तथा सरकारी स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। भ्रष्टाचार का खात्मा हम सबका कर्तव्य है।

दूसरे शहादत दिवस पर श्रद्धापूर्वक याद किए गए लेफ्टिनेंट ऋषि

बेगूसराय, (हि.स.)। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिला स्थित नौशेरा सेक्टर में हुए आतंकी वारदात में 30 अक्टूबर 2021 को शहीद हुए लेफ्टिनेंट ऋषि के दूसरे शहादत दिवस के अवसर पर सोमवार को कृतज्ञ बेगूसराय वासियों ने उन्हें श्रद्धा पूर्वक याद किया। मौके पर जीडी कॉलेज परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया गया। श्रद्धांजलि समारोह में केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह, बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार, चेरिया बरियारपुर विधायक राजवंशी महतो, मेयर पिंकी देवी, भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा, जदयू जिलाध्यक्ष रुदल राय, सांसद प्रतिनिधि अमरेन्द्र कुमार अमर, पूर्व विधान पार्षद उषा सहनी एवं पूर्व मेयर संजय कुमार सहित विभिन्न दलों के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत शहीद ऋषि के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस दौरान जब शहीद के पिता राजीव रंजन ने अपने इकलौते पुत्र के चित्र पर पुष्पांजलि किया तो मौके पर उपस्थित सभी लोगों की आंखें नम हो गई। कार्यक्रम में उपस्थित एनसीसी के कमांडेंट, एनसीसी कैडेट, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बुद्धिजीवी सहित अन्य लोगों ने भी पुष्पांजलि अर्पित किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. कुंदन कुमार ने किया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि ऋषि ने मां भारती की रक्षा करते हुए अपनी सर्वोच्च शहादत दी। जीडी कॉलेज के पश्चिमी द्वार शहीद ऋषि के नाम से जाना जाएगा। डीएम एवं विश्वविद्यालय के कुलपति को कहा गया है। प्राचार्य ने भी विश्वविद्यालय को लिख दिया है। जीडी कॉलेज में सांसद क्षेत्र विकास निधि से 21 लाख दिया गया है। उस भवन का भी नामकरण शहीद ऋषि के नाम पर किया जाएगा।

"देवी सुरेश्वरी भगवती गंगे, भुवन तारिणी तरल तरंगे" से गूंज उठा सिमरिया

बेगूसराय, (हि.स.)। आदि कुंभ स्थली और कल्पवास स्थल सिमरिया धाम का पावन गंगा तट एक बार फिर गंगा महाआरती से गूंज उठा है। कुंभ सेवा समिति के बैनर तले वाराणसी के आचार्यों की टोली ने गंगा की स्तुति "देवी सुरेश्वरी भगवती गंगे, भुवन तारिणी तरल तरंगे" शुरू किया तो पूरा वातावरण मां गंगा की भक्ति में झूमने लगा। विधिवत पूजन एवं मंत्रोच्चार के साथ शुरू हुए आरती में आचार्यों की टोली ने स्तुति के बाद वाराणसी की तर्ज पर मनमोहक तरीके से गंगा माता की आरती किया। आचार्य राममणि शर्मा के नेतृत्व में उपेन्द्र त्रिपाठी, नरेन्द्र पाठक, पुष्पेन्द्र मिश्रा, वीरु तिवारी, विनोद तिवारी एवं नागेन्द्र उर्मेलिया आदि ने मनमोहक आरती प्रस्तुत किया। जिस पर श्रद्धालु झूमने पर मजबूर हो गए। आरती का शुभारंभ केन्द्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता विजय कुमार चौधरी, विधान पार्षद सर्वेश कुमार, विधायक कुंदन कुमार, सांसद प्रतिनिधि अमरेन्द्र कुमार अमर, कुंभ सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. नलिनी रंजन सिंह, महासचिव रजनीश कुमार एवं प्रो. अशोक कुमार सिंह अमर आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि धर्म को

आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी बेटी-बहन के हाथों में है। मिथिला का सिमरिया धाम मोक्षदायिनी है। गंगा में स्नान कर लेने ही नहीं, गंगाजल के स्पर्श से भी मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। हम धर्म की रक्षा करते हैं और धर्म हमारी रक्षा करता है। सिमरिया एक तरफ साधना स्थल है तो दूसरी तरफ धर्मस्थल। गंगा धार्मिक ही नहीं, रोजगार दायक भी है। मां गंगा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सद्बुद्धि दें कि इस धरोहर को जागृत किया जा सके। विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि कुंभ के रूप में लुप्त हो चुके विरासत को सिमरिया में पुनर्स्थापित कर धार्मिक संस्कृति की शुरूआत की गई है।

सेवा भाव से कुंभ महाकुंभ के रूप में बदल दिया गया। सिमरिया आज विश्व पटल पर जाने लगा है। यहां आने वाले शव वाहनों से टैक्स लिया जाता था, जिसे हमने मुक्त कराया। बिहार की पहचान ही नहीं इस सांस्कृतिक धार्मिक द्वार का गौरव बढ़ाने की जरूरत है। आने वाली पीढ़ी के लिए सिमरिया धाम बड़ा केंद्र बनेगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि सिमरिया में लाखों की भीड़ जुटती है, सौभाग्य की बात है कि इस वर्ष भी कुंभ लगा है। नरेन्द्र मोदी ने गंगा की स्वच्छता और अविरलता के लिए नमामि गंगे के माध्यम से आठ हजार करोड़ दिए। नमामि गंगे से सुल्तानगंज और सिमरिया सहित अन्य जगहों पर घाट निर्माण किया गया। उत्तर बिहार में मां सीता की कृपा से विकास हो रहा है। भाजपा की सरकार ने अयोध्या में प्रभु राम का मंदिर बना दिया। 22 जनवरी 2024 को श्रीराम टेंट से निकलकर मंदिर में विराजमान होंगे। अब माता सीता का मंदिर सहित अन्य मंदिर भी बनेगा। कुंभ सेवा समिति के महासचिव रजनीश कुमार ने कहा कि 2011 से यहां महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। 28 नवम्बर तक लगातार वाराणसी से आए आचार्यों की टोली आरती करेंगे। यह केवल एक आध्यात्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मां गंगा और उनके तट को स्वच्छ रखने तथा पवित्र सिमरिया धाम के सांस्कृतिक चेतना का प्रचार एवं प्रसार का एक उपक्रम है। जिससे सिमरिया धाम का समुन्नत एवं समेकित विकास का मार्ग प्रशस्त हो सके। महाआरती के माध्यम से संदेश दिया जाता है कि कल्पवासी एवं दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए हम गंगा तट को स्वच्छ और गंगा को निर्मल रखें।

संपादकीय

चुनाव आयोग की सक्रियता

भारत के चुनाव आयोग ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को 'कारण बताओ नोटिस' भेजने में देरी नहीं की। आयोग ने उन रथी यात्राओं को भी रोक दिया है, जिनमें सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को 'रथ-प्रभारी' बनने और भारत सरकार की परियोजनाओं का प्रचार करने को बाध्य करने का सर्कुलर तक जारी किया जा चुका था। हालांकि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसी दौरान बयान दिया कि सीबीआई और ईडी 'कुत्ते की तरह' घूमती रहती हैं। प्रियंका और हिमंता ने जो सार्वजनिक बयान दिए थे, उनकी तुलना में गहलोत की टिप्पणी घोर आपत्तिजनक है, क्योंकि वह देश की प्रमुख जांच एजेंसियों को कोस रहे थे। जांच एजेंसियां संविधान और कानून के तहत कार्रवाई करती हैं और भारत सरकार के प्रति जवाबदेह हैं। देश में 55 साल से अधिक सालों तक कांग्रेस सत्तारूढ़ रही है। क्या वह भी सीबीआई और ईडी को 'कुत्ते की तरह' हांकती थी? चुनाव आयोग ने राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत को नोटिस भेजकर उनका स्पष्टीकरण नहीं मांगा अथवा अब भी नोटिस की कार्रवाई विचाराधीन है? बहरहाल आयोग ने कांग्रेस और भाजपा के दोनों स्टार नेताओं के बयानों को 'आदर्श आचार संहिता' के खिलाफ माना है। प्रियंका ने राजस्थान में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसा था कि उन्होंने एक मंदिर की दान-पेटी में 21 रुपए ही लिफाफे में रखकर डाले थे। दरअसल ऐसे तंज पर वोट नहीं मिला करते। प्रधानमंत्री का ऐसा सार्वजनिक अपमान चुनावी मुद्दा भी नहीं है और न ही जनता इसे स्वीकार करती है। जिस तरह अन्य राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने मुद्दों पर जनादेश हासिल करने को प्रचार कर रहे हैं, कांग्रेस महासचिव को भी मुद्दों तक ही सीमित रहना चाहिए था। यह मानसिकता ही 'सामंतवादी' है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने भी छत्तीसगढ़ के एक मंत्री पर जो टिप्पणी की थी, वह भी आचार संहिता का उल्लंघन करती थी। हिमंता तो संवैधानिक पद पर आसीन हैं, लिहाजा उनसे शब्दों और भाषा की मर्यादा की अधिक अपेक्षाएं हैं। यकीनन चुनाव आयोग की 'तुरंत कार्रवाई' उल्लेखनीय और प्रशंसनीय है, लेकिन 5 दिसंबर को पांच राज्यों में चुनाव-प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। यदि तब तक इन नेताओं के संतोषजनक स्पष्टीकरण आयोग तक नहीं पहुंचते हैं, तो इन नेताओं पर क्या कार्रवाई की जा सकेगी, यह चिंता और सरोकार का सवाल है। शायद इसीलिए कई संदर्भों में चुनाव आयोग को 'दंतहीन' माना गया है। चुनाव तो गुजर जाएंगे, नेताओं को जो बयान देने थे, वे दे चुके हैं, लिहाजा सियासत खेली जा चुकी है, लेकिन आचार संहिता के संरक्षण को लेकर आयोग की भूमिका क्या है? हालांकि असम के मुख्यमंत्री ने 'एक्स' (ट्विटर) पर लिखकर अपने बयान का स्पष्टीकरण दिया है और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार को ही 'दोषी' करार दिया है। प्रियंका गांधी ने अपना पक्ष रखने के लिए व्हाट्स एप चैनल का इस्तेमाल किया है। सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हुए तीव्र और नाशक बातचीत करना झगड़ालू मुद्दा ही बना रहता है। संवैधानिक स्पष्टीकरण के लिए सोशल मीडिया कोई उचित मंच नहीं है। उसकी वैधानिकता भी नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहां राजनीतिज्ञों का मानना है कि वे आयोग के नोटिस और स्पष्टीकरण को नजरअंदाज कर सकते हैं। दरअसल यह भी दंडनीय होना चाहिए, लिहाजा चुनाव आयोग में सुधारों की बात की जाती रही है। मान लीजिए, किसी भी नेता ने आचार संहिता के खिलाफ कोई आपत्तिजनक बात कही, तो उसे त्वरित कार्रवाई के तहत प्रचार करने और भाषण देने से 'अयोग्य' करार दे देना चाहिए। अंतिम निर्णय नोटिस के जवाब के बाद दिया जा सकता है। यह विशेषाधिकार संसद और भारत सरकार ही दे सकती हैं। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया जारी है, लिहाजा प्रचार का धुआंधार और उग्र होना स्वाभाविक है। उन पर नकेल कसने की भूमिका चुनाव आयोग की है। अभी जो बयान दिए जा रहे हैं और जो भाषण दिए जा रहे हैं, उनमें बहुत कुछ ऐसा है, जो आचार संहिता के खिलाफ और घोर आपत्तिजनक हैं। वे लोकतंत्र पर भी सवाल करते हैं, लिहाजा ऐसी परिस्थितियों और प्रवृत्तियों का सामना करना और उन्हें नियंत्रित करना भी आयोग के लिए चुनौतीपूर्ण है।

आयोग ने उन रथी यात्राओं को भी रोक दिया है, जिनमें सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को 'रथ-प्रभारी' बनने और भारत सरकार की परियोजनाओं का प्रचार करने को बाध्य करने का सर्कुलर तक जारी किया जा चुका था। हालांकि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसी दौरान बयान दिया कि सीबीआई और ईडी 'कुत्ते की तरह' घूमती रहती है। प्रियंका और हिमंता ने जो सार्वजनिक बयान दिए थे, उनकी तुलना में गहलोत की टिप्पणी घोर आपत्तिजनक है, क्योंकि वह देश की प्रमुख जांच एजेंसियों को कोस रहे थे। जांच एजेंसियां संविधान और कानून के तहत कार्रवाई करती हैं और भारत सरकार के प्रति जवाबदेह हैं। देश में 55 साल से अधिक सालों तक कांग्रेस सत्तारूढ़ रही है। क्या वह भी सीबीआई और ईडी को 'कुत्ते की तरह' हांकती थी? चुनाव आयोग ने राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत को नोटिस भेजकर उनका स्पष्टीकरण नहीं मांगा अथवा अब भी नोटिस की कार्रवाई विचाराधीन है? बहरहाल आयोग ने कांग्रेस और भाजपा के दोनों स्टार नेताओं के बयानों को 'आदर्श आचार संहिता' के खिलाफ माना है। प्रियंका ने राजस्थान में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसा था कि उन्होंने एक मंदिर की दान-पेटी में 21 रुपए ही लिफाफे में रखकर डाले थे।

कुछ अलग

पानी में कितनी दरारें

हिमाचल सरकार की शिकायत पर 'पानी में दरार' ढूंढने आया केंद्रीय दल। भारी बरसात में इस बार बड़े-बड़े बांधों ने अपनी करतूत को इस कद्र घातक बनाया कि जख्म लिए हिमाचल की तस्वीर बता रही हुई हैं गुनाह कैसे-कैसे। पौंग व पंडोह डैम के अलावा मलाणा-2 तथा पार्वती-3 विद्युत परियोजना के बांधों में बरती गई कोताही ने परेशानियां ही नहीं बढ़ाई, बल्कि हिमाचल में आई आपदा को विकरालता का सबब बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। हैरानी यह कि केवल दो परियोजनाओं कोल बांध व नाथपा झाकड़ी परियोजना में ही अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाया गया था, जबकि अन्य स्थानों पर ऐसे निर्देश का पालन नहीं हुआ। बांध सुरक्षा में अपनाई गई लापरवाही ने सैंज बाजार को ही निगल लिया, जबकि पौंग बांध से बिना तैयारी छोड़े गए पानी ने मंड क्षेत्र में तबाही मचा दी थी। मंडी शहर के डूबते मंदिरों तक आ पहुंचा नदी का उफान बताता रहा कि पंडोह बांध ने कब-कब गुस्ताखी की। ये तमाम परियोजनाएं हिमाचल के सामाजिक परिदृश्य के खिलाफ खड़ी हैं और जनता चौकीदार के रूप में यह रखवाली करती है कि कहीं बांध का गुस्सा न फूट पड़े। दरअसल बांध हिमाचल के पानी को पूरी क्षमता से खींचने की पद्धति में निशानदेही करते रहे हैं। उनके लक्ष्य हिमाचली जिंदगी के विपरीत पानी की सरहद बनाते हैं। ये हमारी मजबूरियां क्यों बन रहे हैं कि आपदा के हिस्से का सारा पानी हिमाचल का, बाढ़ प्रदेश की और काम अन्य राज्यों का। सुकून की जिंदगी छीन चुके बांध, अब नमक हलाली में उस फर्ज की शिनाख्त हैं, जो हिमाचल को बेड़ियां पहना कर मजाक उड़ा रहा है। बीबीएमबी एक जीता जागता उदाहरण है जो प्रदेश के अधिकारों की तौहीन करता है। वाटर सेस की झलक मात्र से बीबीएमबी के पार्टनर राज्यों का रवैया बताता है कि पानी को बांधने वाले सिर्फ यही चाहते हैं कि हिमाचल बंधक बना रहे। यह कैसा नियम और कैसा राष्ट्रीय फलक, जो हिमाचल को निचोड़ने के बावजूद यह नहीं देखता कि राष्ट्र निर्माण की ये ईंटें अपने बगल में छुरी छुपा के कहीं वार कर रही हैं। इस बार की प्राकृतिक त्रासदी ने हिमाचल को बता दिया कि विकास का शिगूफा कहां-कहां छुपा था। वह बादल बन कर आया जरूर, मगर बांध और विद्युत परियोजनाओं उसे बांधने के बजाय तबाही के लिए खुला छोड़ दिया। वे बांध को लबालब करने के बाद बरसाती हवाओं का रुख मोड़ते हैं, वे धुरंधर हैं इसलिए पानी खींच कर बाढ़ हमें छोड़ते हैं। यही नहीं इस बार तो पानी-पानी में वैर उभर आया। हिमाचल का पानी हिमाचल में 13 हजार करोड़ की बर्बादी करता है, तो यह राष्ट्रीय क्षति नहीं, लेकिन यही बहते हुए जब पड़ोसी राज्यों में पहुंचता है तो दर्द का एहसास बदल जाता है। मौसम पर तो किसी का वश नहीं, लेकिन पानी के रुख पर राष्ट्र के जज्बात बहकने नहीं चाहिए।

भारत की आर्थिकी की आशावादी तस्वीर उभरकर आना सुकूनदेह है

चुनौतियों के बीच आशावादी आर्थिकी

जयंती लाल भंडारी

भारतीय उपभोक्ताओं के आशावादी होने का एक बड़ा कारण एक ओर भारत को रूस से कम मूल्यों पर कच्चे माल की आपूर्ति होना है, वहीं भारत के द्वारा कच्चे तेल की आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाई जाना भी है। पहले हम 27 देशों से कच्चे तेल का आयात करते थे, वहीं अब 39 देशों से कच्चे तेल का आयात कर रहे हैं। इस तरह अर्थव्यवस्था की समग्र तस्वीर व्यापक तौर पर आशावादी नजर आ रही है। गौरतलब है कि 10 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट 2023 में भी भारतीय अर्थव्यवस्था की आशावादी तस्वीर प्रस्तुत की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में जहां वैश्विक विकास दर 3 फीसदी रहेगी, वहीं भारत की विकास दर 6.3 फीसदी रहेगी।

इन दिनों जब दुनिया इजराइल-हमास युद्ध, बढ़ती तेल कीमतों और गिरती वैश्विक विकास दर की चुनौतियों का सामना कर रही है, तब विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षणों और रिपोर्टों में भारत की आर्थिकी की आशावादी तस्वीर उभरकर आना सुकूनदेह है। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने देश के उपभोक्ताओं और कारोबारों के विचारों का जो सर्वेक्षण प्रकाशित किया है, उसके निष्कर्षों में कारोबारी और वित्तीय विचार भारत में व्यापक तौर पर आर्थिक विस्तार को लेकर आशाजनक रुख दिखाते हैं। इस सर्वेक्षण में कहा गया है कि देश में खुदरा महंगाई में कमी आ रही है, औद्योगिक उत्पादन बढ़ रहा है, बेरोजगारी में कमी आई है, कर राजस्व में सुधार हुआ है। जहां रोजगार की स्थिति में सुधार हुआ है, वहीं स्वरोजगार को अपनाने वालों की तादाद तेजी से बढ़ी है। बैंक ऋण में अच्छी वृद्धि के मद्देनजर सबसे अधिक वृद्धि खुदरा और व्यक्तिगत ऋण में हुई है। इस सर्वेक्षण से संकेत मिल रहा है कि देश में उपभोक्ताओं के विचारों की नकारात्मकता कम हो रही है और अधिक से अधिक उपभोक्ता भविष्य में आमदनी बढने के मामले में आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। भारतीय उपभोक्ताओं के आशावादी होने का एक बड़ा कारण एक ओर भारत को रूस से कम मूल्यों पर कच्चे माल की आपूर्ति होना है, वहीं भारत के द्वारा कच्चे तेल की आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाई जाना भी है। पहले हम 27 देशों से कच्चे तेल का आयात करते थे, वहीं अब 39 देशों से कच्चे तेल का आयात कर रहे हैं। इस तरह अर्थव्यवस्था की समग्र तस्वीर व्यापक तौर पर आशावादी नजर आ रही है। गौरतलब है कि 10 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट 2023 में भी भारतीय अर्थव्यवस्था की आशावादी तस्वीर प्रस्तुत की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में जहां वैश्विक विकास दर 3 फीसदी रहेगी, वहीं भारत की विकास दर 6.3 फीसदी रहेगी। साथ ही भारत दुनिया में सबसे तेज विकास दर वाला देश है। इसी तरह पिछले दिनों 3 अक्टूबर को विश्व बैंक के द्वारा प्रकाशित इंडिया डेवलपमेंट अपडेट रिपोर्ट-2023 में भी कहा गया कि चालू वित्त वर्ष में निवेश और मांग के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.3 फीसदी की दर से बढने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था में शामिल भारत की विकास दर जी-20 देशों के बीच दूसरे स्थान पर है और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में औसतन लगभग दोगुनी है। इस ऊंची विकास

दर की वजह मजबूत आर्थिक मांग, मजबूत सार्वजनिक बुनियादी ढांचा निवेश और मजबूत वित्तीय क्षेत्र है। विश्व बैंक की तरह दुनिया की प्रसिद्ध क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने भी चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की तेज विकास दर के अनुमान प्रस्तुत किए हैं। एसएंडपी ने 6.6 फीसदी और फिच, एडीबी और आईसीडी ने 6.3 फीसदी के अनुमान लगाए हैं। इसी तरह रिजर्व बैंक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारत की विकास दर 6.5 फीसदी रहने की संभावना है। चूंकि अमेरिका और रूस के साथ-साथ दुनिया के अधिकांश देशों के द्वारा भारत के साथ लगातार आर्थिक मित्रता के कदम बढ़ाए जा रहे हैं, ऐसे में भारत की सबसे ज्यादा विकास दर के साथ वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के लिए वैश्विक आर्थिक अवसर भी बढने की संभावनाएं बनी हुई हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि इस वर्ष 2023 में जी-20 देशों की सफल अध्यक्षता के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तेज विकास की नई संभावनाएं निर्मित हुई हैं। जी-20 शिखर सम्मेलन के ऐतिहासिक सफल आयोजन से जहां दुनिया में भारत की डिजिटल अहमियत मजबूत हुई है, वहीं भारत की नई डिजिटल पूंजी भारत की आर्थिक ताकत बनते हुए दिखाई दे रही है। अब भारत जी-20 देशों के साथ-साथ दुनिया के कई अन्य देशों के लिए डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) विकसित करने की नई भूमिका में है। दुनिया के आठ देशों ने अपने यहां डीपीआई के विकास के लिए भारत से समझौते किए हैं। जी-20 से जहां भारत विकासशील देशों, ग्लोबल साउथ के देशों और अफ्रीकी देशों के लिए और महत्त्वपूर्ण बना है, यह भी महत्त्वपूर्ण है कि जी-20 से भारत के वैश्विक व्यापार, भारत से निर्यात, भारत में विदेशी निवेश, भारत में विदेशी पर्यटन और भारत के डिजिटल विकास का नया क्षितिज सामने आया है। जी-20 से दुनिया में ग्लोबल सप्लाई चेन में सुदृढ़ता और विश्वसनीयता के मद्देनजर भारत की अहमियत बढ़ी है। जहां 55 देशों के प्राकृतिक संपदा संपन्न अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल कराकर भारत ने वैश्विक पटल पर अपनी कूटनीति का दबदबा बढ़ाया, वहीं चीन के आर्थिक प्रभुत्व वाले अफ्रीकी संघ के देशों में भारत ने चीन का रास्ता रोकने की जोरदार पहल भी की है। अब भारत अफ्रीकी देशों में कृषि, स्वास्थ्य, फार्मेसी, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, ऊर्जा व ढांचागत विकास के क्षेत्र में तेजी से कदम आगे बढ़ाएगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि जी-20 में घोषित हुए भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कारिडोर (आईएमईसी) के माध्यम से रेल एवं जल मार्ग से भारतीय कंपनियों के लिए नए अवसरों का ऐसा ढेर लगाया जा सकेगा, जिससे चीन की तुलना में भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता भी बढ़ जाएगी। वस्तुतः आईएमईसी चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा जवाब भी है। अब आईएमईसी के तहत भारत से पश्चिम एशिया होते हुए यूरोप तक कॉरिडोर बनेगा और रेल लाइनें बिछेंगी। एक दूसरे के ऊर्जा और संचार क्षेत्रों को जोडने की भी व्यवस्था होगी। यूएई, सऊदी अरब, ईयू, फ्रांस, इटली और जर्मनी साझीदार देश होंगे। भविष्य में यह भारतीय अर्थव्यवस्था को यूरोप और पश्चिम एशिया के देशों की अर्थव्यवस्था से जोडने वाला एक अहम माध्यम बनेगा। जी-20 ने भारत में विदेशी पर्यटन की संभावनाओं के लिए अभूतपूर्व नया अध्याय भी लिखा है। निश्चित रूप से वर्तमान इजरायल-हमाम संकट और बढ़ते कच्चे तेल के मूल्यों के बीच भारत के लिए वैश्विक आर्थिक अवसरों के बढने की संभावनाएं बनी हुई हैं। वैश्विक अवसरों को मुट्ठी में लेने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। चीन में मंदी और चाइना प्लस वन की रणनीति का लाभ लेने के लिए हमें इस बात पर ध्यान देना होगा कि इस समय भी चीन अगले कई दशकों के सबसे अहम कारोबारों के लिहाज से सर्वाधिक अनुकूल स्थिति में है। ऐसे में दुनिया का नया आपूर्तिकर्ता देश बनने के लिए भारत को अभूतपूर्व रणनीति के साथ आगे बढना होगा। जहां भारत को दुनिया के नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता और अफ्रीकी संघ में नए प्रभावी निर्यातक की भूमिका को मुट्ठी में लेना होगा, वहीं अभी से भारत को मध्यपूर्व-यूरोप आर्थिक कारिडोर के तेज क्रियान्वयन के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढना होगा। यद्यपि भारत राजकोषीय रूप से अनुशासित रहा है और देश के केंद्रीय बैंक ने भी महंगाई को कम करने के लिए तेजी से काम किया है, लेकिन अब महंगाई नियंत्रण पर ध्यान बनाए रखना जरूरी है।

भारत में ओलंपिक की संभावनाएं व चुनौतियां

विश्व युद्ध के बाद का यूरोप, रंगभेद के बाद का दक्षिण अफ्रीका और 2010 के दशक का ब्राजील इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। मुंबई में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि भारत ओलंपिक आयोजन के 2036 संस्करण के आयोजन के अपने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा, 'यह 140 करोड़ भारतीयों का सदियों पुराना सपना है, यह उनकी आकांक्षा है।' भारत 40 वर्षों में पहली बार वार्षिक ओलंपिक समिति सत्र की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले दिल्ली ने 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों और 1982 में एशियाई खेलों की मेजबानी की थी। लेकिन इससे पहले ओलंपिक जैसे खेल का आयोजन कभी नहीं हुआ। भारत ने भी ओलंपिक में एक अग्रदूत के रूप में रुचि व्यक्त की है, हालांकि 2036 के लिए मेजबान शहर को चुनने में समय लगेगा। ब्रिस्बेन को 2032 संस्करण के लिए जुलाई 2021 में ही चुना गया था।

पुराने समय से ही ओलंपिक का उपयोग एक सॉफ्ट-पावर के रूप में किया जाता रहा है। दुनिया भर की सरकारों ने खेलों से पडने वाले आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव के साथ-साथ आयोजन की मेजबानी से मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय पहचान पर भी दांव लगाया है। विश्व युद्ध के बाद का यूरोप, रंगभेद के बाद का दक्षिण अफ्रीका और 2010 के दशक का ब्राजील इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। मुंबई में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि भारत ओलंपिक आयोजन के 2036 संस्करण के आयोजन के अपने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा, 'यह 140 करोड़ भारतीयों का सदियों पुराना सपना है, यह उनकी आकांक्षा है।' भारत 40 वर्षों में पहली बार वार्षिक ओलंपिक समिति सत्र की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले दिल्ली ने 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों और 1982 में एशियाई खेलों की मेजबानी की थी। लेकिन इससे पहले ओलंपिक जैसे खेल का आयोजन कभी नहीं हुआ। भारत ने भी ओलंपिक में एक अग्रदूत के रूप में रुचि व्यक्त की है, हालांकि 2036 के लिए मेजबान शहर को चुनने में समय लगेगा। ब्रिस्बेन को 2032 संस्करण के लिए जुलाई 2021 में ही चुना गया था। इससे पहले कि हम भारत की संभावनाओं पर विचार करें, ध्यान देने योग्य बात यह है कि यह कदम भारत की वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को उजागर करता है। चाहे वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की इच्छा हो या जी-20 की अध्यक्षता को लेकर उत्साह, भारत ने लगातार अंतरराष्ट्रीय मंच पर सीट की मांग की है। ओलंपिक मेजबानी का टैग हमारे देश को बदलती विश्व व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण स्थान दे सकता है। पदक जीतने में देश की हालिया सफलता इसकी जनसंख्या या आर्थिक विकास के अनुपात में नहीं है। ओलंपिक की मेजबानी से भारत की खेल महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा मिल सकता है। भारत ने हाल ही में संपन्न एशियाई खेलों में 107 पदक लेकर शानदार प्रदर्शन किया है। जब से अभिनव बिंद्रा ने बीजिंग 2008 में देश का पहला व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण जीता है, तब से अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में प्रदर्शन में लगातार वृद्धि हुई है। देशवासियों को यह विश्वास भी है कि भारत वर्ष 2024 में पेरिस में दोहरे अंकों में पदक जीतेगा। ओलंपिक जैसे मेगा आयोजन एक बड़ी चुनौती भी साथ लेकर आते हैं। उदाहरण के तौर पर रियो 2016 और टोक्यो 2020 दोनों आयोजनों के दौरान भयंकर सार्वजनिक आक्रोश देखा गया था। टोक्यो के मामले में, कहा गया था कि वित्तीय बोझ बढक़र 15.4 बिलियन डॉलर हो गया था, जो प्रारंभिक अनुमान से दोगुने से भी अधिक था। हाल ही में, ऑस्ट्रेलियाई राज्य विक्टोरिया ने बढ़ते खर्च के कारण 2026 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से हाथ खींच लिया और कनाडाई प्रांत अल्बर्टा ने 2030 संस्करण के लिए अपना नाम वापस ले लिया। चीन ने 2008 में खेलों की मेजबानी पर 50 अरब डॉलर खर्च किए थे। प्रमुख खेल अर्थशास्त्री एंड्रयू जिम्बालिस्ट ने कहा है कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए अरबों डॉलर के खेल आयोजन की मेजबानी करना कठिन होगा। ओलंपिक समिति उन स्थानों को चुनकर खेलों की मेजबानी को और अधिक टिकाऊ बनाने की कोशिश कर रहा है जहां पहले से ही अधिकांश बुनियादी ढांचे मौजूद हैं। उदाहरण के लिए, पेरिस में लगभग 95 फीसदी बुनियादी ढांचे पहले से ही अस्तित्व में हैं। लॉस एंजिल्स में, जहां 2028 खेल आयोजित होंगे, उन्हें एक भी नया खेल स्थल नहीं बनाना पड़ा। भारत की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह अपनी आकांक्षाओं को अंतर्निहित जटिलताओं के साथ कैसे जोड़ता है। जब भारत ने 2010 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी, उस समय खेल मंत्री मनोहर सिंह गिल थे। गिल ओलंपिक की मेजबानी की कोशिश के खिलाफ थे। उन्होंने कहा था कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए भारी रकम खर्च करने का कोई मतलब नहीं है। भारी वित्तीय निवेश, एक शहर में उन्नत बुनियादी ढांचे और यहां तक कि मौसम की स्थिति जैसी कई चुनौतियों के साथ ओलंपिक की मेजबानी करना भारत के लिए एक आदर्श लक्ष्य है। वर्तमान में हमारे पास चाहे कई ओलंपिक स्तर की सुविधाएं नहीं हैं, पर फिर भी शीर्ष गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे का विकास भारत के लिए एक अच्छी पहल हो सकती है। हालांकि प्रधानमंत्री ने उस भारतीय शहर का नाम नहीं बताया जो ओलंपिक की मेजबानी करने का प्रयास करेगा, लेकिन कई विशेषज्ञों द्वारा यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वो शहर अहमदाबाद हो सकता है। अगस्त 2023 में, गुजरात राज्य सरकार ने गुजरात ओलंपिक प्लानिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नाम से ओलंपिक योजना के लिए एक विशेष प्रयोजन वाहन की शुरुआत की थी। भारत ने अतीत में कभी भी ओलंपिक की मेजबानी नहीं की है, लेकिन देश ने 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। उस समय, नई दिल्ली मेजबान शहर था। यदि ओलंपिक 2036 के लिए भारत की दावेदारी अहमदाबाद के साथ आगे बढ़ती है, तो शहर को खेल स्थलों, प्रशिक्षण सुविधाओं, एथलीटों के लिए आवासीय पार्क आदि सहित खेल के बुनियादी ढांचे में भारी निवेश करना होगा। भारत को 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए प्रयास करने ही चाहिए। यह प्रयास शहरी और खेल संबंधी बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देगा और विशेष रूप से आर्थिक गतिविधि और पर्यटन को बढ़ावा देने के अलावा एथलेटिक उत्कृष्टता में भारत की सहभागिता को बढ़ाएगा। इस बात पर विस्तृत योजना बनाने की जरूरत है कि खेलों को कहां आयोजित किया जाए। आयोजन के लिए बनाए गए आवासों, कार्यालयों और खेल सुविधाओं को भारत के बुनियादी ढांचे में कैसे एकीकृत किया जाए।

दृष्टिकोण

आखिर इजराइल जैसी अनिवार्य सैन्य सेवा भारत में क्यों नहीं?

हमास से जारी संघर्ष और कुछ अरब देशों से संभावित हमले के खतरे के बीच इजराइल ने अपनी रिजर्व सेना को भी बुला लिया है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) के अनुसार, इजराइल की सेना, नौसेना और अर्धसैनिक बलों में 1,69,500 सक्रिय सैन्यकर्मी हैं। इनके अतिरिक्त 4,65,000 का संख्या बल आरक्षित बल में हैं, जबकि 8,000 लोग इसके अर्धसैनिक बल का हिस्सा हैं। इधर इजराइल ने साढ़े चार लाख से भी अधिक नफरी वाले प्रशिक्षित रिजर्व या आरक्षित बल को केवल इमरजेंसी के समय के लिए रखा हुआ है। दरअसल, अनिवार्य सेवा अधिनियम के तहत इजराइल में सभी सक्षम नागरिकों के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। इस कानून के तहत में धार्मिक अल्पसंख्यक ड्रूज और सर्कसियन समुदायों की महिलाओं के लिए अनिवार्य सेवा में छूट है। ईरान, सीरिया और जॉर्डन के साथ ही लेबनान के हिजबुल्ला और फिलिस्तीन के हमास जैसे शत्रुओं के खतरों से हर वक्त घिरे रहने वाले इजराइल ने अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए इतनी मजबूत सेना खड़ी कर रखी है जिसका खौफ ही इजराइल का सुरक्षा कवच है। जब किसी देश का हर नागरिक वक्त आने पर सैनिक बनने के लिए तैयार रहे तो ऐसी सेना का मुकाबला आसान नहीं होता। दरअसल, अजेय सैन्य बल की ताकत को देशवासियों का जज्बा भी बढ़ाता हैं। अनिवार्य सेवा अधिनियम के तहत के अनुसार इजराइली पुरुषों को 32 महीने और महिलाओं के लिए 24 महीने सेना में सेवा देना अनिवार्य है। एक अनुमान के अनुसार-अनिवार्य सैन्य सेवा कानून के तहत इजराइल की आइडीएफ के पास वर्ष 2016 में 17 से लेकर 49 साल तक के 15,54,186 पुरुष उपलब्ध थे। इनमें से इसी आयु वर्ग के 14,99,998 पुरुष सैन्य सेवा के लिए योग्य थे। उसी अवधि में आइडीएफ के पास 17 से लेकर 49 आयु वर्ग की 13,92,319 महिलाएं सैन्य सेवा के काम की थी। आज की तारीख में आइडीएफ के पास 1,69,500 सक्रिय सैन्यकर्मी और 4,65,000 रिजर्व सैनिक हैं। रिजर्व सेना में शामिल इजरायली नागरिकों को साल में कम से कम एक बार में सेना में सेवा या प्रशिक्षण के लिए बुलाया जाता है। इन नियमों के तहत विवाहित महिलाओं और मानसिक या शारीरिक विकलांगता वाले लोगों को सेवा में छूट दी जाती है। यह आरक्षित प्रणाली इजराइल को अपेक्षाकृत कम आबादी के साथ भी एक पर्याप्त और उच्च प्रशिक्षित सैन्य बल बनाए रखने में सक्षम बनाती है। इजराइली सेना में सैनिकों की आमद तीन रूटों से आती हैं। इनमें पहला रास्ता रेगुलर सेवा का है जो कि अनिवार्य सेवा का अंग है। शारीरिक रूप से अक्षम और कुछ धार्मिक अल्पसंख्यकों को भी इसमें छूट होती है। पहले महिलाओं का प्रवेश रोक दिया गया था जिसे 2001 के नए कानून के बाद खोल दिया गया। इसमें निर्धारित सेवा अवधि पूरी करने पर जो लोग नियमित होना चाहते हैं या योग्य हैं उन्हे स्थाई सेवा में ले लिया जाता है। कुछ लोग अनिवार्य सेवा से निवृत होने के बाद वापस पुनः भर्ती हो जाते हैं। यह स्थाई सेवा भी अनुबंध आधारित होती है और जवान तथा अधिकारियों का सेवाकाल अलग-अलग होता है। सेना की नफरी का तीसरा मार्ग आरक्षित फोर्स का होता है जो कि अनिवार्य सेवा पूरी करने के बाद शुरू होता है। अनिवार्य सेवा के बाद कुछ लोग स्थाई सैनिक बन जाते हैं तो कुछ को आरक्षित रखा जाता है जिन्हें समय-समय पर प्रशिक्षण आदि के लिए बुलाया जाता है और संकटकाल में उनका उपयोग स्थाई सैनिकों की ही तरह शत्रु के खिलाफ किया जाता है।

देश दुनीया से

गारंटी की राजनीति भी है रणनीति का हिस्सा, कोई नहीं अपवाद

राजस्थान और मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनावों में महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए कांग्रेस क्या सोची-समझी रणनीति के तहत प्रियंका गांधी को आगे कर रही है? महिलाओं- बच्चों से जुड़ी घोषणाओं को प्रियंका गांधी के जरिये गारंटी के रूप में सामने लाया जा रहा है, ताकि महिलाओं को पूरी तरह भरोसे में लिया जा सके। राजस्थान में झुंझुनूं की रैली में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रियंका गांधी को गारंटी कार्ड के रूप में सामने रखा। घर की मुखिया महिला को दस हजार रुपये हर साल दिए जाएंगे और एक करोड़ परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर मिलेगा। इससे सरकार पर साढ़े दस हजार करोड़ का अतिरिक्त खर्च बढ़ेगा। राजस्थान में कांग्रेस और भाजपा के बीच कड़ी टक्कर है और जानकारों के मुताबिक, सत्ता की चाभी महिला व युवा वर्ग के पास है। राज्य में 2.73 करोड़ पुरुष वोटरों के मुकाबले 2.53 करोड़ महिला वोटर हैं, पर वोट डालने में महिलाएं बाजी मार ले जाती हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में राज्य में 74.72 फीसदी वोट पड़े थे। उनमें पुरुष वोटों का प्रतिशत 73.49 था, जबकि 74.67 फीसदी महिलाओं ने वोट दिया था। तब कांग्रेस और भाजपा के बीच 0.54 प्रतिशत का ही अंतर था, यानी कांग्रेस को भाजपा से सिर्फ 1.79 लाख वोट ज्यादा मिले थे। इस आंकड़े के मद्देनजर महिला वोटरों की अहमियत समझ में आती है। पिछले तीस साल में महिलाओं की वोट देने में भागेदारी तेजी से बढ़ी है। वर्ष 1993 में करीब 60 फीसदी मतदान हुआ था और तब 68 प्रतिशत पुरुषों, जबकि केवल 52 फीसदी महिलाओं ने वोट दिया था। पर अब कहानी बदल गई है। यही वजह है कि दोनों दलों को महिला वोटर याद आ रहे हैं और महिला नेता भी। प्रियंका गांधी ने इससे पहले मध्य प्रदेश में हर महिला को 1,500 रुपये मासिक देने की गारंटी दी थी। आठवीं तक के बच्चों को पांच सौ रुपये, नवीं-दसवीं के बच्चों को एक हजार और ग्यारहवीं-बारहवीं के बच्चों को 1,500 रुपये महीना देने की 'पढ़ो-पढ़ाओ योजना' की गारंटी भी उन्होंने दी थी। इससे पहले हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में भी प्रियंका गांधी से ही गारंटियां दिलाई गई थीं। गारंटी देने में भी सियासत हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी कांग्रेस की गारंटी को चुनावी जुमला बताते हुए कह रहे हैं कि कांग्रेस सिर्फ चुनाव जीतने के लिए गारंटी दे रही है, चुनाव जीतने पर वह भूल जाएगी। दूसरी तरफ, भाजपा की गारंटी को वह मोदी की गारंटी से जोड़ रहे हैं, और कह रहे हैं कि यह मोदी की गारंटी है, जो पूरी की जाएगी। यह अपने आप में रोचक राजनीति है। एक कह रहा है, हमारी गारंटी पर यकीन करो, तो दूसरा कह रहा है कि हमारी गारंटी पर यकीन करो, क्योंकि हम गारंटी पूरी कर चुके हैं। उधर गारंटी का खेल शुरू करने वाले केजरीवाल भी आम आदमी पार्टी की गारंटी को केजरीवाल की गारंटी बता रहे हैं। मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने गृहलक्ष्मी योजना के तहत 1,500 रुपये महीना देने की गारंटी दी, तो मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना की घोषणा कर पहले महीने 1,000 और दूसरे महीने 1,250 रुपये देना शुरू भी कर दिया। अशोक गहलोत ने बीपीएल परिवारों को 500 रुपये में सिलेंडर देना शुरू किया, तो शिवराज चौहान ने 450 रुपये में सिलेंडर देने की घोषणा कर दी। जबकि तेलंगाना में केसीआर ने 400 रुपये में गैस सिलेंडर देने की गारंटी दी है। राजस्थान और मध्य प्रदेश, दोनों जगह कांग्रेस के पास कोई बड़ी महिला नेता नहीं है। पर जब चुनाव ही महिला वोटरों के आसपास लड़ा जा रहा हो, तो जरूरी हो जाता है कि महिला नेता ही बहनों को गारंटी दे।

राजस्थान में झुंझुनूं की रैली में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रियंका गांधी को गारंटी कार्ड के रूप में सामने रखा। घर की मुखिया महिला को दस हजार रुपये हर साल दिए जाएंगे और एक करोड़ परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर मिलेगा। इससे सरकार पर साढ़े दस हजार करोड़ का अतिरिक्त खर्च बढ़ेगा। राजस्थान में कांग्रेस और भाजपा के बीच कड़ी टक्कर है और जानकारों के मुताबिक, सत्ता की चाभी महिला व युवा वर्ग के पास है। राज्य में 2.73 करोड़ पुरुष वोटरों के मुकाबले 2.53 करोड़ महिला वोटर हैं, पर वोट डालने में महिलाएं बाजी मार ले जाती हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में राज्य में 74.72 फीसदी वोट पड़े थे। उनमें पुरुष वोटों का प्रतिशत 73.49 था, जबकि 74.67 फीसदी महिलाओं ने वोट दिया था। तब कांग्रेस और भाजपा के बीच 0.54 प्रतिशत का ही अंतर था, यानी कांग्रेस को भाजपा से सिर्फ 1.79 लाख वोट ज्यादा मिले थे।

संयुक्त राष्ट्र के गोदामों से आटे और खाने की लूट, यूएनआरडब्ल्यूए ने कहा- यह युद्ध के कारण बढ़ती निराशा का प्रतीक

गाजापट्टी ।
करीब तीन हफ्ते से जारी युद्ध के कारण दाने-दाने के मोहताज गाजा के लोग उग्र हो गए। संयुक्त राष्ट्र की सहायता एजेंसी से मदद की उम्मीद लगाए लोगों ने चार गोदामों पर धावा बोल दिया और वहां रखी आटे की बोरियां, खाने-पीने की अन्य सामग्री तथा साफ-सफाई के आधारभूत उत्पादों को लूट ले गए। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने कहा कि यह युद्ध के कारण लोगों में बढ़ती निराशा व गाजा में कानून-व्यवस्था के ध्वस्त होने का प्रतीक है। फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए काम करने वाली संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएनआरडब्ल्यूए के गाजा प्रतिनिधि थॉमस व्हाइट ने कहा कि गाजा के लोग भयभीत व निराश हैं। यूएनआरडब्ल्यूए गाजा में हजारों लोगों को मूलभूत सेवाएं उपलब्ध कराता है। युद्ध के कारण विस्थापित हो चुके हजारों लोगों के शरण बन चुके हैं। यूएनआरडब्ल्यूए ने कहा कि इजराइल ने मिस्र से मदद की सिर्फ थोड़ी सहायता सामग्री आने की अनुमति दी है, जिसे दीर अल-बलाह स्थित एजेंसी के एक गोदाम में रखा गया था। लोगों ने उस गोदाम पर धावा बोल दिया। एजेंसी की प्रवक्ता जुलिएट टॉमा ने कहा, भीड़ चार सुविधाओं में घुस आई थी।युद्ध की शुरुआत के बाद इजराइल ने ईंधन आपूर्ति पर रोक लगा दी है। दक्षिणी गाजा के खान यूनिस इलाके में हालात बेहद खराब हैं, जहां नसेर अस्पताल में बड़ी संख्या में घायलों का इलाज चल रहा है। फलस्तीनी रेड क्रेसेंट के प्रवक्ता नेबल फारसाख ने बताया कि गाजा में अंतरराष्ट्रीय सहायता सामग्री की कोई खेप नहीं पहुंची।

सभी बंधकों को तुरंत रिहा करे हमास - काठमांडो में इजराइल- हमास युद्ध के बीच चार दिवसीय यात्रा पर नेपाल पहुंचे संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने फिर से संघर्ष विराम का आह्वान करते हुए हमास से बंधकों को रिहा करने को कहा है। गुटेरस ने कहा, यह कठिन और तनावपूर्ण समय है। हमास को सभी बंधकों को तुरंत रिहा करना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाई गई है। यह बैठक संयुक्त अरब अमीरात व अरब प्रतिनिधियों के आग्रह पर बुलाई गई है। इसमें युद्ध पर चर्चा की संभावना है। टेलीकॉम कंपनी पालटेल व इंटरनेट सेवा के पैरोकार समूह नेटब्लॉक डॉट ओआरजी के मुताबिक, गाजा में एक बड़ी आबादी के लिए इंटरनेट व टेलीफोन सेवा बहाल कर दी गई है। हालांकि, खाने-पीने की सामग्रियों का संकट लगातार बना हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

मैक्सिको में तूफान ओटिस का कहर जारी, मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 43

अकापुल्को । मैक्सिको में ओटिस तूफान ने तबाही मचा रखी है। यह तूफान इतना खतरनाक हो गया है कि इसने कम से कम 43 लोगों की जान ले ली है। गुएरेरो के गवर्नर एवलिन साल्गाडो पिनेडा के हवाले से बताया गया है कि पिछले सप्ताह आए तूफान के कारण गुएरेरा राज्य में करीब 43 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में पांच पुरुष और 33 महिलाएं हैं। वहीं, अधिकारियों की सूझबूझ से 10 लोगों की जान बचाई जा सकी। प्रशांत महासागर के तट पर स्थित मैक्सिको के अकापुल्को में बीते बुधवार को 165 मील प्रति घंटे (266 किलोमीटर प्रति घंटे) की रफ्तार से आए तूफान से पर्यटन स्थल खंडहर में बदल गया था। तूफान के कारण 220,035 घर प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा, क्षेत्र के 80 प्रतिशत होटल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ओटिस ने श्रेणी पांच के तूफान के रूप में तबाही मचाई थी। तटीय इलाकों को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। यह तूफान इतना तेज था कि इसने लोगों के घरों, उसके बाहर खड़ी गाडियों, बिजली के खंभों, पेड़ों और मोबाइल टावरों को बहुत नुकसान पहुंचाया। इससे सड़क एवं हवाई संपर्क बाधित हो गया है। तूफान की वजह से लगभग नौ लाख की आबादी वाला शहर अकापुल्को उजड़ गया है। जानकारी के अनुसार, एक अस्पताल के भूतल में पानी भर गया है। लोगों ने बाढ़ की सूचना दी है। वहीं, एक अन्य अस्पताल में इलेक्ट्रोमैकेनिकल उपकरण और औषधीय गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई। पेड़ गिरने और भूस्खलन के कारण कई सड़कें बंद हो गई हैं। मेक्सिको के तूफान अलर्ट सिस्टम ने प्रशांत महासागर क्षेत्र में 27 सेंसरों को नुकसान पहुंचने की सूचना दी है। अधिकारियों के अनुसार, अकापुल्को अंतरराष्टीय हवाई अड्डे को भी नुकसान पहुंचा है। हालांकि, अब परिचालन फिर से शुरू कर दिया है।

यहूदी विरोध के खिलाफ खड़े होने वाले भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक सम्मानित, कही ये बात

वॉशिंगटन । अमेरिका में एक प्रभावशाली यहूदी समूह ने भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक डॉ. भरत बरई को यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ खड़े होने और भारत, अमेरिका और इजराइल के बीच संबंधों को मजबूत करने के उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया। बता दें कि डॉ. बरई भारत-इजराइल संबंध के बड़े समर्थक रहे हैं। यहूदी विरोधी भावना के खिलाफ खड़े होने के लिए डॉ बरई को कैम्पस चैंपियनशिप गाला सम्मान से सम्मानित किया गया। शिकागो में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में जब डॉ. बरई को सम्मानित किया गया तो यहूदी समुदाय के लोगों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। इस दौरान अपने संबोधन में डॉ. बरई ने कहा कि हम आपके, अपने यहूदी भाई-बहनों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू और यहूदी समुदाय के बीच सहयोगात्मक संबंधों से दोनों देशों को फायदा हुआ है। डॉ. बरई ने कहा कि वह सभ्य दुनिया के अधिकतर लोगों के साथ हमास के इस बर्बर हमले की निंदा करते हैं और यहूदी लोगों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हैं। इजराइल को अपनी रक्षा का पूरा अधिकार है। डॉ. बरई ने उम्मीद जताई कि इजराइल, हमास का समूल नाश कर देगा और पश्चिम एशिया के अधिकतर देश अब्राहम समझौते में शामिल होंगे।

उत्तर पूर्व भारत महोत्सव : मनमोहक लोक प्रस्तुतियों से सराबोर हुआ उत्सव, वियतनामी कलाकारों ने बांधा समा

वियतनाम । तीसरे उत्तर पूर्व भारत महोत्सव के तहत (नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल) आयोजित ग्रैंड फिनाले सांस्कृतिक विविधता के जीवंत उत्सव के रूप में सामने आया। कार्यक्रम में बगरुम्बा (बोरो), भोरताल (असम), ड्रम एन्सेम्बल और बांसुरी (मेघालय), तिवा नृत्य (असम), म्वासागलांगनाई (बोरो), बिहू नृत्य (असम), मिशिंग (असम) दाओसरी देलाई (बोरो), ड्रम बीटिंग (मेघालय), और जरापगला (बोरो) का समेत उत्तर पूर्वी नृत्य रूपों का कई रूपों में प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा वियतनामी कलाकारों की मनमोहक लोक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को अनूठा बना दिया। यह 3 दिवसीय उत्सव 27 अक्तूबर को वियतनाम के हो ची मिन्ह सिटी में शुरू हुआ था और शानदार सफलता के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के जरिये भारत और वियतनाम के प्रतिष्ठित लोगों ने शिक्षा, व्यापार और सांस्कृतिक जागरूकता पर रचनात्मक संवाद में भाग लिया।

भारतीय जवानों के सम्मान में बनाया जा रहा स्मारक

1971 के मुक्ति युद्ध में शहीद सैनिकों को समर्पित

ढाका ।
भारत-पाकिस्तान 1971 युद्ध में प्राण न्यौछावर करने वाले भारतीय सैनिकों के सम्मान में बांग्लादेश स्मारक बना रहा है। जिसको लेकर सोशल मीडिया और विशेषज्ञों की तमाम प्रतिक्रियाएं सामने आई है। स्मारक का डिजाइन दोनों देशों के बीच स्थायी मित्रता का प्रतीक है। बता दें स्मारक के डिजाइन में कई मूल विषयों को समाहित किया गया है। आईये समझते है कि बांग्लादेश में बनाए जा रहे स्मारक में क्या है खास

मैत्रीय संबंध का प्रतीक सैन्य स्मारक

बांग्लादेश भारतीय सैनिकों को समर्पित अपने पहले युद्ध स्मारक की तैयारी में जुट चुका है। यह स्मारकीय भाव भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति गहरा आभार व्यक्त करता है, जिनके अटूट प्रयासों ने 1971 में बांग्लादेश की मुक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस युद्ध स्मारक की आधारशिला मार्च 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना द्वारा रखी गई थी। भारत-बांग्लादेश सीमा के पास आशूगंज में चार एकड़ के विशाल विस्तार पर स्थित स्मारक स्थल ऐतिहासिक महत्व रखता है। यह स्थान युद्ध के दौरान कई किस्सों को संजोए हुए हैं। 1,600 से अधिक शहीद भारतीय सैनिकों के नाम स्मारक की दीवारों पर उकेरे जाएंगे।

स्मारक का डिजाइन मित्रता का प्रतीक

स्मारक का डिजाइन दोनों देशों के बीच स्थायी मित्रता का प्रतीक है। इसमें दोस्ती के मूल विषय का प्रतिनिधित्व करने वाली एक संरचना है, जो पसली पिंजरे की सुरक्षात्मक भूमिका, दिल और आत्मा की सुरक्षा का प्रतीक है। इस अवधारणा में उड़ने वाले कबूतरों को भी शामिल किया गया है, जो इन बहादुर सैनिकों के बलिदान के माध्यम से प्राप्त शांति का प्रतीक है। स्मारक को धरातल पर बनाने के लिए कई अन्य प्रमुख ने सहयोग है जिनमें स्मारक के प्रमुख डिजाइनर आसिफुर रहमान भुइयां, बांग्लादेश के लिबरेशन युद्ध मामलों के मंत्री एकेएम मोजम्मेल हक, 1971 के युद्ध के दौरान स्वतंत्रता सेनानी और मुक्ति युद्ध मंत्रालय के सचिव इशरत जहां शामिल हैं।

सैन्य स्मारक में क्या-क्या खास

स्मारक परिसर में एक मैदान भी शामिल है। जिन्हें आगंतुको को एक शांत और जानकारी पूर्ण अनुभव देने के लिए डिजाइन किया है। शहीदों के सम्मान में ध्वजारोहण समारोह, एक संग्रहालय, एक किताबों की दुकान, एक बच्चों का पार्क और जनता की सुविधा के लिए एक फूड कोर्ट शामिल है। इस स्मारक की अवधारणा लेफ्टिनेंट कर्नल जहीर द्वारा दी गई थी। जिन्होंने बांग्लादेशी प्रधानमंत्री को यह विचार प्रस्तावित किया, जिसमें बांग्लादेश की मुक्ति के लिए अंतिम बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों के सम्मान के महत्व पर जोर दिया गया।

1971 का युद्ध बांग्लादेश, जिसे उस समय पूर्वी पाकिस्तान के नाम से जाना जाता था, में सत्तारूढ़ सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के जवाब में शुरू किया गया था। स्थिति तब बिगड़ गई जब पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन सर्चलाइट शुरू किया और नरसंहार के कृत्यों को अंजाम दिया। बढ़ती हिंसा के सामने भारत ने बांग्लादेश के लोगों के समर्थन में तीन दिसंबर 1971 को संघर्ष में प्रवेश किया। युद्ध 16 दिसंबर 1971 में खत्म हुआ। जिसमें पाकिस्तानी सेना का आत्मसमर्पण और बांग्लादेश की सफल मुक्ति शामिल थी। भारत में इस जीत को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो न केवल सैनिकों के बलिदान को दर्शाता है, बल्कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच गहरे साझा इतिहास और दोस्ती को भी उल्लेखित करता है।

जी-7 देशों ने आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने का लिया संकल्प, अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का है वादा

टोक्यो ।
जी-7 सदस्य देशों के व्यापार एवं आर्थिक मामलों के अधिकारियों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद ऊर्जा व खाद्य जैसी जरूरी चीजों की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। संयुक्त बयान में अधिकारियों ने कहा, सदस्य देशों ने अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, उसे सुरक्षा प्रदान करने तथा कानूनी नियमों के आधार पर मुक्त व निष्पक्ष व्यापार प्रणाली बनाए रखने का वादा किया। जापान के पश्चिमी शहर ओसाका में दो दिवसीय सम्मेलन की सहमेजबानी करने वाली विदेश मंत्री योको कामीकावा ने रूस-यूक्रेन तथा इजराइल-हमास युद्ध को ऊर्जा व खाद्य आपूर्ति के लिए नया खतरा बताया। बैठक के बाद लोकतंत्र, समावेश व मानवाधिकार पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, हम सदस्य राष्ट्र बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच जिम्मेदारियों के महत्वपूर्ण मूल्यों को साझा करते हैं। जरूरी खनिज आपूर्ति को लेकर बढ़ रहीं चिंताएं विकसित राष्ट्रों के बीच कंप्यूटर चिप के साथ-साथ लिथियम जैसे जरूरी खनिज की आपूर्ति बरकरार रखने को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। इन दिनों विद्युत वाहनों व हरित ऊर्जा के लिए ये चीजें बहुत जरूरी हो गई हैं। जी-7 देशों में अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और ब्रिटेन हैं। बैठक में यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, चिली, भारत, इंडोनेशिया व केन्या को भी आमंत्रित किया गया था। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विश्व व्यापार संगठन में सुधार पर दिया जोर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई के साथ बैठक में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने 13वें मंत्री स्तरीय सम्मेलन की महत्ता व अगले द्विपक्षीय व्यापार नीति मंच (टीपीएफ) की बैठक की तारीख तय करने पर चर्चा की। दोनों नेताओं की मुलाकात जी-7 के व्यापार मंत्रियों की बैठक से पहले शनिवार को जापान के ओसाका में हुई। अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की तरफ से जारी एक बयान के अनुसार, ताई ने इस मंत्री स्तरीय बैठक के दौरान प्रमुख विषयों पर सार्थक प्रगति को आगे बढ़ाने में मदद संबंधी अमेरिका की इच्छा व्यक्त की। इसमें सभी की जरूरतों को पूरा करने के लिए डब्ल्यूटीओ में सुधार भी शामिल है। ताई ने हिंद-प्रशांत अर्थिक रूपरेखा बातचीत पर नवीनतम जानकारी साझा की और आगामी हफ्ते में सार्थक परिणाम देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

अमेरिका और यूके में दिवाली उत्सव शुरू, पीएम मोदी ने दी बधाई, वसुधैव कुटुंबकम का दिया उदाहरण

न्यूयॉर्क ।
यूएसए में न्यूयॉर्क शहर के टाइम्स स्क्वायर में दिवाली उत्सव शुरू हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टाइम्स स्क्वायर पर दिवाली मना रहे सभी न्यूयॉर्कवासियों को एक विशेष संदेश भेजा। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे वसुधैव कुटुंबकम का बेहतरीन उदाहरण बताया। यहां पर दिवाली आयोजन की परंपरा 2013 से चली रही है। पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा, दिवाली के हर्षोल्लासपूर्ण एवं शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। टाइम्स स्क्वायर पर इस साल के दिवाली समारोह की थीम यूनाइटेड कलर्स ऑफ अमेरिका वसुधैव कुटुंबकम की भावना की एक और अभिव्यक्ति है। दिवाली जैसे उत्सव देश, धर्म, जाति, पंथ या रंग की बाधाओं से परे हैं। यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत और अज्ञानता पर ज्ञान की रोशनी के प्रतीक के रूप में व्यापक रूप से मनाया जाता है।

यूके में भी दिवाली उत्सव का आयोजन

इधर, लंदन के मेयर ने ट्राफलगर स्क्वायर में वार्षिक दिवाली उत्सव का आयोजन किया। इस निःशुल्क सार्वजनिक कार्यक्रम में भारत के विभिन्न हिस्सों से भारतीय पारंपरिक नृत्य,

संगीत, गतिविधियां और भोजन शामिल थे जो त्योहार की भावना को दर्शाते हैं। इस दौरान कुछ स्थानीय लोग भी इस उत्सव में शामिल हुए, जिनमें से एक महिला ने बताया, मैं यहां पहली बार आयी हूं। मैंने इस दिवाली उत्सव का भरपूर आनंद लिया, मुझे नृत्य करना पसंद है और मैं अपने दोस्त के साथ आयी थी और हमने हर समय नृत्य किया। यह (दिवाली) रोशनी का त्योहार है। यहां का माहौल अद्भुत है और लोग बहुत मिलनसार हैं।

परदेस में रहकर दिवाली का अनुभव

वहीं भारतीय मूल के जो लोग इस उत्सव में शामिल थे उनमें से एक लड़की कहती है, यह पहली बार है जब मैं भारत के बाहर दिवाली का अनुभव कर रही हूं, यहां घर से दूर एक घर जैसा महसूस हो रहा है।

बंधकों के सहारे क्या है हमास का खेल, इजराइल के रक्षा मंत्री ने किया पूरी साजिश का खुलासा

यरुशलम ।
इजराइल और हमास के बीच संघर्ष को तीन हफ्तों से ज्यादा हो चुके हैं। इस बीच हमास ने अब तक इजराइल से बंधक बनाकर गाजा में रखे गए लोगों को रिहा नहीं किया है। कतर की मध्यस्थता की बदौलत हमास ने अब तक सिर्फ चार बंधकों को ही छोड़ा है। वहीं, आगे बंधकों को छोड़ने के लिए इजराइल के आगे कई शर्तें रख दी हैं। इस बीच इजराइल के रक्षा मंत्री योआव गैलांट ने आरोप लगाया है कि हमास बंधकों के जरिए मनोवैज्ञानिक खेल खेलने की कोशिश कर रहा है।

क्या बोले इजराइली रक्षा मंत्री

गैलांट की ओर से इजराइली बंधकों के परिजनों के लिए जारी बयान में कहा गया, हमास की तरफ से जो कहानियां सामने आ रही हैं, वह उनका मनोवैज्ञानिक खेल है। वह उन सबका इस्तेमाल कर रहा है, जो हमारे करीबी हैं। वे दर्द को और दबाव को अच्छी तरह जानते हैं।

बंधकों की रिहाई के लिए हमास ने रखी है शर्त

गौरतलब है कि हमास ने शनिवार को ही बंधकों की रिहाई के लिए अपनी मांग आगे रखी थी। गाजा में हमास के नेता याह्या सिनवर ने कहा था कि हमास

इजराइली जेलों में बंद फलस्तीनी कैदियों के बदले इजराइल के साथ तुरंत बंधकों की अदला-बदली के लिए तैयार है।

नेतन्याहू सरकार के खिलाफ बंधकों के परिजन कर चुके हैं प्रदर्शन

गाजा में बंधक बनाए गए लोगों के परिजनों ने शनिवार को तेल अवीव में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने हाथों में तख्तियां भी ले रखी थी, जिसमें बंधकों की तस्वीर थी और लिखा था- उन्हें अभी घर लाओ। विरोध प्रदर्शन के बाद नेतन्याहू ने टीवी पर भाषण दिया। उन्होंने कहा कि सरकार बंधकों की घर वापसी के लिए प्रतिबद्ध है। वे बंदियों को घर लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। नेतन्याहू ने कहा कि इजराइली अधिकारी बंधकों की घर वापसी के लिए हर विकल्प अपनाएंगे। नेतन्याहू ने बताया था कि इजराइली सेना ने गाजा में जमीनी हमले शुरू कर दिए हैं।

पश्चिम एशिया में क्यों अहम बन गया है छोटा सा देश कतर इजराइल-हमास युद्ध से उठे बड़े सवाल

दोहा ।
बीती 7 अक्तूबर को इजराइल पर हमास के बर्बर हमले के बाद से पूरी दुनिया बंटी हुई नजर आ रही है। ऐसे तनावपूर्ण माहौल में पश्चिम एशिया का छोटा सा देश कतर काफी अहम हो गया है। दरअसल कतर ही है जो इजराइल और हमास के बीच बातचीत करा सकता है और मौजूदा संकट का हल निकाल सकता है। इजराइल पर हमास के हमले के बाद से ही कतर का नेतृत्व हमास और इजराइल के संपर्क में है। पश्चिम एशिया की राजनीति को जानने वाले विशेषज्ञ बताते हैं कि कतर बीते कई सालों से अपनी सॉफ्ट पावर बढ़ाकर खुद को पश्चिम एशिया में अपरिहार्य बनाने में जुटा है। अब इजराइल और हमास के बीच छिड़ी लड़ाई वह मौका है, जिसमें कतर सुलह कराकर दुनिया के बड़े देशों को यह दिखाना चाहता है कि जितनी उसे उनकी जरूरत है, उतना ही ताकतवर देशों के लिए भी कतर जरूरी है।

कतर के इजराइल और हमास दोनों से अच्छे संबंध

कतर के साल 1996 से ही इजराइल के साथ व्यापारिक संबंध हैं और यह शुरुआती अरब देशों में शामिल है, जिसके इजराइल के साथ संबंध रहे हैं। साथ ही कतर का हमास को भी पूरा समर्थन है और हमास के कई शीर्ष नेता कतर में ही रहते हैं और वहां से खुलेआम हमास का संचालन करते हैं। तालिबान के साथ भी कतर के अच्छे रिश्ते हैं और जब तालिबानी नेता निर्वासन में जी रहे थे, तब कई तालिबानी नेता कतर में ही रह रहे थे।

इजराइल और हमास के बीच संघर्ष को बढ़ने से रोकने का दारोमदार भी कतर पर

कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी की एक विशेषज्ञों की टीम है। यही टीम विभिन्न देशों के बीच मध्यस्थता करती है। इजराइल और हमास के बीच भी पिछले पांच सालों से यही टीम मध्यस्थता की कोशिश कर रही है। अब हमास के कब्जे से अगवा इजराइली नागरिकों को छुड़ाने की जिम्मेदारी भी कतर पर आ गई है। यही वजह है कि कतर द्वारा लगातार इस दिशा में कोशिश की जा रही है। कतर के प्रयासों से हमास के आतंकियों द्वारा अगवा किए गए लोगों में से चार को छोड़ भी दिया गया है। बीते दिनों जब दो अमेरिकी बंधकों को हमास के आतंकियों ने छोड़ा तो अमेरिका की सरकार ने कतर का विशेष तौर पर धन्यवाद दिया था। यही वजह है कि भू-राजनीति के जानकारों का मानना है कि इजराइल और हमास के बीच का संघर्ष ना बढ़े, इसके लिए भी कतर की भूमिका बेहद अहम रहेगी।

लड़ाई बढ़ी तो पूरी दुनिया पर होगा असर

कतर के सऊदी अरब से भी कुछ समय पहले तक संबंध खराब थे क्योंकि सऊदी अरब ने कतर पर कट्टरपंथी संगठनों को बढ़ावा देने और ईरान से करीबी संबंधों को चलते कतर पर प्रतिबंध लगा दिए थे। हालांकि कतर ने सऊदी अरब के आरोपों को खारिज कर दिया। तीन साल बाद सऊदी अरब ने बीते दिनों ही कतर से प्रतिबंध खत्म किए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में भी कतर की भूमिका अहम है। अगर अमेरिका और ईरान के रिश्ते बिगड़ते हैं तो इसका सबसे ज्यादा असर भी कतर पर ही पड़ सकता है क्योंकि उस स्थिति में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद हो सकता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ही दुनिया के कुल तेल व्यापार का पांचवां हिस्सा, यहीं से गुजरता है। कतर का तेल और गैस भी पश्चिमी देशों को सप्लाई होता है और लड़ाई के बढ़ने की स्थिति में पूरी दुनिया पर इसका असर होगा।

अपनी सॉफ्ट पावर बढ़ाने में कई साल से जुटा कतर

महज 12 हजार वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल और करीब तीन लाख की मूल आबादी और कुल 29 लाख की आबादी के साथ कतर एक छोटा प्रायद्वीप देश है, जो सऊदी अरब और ईरान के बीच स्थित है। 475 अरब डॉलर के संप्रभु फंड, गैस और तेल के धनी देश कतर ने फुटबॉल वर्ल्ड कप का सफल आयोजन कर पूरी दुनिया में वाहवाही पाई थी। इसके अलावा कतर की सरकार बर्कले पीएलसी और वॉक्सवैगन एजी जैसी कंपनियों में निवेश के साथ ही पेरिस सेंट जर्मेन फुटबॉल क्लब की मालिक है। साथ ही इसके मीडिया हाउस अल जजीरा ने भी कतर का प्रभाव बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

महंगाई राहत के नाम पर कांग्रेस सरकार ने जनता से किया धोखा : केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा है कि राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने हर मोर्चे पर जनता के साथ धोखा किया है। राज्य सरकार के कुप्रबंधन के कारण राजस्थान महंगाई को लेकर देश में सबसे उपरी पायदान पर आ गया है। राजस्थान में महंगाई की दर पिछले एक साल से हर माह राष्ट्रीय औसत से अधिक बढ़ी है और प्रदेश सर्वाधिक महंगाई वाले राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि इसी वर्ष सितम्बर में देश में महंगाई दर जहां 5.02 प्रतिशत रही वहीं राजस्थान में यह महंगाई दर 6.53 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर रही है। कमजोर आर्थिक प्रबंधन के कारण खाद्य पदार्थ, पेट्रोल, डीजल की कीमतों को रोकने में राज्य सरकार पूरी तरह से विफल रही है। आज राजस्थान में पेट्रोल, डीजल पर सर्वाधिक वैट, सर्वाधिक मंडी टैक्स व सर्वाधिक महंगी बिजली के कारण जनता महंगाई की आग में झुलस रही है। मेघवाल ने कहा कि जनता को भ्रमित कर सत्ता में आई कांग्रेस सरकार ने हर मोर्चे पर विफलता ही साबित की है। अब जनता कांग्रेस नेताओं के इस झूठे रवैए को समझ चुकी है। कांग्रेस सरकार ने पिछले दिनों महंगाई राहत कैंप का जो छलावा प्रदेशवासियों के साथ किया उससे यह स्पष्ट हो गया कि इनकी नीतियों, आर्थिक व वित्तीय प्रबंधन के कारण प्रदेश में महंगाई बढ़ी है। इसी की स्वीकार्यता को छुपाने के लिए राहत कैंप का ढोंग किया गया था। राज्य सरकार ने महंगी बिजली से राहत देने के लिए 100 यूनिट बिजली फ्री का ढोंग करके उपभोक्ताओं से जमकर फ्यूल सरचार्ज वसूला। पिछले चार वर्षों में इसी फ्यूल सरचार्ज के रूप में 1.35 करोड़ उपभोक्ताओं से 4 हजार करोड़ की वसूली की जा चुकी है। केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल ने कहा कि महंगाई के साथ ही राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भ्रष्टाचार में भी नए कीर्तिमान स्थापित किए है। इस भ्रष्टाचारी कांग्रेस सरकार में एक तरफ मंत्रियों के घरों और सरकारी कार्यालय के बेसमेंट से करोड़ों रुपए मिल रहे हैं वहीं इनके पास रेजिडेंट डॉक्टर व अन्य सरकारी कर्मचारियों को देने के लिए वेतन भी नहीं है। गणपति प्लाजा में भी गत दिनों जांच एजेंसियों ने लॉकर से कई किलो सोना व करोड़ों की नकदी बरामद की, इसी प्रकार लाल डायरी के काले कारनामों को सारा प्रदेश अब समझ गया है कि पूरी कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार को आवरण में लिपटी हुई है। मेघवाल ने कहा कि इंडियन स्टेट्स एंड इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार भ्रष्टाचार के मामलों में राजस्थान नंबर एक पर रहा है। इसके अनुसार 78 प्रतिशत लोगों का मानना है कि भ्रष्टाचार या घूसखोरी के बगैर कार्य करवाना असंभव सा हो गया है। एंटीकरप्शन ब्यूरो के अनुसार राजस्थान में वर्ष 2022 में 511 और 2023 में 281 भ्रष्टाचार की एफआईआर दर्ज हुई। राजस्थान में बेरोजगारी की दर 28.03 प्रतिशत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि देश में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने 2004 में करीब 8 प्रतिशत विकास दर और बहुत कम महंगाई दर वाला भारत कांग्रेस को सौंपा था, 2014 में इन्होंने करीब 5 प्रतिशत की विकास दर और 10 प्रतिशत की औसत महंगाई वाला भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपा था। लूट, झूठ व भ्रष्टाचार को बढ़ावा देकर जनता को महंगाई व कुशासन से त्रस्त करना कांग्रेस के रवैए में है। मेघवाल ने कहा कि अगर वैश्विक परिदृश्य को देखा जाए तो आज अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी जैसे विकसित देशों में महंगाई की दर भारत से अधिक है। वर्तमान की ग्लोबल जियो पालिटिकल टेंशन, सप्लाई चेन डिसरप्शन व अन्य चुनौतियों के बावजूद भी देश में स्ट्रांग फंडामेंटल व सुदृढ़ वित्त प्रबंधन के चलते बैंक क्रेडिट में बढ़ोतरी हुई है। कंस्ट्रकशन सेक्टर में एक्टिविटी बढ़ी है, प्राइवेट सेक्टर का कैपिटल फॉरमेशन भी बढ़ा है। इन्हीं नीतियों का परिणाम है कि देश विश्व की तीसरी बड़ी इकोनामी बनने की ओर तेज गति से अग्रसर है।

विश्व स्ट्रोक दिवस पर निकाली एंबुलेंस रैली

जयपुर (हिंस)। मणिपाल हॉस्पिटल जयपुर के तत्वावधान में विश्व स्ट्रोक दिवस के अवसर पर एक एंबुलेंस स्ट्रोक अवेयरनेस रैली का आयोजन किया गया। रैली को हॉस्पिटल परिसर से हॉस्पिटल डायरेक्टर रंजन ठाकुर, न्यूरो फिजिशियन डॉ. श्रवण चौधरी, न्यूरोसर्जन डॉ. शंकर बंसनदानी व डॉ. गौरव कूलवाल, डॉ. रवि प्रकाश एचओडी इमरजेंसी, डॉ. वैभव वैष्णव, एचओडी क्रिटिकल केयर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डायरेक्टर मणिपाल हॉस्पिटल जयपुर रंजन ठाकुर ने बताया की रैली में पचास एंबुलेंस की गाड़ियों ने भाग लिया। जिसमे प्रत्येक एंबुलेंस का स्टाफ उपस्थित रहा। क्योंकि आपातकालीन स्थिति में यह लोग सर्वप्रथम मरीज के संपर्क में आते है। इनका उपचार में बहुत बडा योगदान है इनका ट्रेंड होना अति आवश्यक है। डॉक्टर्स की टीम ने उपस्थित लोगों को स्ट्रोक इमरजेंसी के उपचार के बारे में बताया व एंबुलेंस कर्मियों को कहा की इस समय सही जानकारी ही मरीज का जीवन बचा सकती है। रैली मणिपाल हॉस्पिटल से प्रारंभ होकर रामबाग सर्किल तक गई व वापस मणिपाल हॉस्पिटल आकर समाप्त हुई। मार्ग में सभी लोगों को स्ट्रोक जागरूकता के पोस्टर बांटे गये।

अमृतसर में मिले पाकिस्तान के क्षतिग्रस्त ड्रोन से बीएसएफ ने 14 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस और बीएसएफ के सीमावर्ती क्षेत्र में शुरू किए गए संयुक्त अभियान के दौरान पाकिस्तान के क्षतिग्रस्त ड्रोन से करीब 14 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की है। अधिकारियों का कहना है कि ड्रोन कनेक्शन टूटने के कारण गिरकर क्षतिग्रस्त हो गया। बीएसएफ के मुताबिक यह अभियान अमृतसर के सरहदी गांव भैणी में शुरू किया गया था। यह सूचना मिली थी कि इलाके में एक ड्रोन की हलचल दिखी है। इसके बाद इलाके को सील कर अभियान शुरू किया गया। इस दौरान रविवार देर शाम खेतों में क्षतिग्रस्त ड्रोन और एक पीला पैकेट मिला। यह ड्रोन (क्वार्डकॉप्टर डीजेआई मॉविक-3 क्लासिक) चीन निर्मित है। इसके साथ पीला पैकेट बंधा हुआ था। इसमें हेरोइन थी। हेरोइन का वजन 2.146 किलोग्राम है। इसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 14 करोड़ रुपए से अधिक है। इसी तरह तरनतारन के खेमकरण में भी बीएसएफ व पुलिस को एक जला हुआ पैकेट मिला है। इसमें 2.9 किलोग्राम हेरोइन और 4 राउंड 0.30 बोर के बरामद किए गए हैं। बीएसएफ ने ड्रोन व हेरोइन को जांच के लिए एफएसएल के पास भेज दिया है।

नायब सैनी के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस व आआपा में बौखलाहट : कैप्टन भूपेन्द्र

हिसार (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र ने कहा है कि कुरुक्षेत्र के सांसद नायब सैनी के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस व आम आदमी पार्टी में बौखलाहट है। इसी बौखलाहट में ये पार्टियां उल-जुलूल बयानबाजी कर रही है। कैप्टन भूपेंद्र ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने मेहनती व हर वर्ग में पैठ रखने वाले कुरुक्षेत्र के सांसद नायब सैनी को अध्यक्ष बनाकर हर मेहनतकश कार्यकर्ता का सम्मान बढ़ाया है। प्रदेश अध्यक्ष पद पर उनकी नियुक्ति के साथ ही आम आदमी पार्टी व कांग्रेस में बौखलाहट का माहौल है। ये दोनों पार्टियां भाजपा द्वारा किए गए सांगठनिक फेरबदल बारे टिप्पणियां कर रही है। उन्होंने कहा कि यह केवल भारतीय जनता पार्टी में ही संभव है कि एक साधारण कार्यकर्ता भी जिला अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष से राष्ट्रीय अध्यक्ष तक बन सकता है जबकि दूसरी तरफ कांग्रेस व आम आदमी पार्टी में ऐसा दूर-दूर तक संभव नहीं है। भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेंद्र ने पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी से मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। जिला मीडिया प्रमुख राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि कुरुक्षेत्र के सांसद नायब सैनी के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद हर कार्यकर्ता में उत्साह का माहौल है। प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता केंद्र व हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मंत्रिमंडल में फेरबदल मुख्यमंत्री का अधिकार क्षेत्र : रणजीत चौटाला

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा बिजली व जेल मंत्री रणजीत सिंह चौटाला सोमवार को यमुनानगर पहुंचे। पत्रकारों से बातचीत में रणजीत सिंह चौटाला ने कहा कि चार साल से हरियाणा मंत्रिमंडल में फेरबदल की खबरें चल रही हैं। आज तक तो नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अगर कोई बदलाव होता है तो उसका संदेश राज भवन से आता है। यह मुख्यमंत्री का अधिकार क्षेत्र है। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा की हरियाणा में इनेलो का वोट बैंक जजपा ले गई। जजपा अब राजस्थान और हरियाणा में भी घूम रही है। इनेलो फिलहाल कहीं नहीं है। लेकिन चुनाव आने पर जनता तय करेगी किसके साथ कितने मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि यमुनानगर में स्थापित होने वाले 800 मेगावाट का प्रोजेक्ट की केंद्र से मंजूरी आ चुकी है। जल्द ही इसकी टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। फ्री बिजली के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि थर्मल से 5 में बिजली प्रति यूनिट मिलती है। किसानों को 10 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से दी जाती है। उन्होंने कहा कि अगर फ्री बिजली के मुद्दे पर पंजाब में आम आदमी पार्टी जीती है तो इसी दौरान गुजरात और हिमाचल में भी चुनाव हुए, वहा क्या हुआ नही जीती। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जेल देश की सभी जेलो में बेहतर हैं। बाकी जेल में कभी सुरंग बनाने कभी-कभी कोई असामाजिक कार्य होने की सूचना आती हैं। लेकिन हरियाणा में ऐसी बात नहीं है। केंद्र की लोकसभा की कमेटी ने सुशील मोदी के नेतृत्व में देश की सभी जेलों का दौरा किया था और हरियाणा की जेल को सबसे बेहतर बताया था।

जम्मू-कश्मीर में हो रही घटनाओं को हल्के में नहीं ले सकती पुलिस, हमें और सतर्क रहना होगा : डीजीपी

श्रीनगर (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने सोमवार को कहा कि पुलिस हो रही घटनाओं को हल्के में नहीं ले सकती। हमें और सतर्क रहना होगा, क्योंकि खतरे अभी भी बने हुए हैं। डीजीपी दिलबाग सिंह 31 अक्तूबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं और अब सीआईडी के विशेष डीजी आरआर स्वैन जम्मू-कश्मीर के डीजीपी होंगे। ऑपरेशन कैपेसिटी बिल्डिंग (ऑप कैप) के तहत 43 पुलिस स्टेशनों के लिए 160 अत्याधुनिक वाहनों को लांच करने के बाद डीजीपी सिंह श्रीनगर में संवाददाताओं से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रविवार को श्रीनगर के ईदगाह इलाके में क्रिकेट खेल रहे पुलिस इन्स्पेक्टर पर हमला किया गया। उसका इलाज किया जा रहा है और वह ठीक हो रहा है। डीजीपी ने कहा कि पुलिस किसी भी घटना को हल्के में नहीं ले सकती। उन्होंने कहा कि हमें सतर्क रहना होगा, क्योंकि खतरा बना हुआ है। यह पूछे जाने पर कि वह किस संदेश के साथ पुलिस बल छोड़ रहे हैं, इस पर डीजीपी ने कहा कि मैं पुलिस बल नहीं छोड़ रहा हूं। एक पुलिसकर्मी हमेशा एक पुलिसकर्मी होता है। मैं 30 वर्षों से बल के साथ हूं और मैं बल के साथ ही बना रहूंगा। नए वाहनों के बारे में उन्होंने कहा कि आज 160 आधुनिक वाहन लांच किए गए हैं और इन्हें ओपी कैप के तहत 43 पुलिस स्टेशनों में *पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में शून्य आतंक* के उद्देश्य से तैनात किया जाएगा। हाल की घुसपैठ की कोशिशों पर डीजीपी ने कहा कि सीमा ग्रिड मजबूत है, लेकिन पड़ोसी देश आतंकवादियों को घुसपैठ कराना जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि हाल ही में माछिल सेक्टर में पांच आतंकवादी मारे गए, जबकि कुपवाड़ा जिले की मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया, जहां ऑपरेशन जारी है। जम्मू में अरनिया सेक्टर में संघर्ष विराम उल्लंघन के बारे में उन्होंने कहा कि इस बात की पुष्टि की जा रही है कि गोलीबारी की घटना किस वजह से हुई। उन्होंने कहा कि संघर्ष विराम से सीमावर्ती निवासियों को काफी राहत मिली है और मुझे उम्मीद है कि यह जारी रहेगा। पड़ोसी देश में चुनाव होने के कारण घुसपैठ की अधिक कोशिशों की संभावना पर उन्होंने कहा कि पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां घटनाक्रम पर कड़ी नजर रखेंगी और किसी भी अतिरिक्त चुनौती से निपटने के लिए कदम उठाएंगी। उन्होंने कहा कि चुनाव हो या न हो, पड़ोसी देश आतंकियों को इस तरफ धकेलता रहता है। डीजीपी ने कहा कि सुरक्षा बल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हमेशा तैयार हैं।

अमृतसर हवाई अड्डे पर कस्टम ने पकड़ा 92 लाख रुपए कीमत का सोना

चंडीगढ़ (हिंस)। कस्टम विभाग ने बीते 24 घंटे में कार्रवाई करते हुए अमृतसर हवाई अड्डे से करीब 92 लाख रुपए का सोना पकड़ा है। यह सोना दुबई से आने वाले यात्रियों की जांच के दौरान पकड़ा गया है। अमृतसर के श्री गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार को दुबई से आई फ्लाइट में सवार यात्री से कस्टम विभाग ने 905.4 ग्राम सोने को जब्त किया था। सोमवार को अमृतसर एयरपोर्ट से कस्टम विभाग ने 593 ग्राम सोना पकड़ा। यह सोना भी दुबई की फ्लाइट से अमृतसर लाया गया था। कस्टम विभाग ने 29 अक्तूबर को 55.42 लाख रुपए का और सोमवार को कस्टम विभाग ने 36.5 लाख रुपए का सोना जब्त किया है।

पंजाब में सर्दी के मौसम को देखते हुए स्कूलों का समय बदला

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब सरकार ने एक नवंबर से राज्य के सभी सरकारी स्कूलों के समय में बदलाव कर दिया है। पंजाब सरकार ने सर्दी के मौसम को देखते हुए राज्य भर के स्कूलों के समय में बदलाव किया है। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि पंजाब में एक नवंबर से सभी सरकारी स्कूल में ये आदेश लागू होंगे और 28 फरवरी तक इन्हीं आदेशों का पालन किया जाएगा। आदेशों के अनुसार सभी प्राइमरी स्कूलों का नया समय सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगा। इसी तरह हाई और सीनियर स्कूलों का समय सुबह 9 से दोपहर 3.20 तक होगा।

हरियाणा में बनाई जाएगी एयर स्पोर्ट्स पॉलिसी : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़(हिंस)। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बताया कि प्रदेश में एयर स्पोर्ट्स पॉलिसी बनाई जाएगी, जिससे राज्य में स्पोर्ट्स टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला सोमवार को चंडीगढ़ में नागरिक एवं उड्डयन विभाग के विभिन्न प्रोजेक्ट्स की समीक्षा कर रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की देश की पहली *नेशनल एयर स्पोर्ट्स पॉलिसी* का अध्ययन करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ऐसी एयर स्पोर्ट्स पॉलिसी बनाएगी, जिसमें प्रतिभागियों को अधिक से अधिक आकर्षित किया जा सके। इससे प्रदेश के राजस्व में बढ़ोतरी होगी। दुष्यंत चौटाला कहा कि आज इस बात की जरूरत है कि देश में एयर स्पोर्ट्स कल्चर को बेहतर समर्थन मिले। हवा के माध्यम में होने वाले खेलों यानी एयर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में विश्व के टॉप देशों में आने की क्षमता भारत में मौजूद है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में एयर स्पोर्ट्स पॉलिसी लागू होने के बाद स्पोर्ट्स टूरिज्म का भी विकास होगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। चौटाला ने कहा कि हरियाणा भी भौगोलिक क्षेत्र और अलग-अलग क्षेत्रों में साफ मौसम की स्थितियां एयर स्पोर्ट्स के लिए उपयुक्त है। एयर स्पोर्ट्स एक्टिविटी से प्रदेश सरकार को न सिर्फ सीधा रेवेन्यू आएगा बल्कि ट्रैवेल ग्रोथ, टूरिज़्म, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्थानीय रोजगार में भी वृद्धि होगी। हमारी कोशिश रहेगी कि अन्य खेलों की तरह हरियाणा राज्य एयर स्पोर्ट्स हब बने। उपमुख्यमंत्री चौटाला ने करनाल तथा भिवानी में एफटीओ बनाने, हिसार एयरपोर्ट पर खाली हंगेरों का सदुपयोग करने, टर्मिनल का टेंडर करने बारे तथा 10 मेगावॉट का सोलर पॉवर प्लांट लगाने बारे भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा -निर्देश दिए। बैठक में नागरिक उड्डयन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू और उपमुख्यमंत्री के ओएसडी कमलेश भादू समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

No. SLRC-G-IV/Assam/Advertisement for Analogous Posts-IV/2023-24/01/14

ADVERTISEMENT

In exercise of powers conferred by The Assam Direct Recruitment Commission for Analogous Posts in Class-lll and Class-IV Act, 2021 and the Assam Direct Recruitment for Class-lll and Class-IV Analogous Posts Rules 2022, online applications are invited from intending eligible applicants, who are citizens of India having registration number in the employment exchange of the State of Assam, for filling up 5000 tentative vacant posts of Class-IV under different departments / establishments in Government of Assam in Pay Bands and Grade Pay as per ROP, 2017 along-with other allowances as admissible.

2. Educational Qualification and vacancy for Class-lV Posts

Sl. No.	Minimum Qualification	Tentative Vacancies	Maximum Qualification
1	HSLC (Class Ten) or equivalent examination passed	1060	HSSLC (Class-12) or equivalent examination passed
2	HSLC (Class Ten) or equivalent examination passed along with ITI pass certificate in the trade of wireman/electrician/fitter/ welder/ machinist/Electronics | Mechanic from Govt. of Assam approved Institute.	1990	
3	Read up to Class-VIII	1950	

The maximum eligibility qualification for all Class-lV posts shall be HSSLC (Class-12) or equivalent examination passed and those who have educational qualification higher than this maximum eligibility educational qualification on the date of application shall not be eligible to apply for any of the posts or category of posts mentioned above.

3. The present number of vacancies are tentative and details of the vacancies including Pay band and Grade Pay will be published at least one week ahead of conduct of examination along with information on open and reserved positions, strictly as per prevailing Government Laws/ rules / norms.

4. Age : The applicant shall not be less than 18 years or more than 40 years of age as on 01-01-2023. The upper age limit is relaxable only as stipulated below:

a) 5 years for SC/ST candidates.
b) 3 years for OBC/MOBC candidates.
c) 2 years for Ex-Servicemen.
d) 10 years for Persons with Disabilities candidates.

The age limit of the candidates will be calculated on the basis of the School/Matriculation/HSLC Admit Card/Certificate issued by a recognized Board/Council/Schools / or other Government document, as applicable and notified.

5. Documents to be uploaded:

i) Recent Passport Size Photograph.
ii) Scanned signature of the Candidate.

6. Application Fee :

a. There will be no application fee for all the categories of candidates.
b. Candidates are not required to pay any application fee for submission of their online applications.

7. Application submission procedure:

i. Candidates are required to apply in prescribed form through www.assam.gov.in or www.sebaonline.org only.
ii. Application shall be received only in online mode from **10th November 2023** till **29th December 2023.**
iii. Instructions for filling up prescribed application form will be available in the official website — www.sebaonline.org.
iv. Candidates must fill up all the fields in the online application which are marked mandatory.
v. Candidates should be cautious while submitting the application form. Once the online application is submitted, there will be no scope for editing / correction / resubmission.
vi. After submitting the application form, the candidate will get a unique number against their application; this unique number shall be used for all future references.
vii. The Commission will not be responsible for any lapse in submission of online application due to technical problems or otherwise.
viii. The Admit Card for attending the examination will be available for download from the website www.sebaonline.org.
ix. The date for the same shall be notified and published for information of all.

8. Selection Procedure:

i. There shall be two parts of selection process — Written test and Interview.
ii. The scheme of examination shall be strictly as per the "Assam Direct Recruitment for Class-lll and Class-lV Analogous Posts Rules, 2022" as amended from time to time. Further, this scheme will be published at least one week before the conduct of written test.
iii. The selected candidate will have to bring all the original testimonials i.e. Certificate of proof of age, Caste Certificate (in case of reserved category candidates), Educational Qualification Certificates, Disability Certificate (in case of PWBD candidates) and Declaration in Form — "A" under Rule 5(1) of the Assam Public Services (Application of Small Family Norms in Direct Recruitment), Rules, 2019 for verification at the time to be notified later on, amongst others. An undertaking with regard to fulfillment of all eligibility criteria has to be uploaded in the portal. The Discharge certificate will be required in case of Ex-serviceman.

9. Other Conditions:

i. Those candidates who are already in Government service should produce NOC (No Objection Certificate) from the respective HoDs (Head of Departments) at the time of the interview.
ii. Canvassing directly or indirectly shall disqualify a candidate.
iii. No TA-DA will be admissible for attending the written test / interview.
iv. The preparation of merit list and the appointment shall be made strictly in adherence to the relevant provisions of the "Assam Direct Recruitment for Class-lll and Class-IV Analogous Posts Rules, 2022".
v. In case of contradiction between averments in this advertisement and The Assam Direct Recruitment Commission for Analogous Posts in Class-lll and Class-IV Act, 2021 and the Assam Direct Recruitment for Class-lll and Class-IV Analogous Posts Rules, 2022, the later shall prevail over.
vi. The Commission reserves the right to cancel / amend the entire / part of the process of recruitment at any time, without assigning any reason thereof. However, communication to the effect shall be made, in public domain/ related website regarding the same.

Sd/-
Secretary,
State Level Recruitment Commission for Class-IV Posts,
Assam Administrative Staff College, Jawahar Nagar,
Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/12585/23

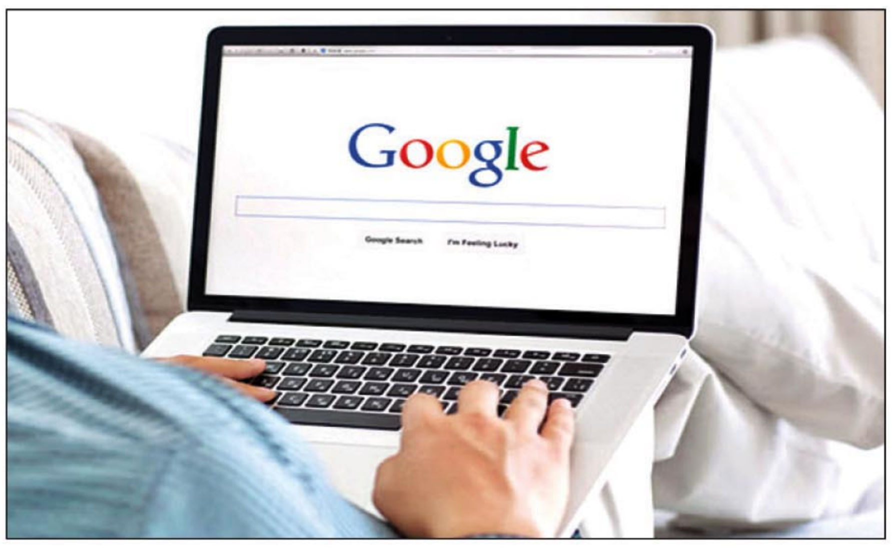

गूगल ने एकाधिकार के लिए खर्च किए 2630 करोड़ डॉलर मोबाइल बनाने वाली व टेलीकॉम कंपनियों को दिया पैसा

नई दिल्ली ।
गूगल ने मोबाइल फोन व अन्य उपकरणों में अपने सर्च इंजन को पहले से इंस्टॉल करवाने के लिए स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों और टेलीकॉम कंपनियों को साल 2021 में 2,630 करोड़ डॉलर दिए। ऐसा करके उसने इंटरनेट सर्च इंजन के क्षेत्र में अपना एकाधिकार बनाए रखा। अमेरिकी न्याय विभाग और कई राज्यों की ओर से गूगल के खिलाफ प्रतिस्पर्धा को खत्म करने के लिए अनुचित तौर-तरीके अपनाने और अपना एकाधिकार कायम करने के आरोपों के साथ दायर मुकदमे में यह जानकारी सामने आई है। इनके जरिये सार्वजनिक किए गूगल सर्च प्लस मार्जिन नामक दस्तावेज में यह सामने आया है। आरोप है कि गूगल ने एपल सफारी, डकडकगो जैसे प्रतिद्वंदियों को सर्च इंजन के क्षेत्र में स्थापित होने से रोकने के लिए यह पैसा दिया।

इन कंपनियों को दिया गया पैसा

अभी सामने नहीं आया कि हर कंपनी को गूगल ने कितना पैसा चुकाया। हालांकि, अनुमान हैं कि सबसे ज्यादा पैसा आईफोन व अन्य उपकरण बनाने वाली कंपनी एपल को मिला। पूर्व में अनुमान था कि अकेले एपल को 1,900 करोड़ मिले। बाकी पैसा पाने वाली कंपनियों में मोटोरोला, एलजी, सैमसंग और अमेरिकी टेलीकॉम कंपनियां जैसे एटी एंड टी, टी-मोबाइल, वेरिजोन और वेब ब्राउजर बनाने वाली कंपनियां जैसे मोजीला, ओपेरा, यूसीवेब शामिल हैं।

वर्ष 2021 में 12.17 लाख करोड़ रुपये कमाए

सर्च प्लस मार्जिन दस्तावेज के अनुसार, गूगल ने इंटरनेट सर्च कारोबार से 2021 में 14,600 करोड़ डॉलर कमाए। रुपये में यह राशि करीब 12.17 लाख करोड़ है। इसमें से 2,630 करोड़ डॉलर यानी करीब 2.20 लाख करोड़ रुपये का भुगतान उसने कंपनियों को किया। खास बात है कि उसने इस राशि ट्रैफिक अधिग्रहण लागत (टीएसी) के रूप में खर्च दिखाई। यह भी सामने आया कि उसने 2014 में सर्च कारोबार से 4,700 करोड़ डॉलर कमाए थे, यानी 7 साल में कमाई तीन गुना बढ़ी। वहीं, 2014 में ही टीएसी 710 करोड़ डॉलर थी, इसमें करीब चार गुना इजाफा हुआ।

न्यूज ब्रीफ

तस्करी नेटवर्क चलाने वाले लोगों को पकड़ने के लिए अंतर-सरकारी सहयोग जरूरी, वित्त मंत्री ने ये कहा

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तस्करी नेटवर्क चलाने वाले लोगों (मास्टरमाइंड) पर नकेल कसने और अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए अंतर-सरकारी सहयोग का आह्वान किया है। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) की ओर से आयोजित प्रवर्तन मामलों में सहयोग पर वैश्विक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि सीमा शुल्क अधिकारियों को अवैध व्यापार के नेटवर्क पर अंकुश लगाने के लिए आपस में जानकारी साझा करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करनी चाहिए कि उनके द्वारा साझा की गई जानकारी 'कार्रवाई योग्य' हो। वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले 50-60 साल में तस्करी या अवैध तरीके से वस्तुओं के व्यापार की प्रकृति में बदलाव नहीं आया है। अब भी बहुमूल्य धातु, नशीले पदार्थ, जंगल या समुद्री से निकले कीमती भंडार की ही तस्करी होती है। उन्होंने कहा, ''ऐसे में मोटे तौर पर तस्करी वाली वस्तुएं कमोबेश पहले की तरह ही हैं। कोई ऐसा नया क्षेत्र नहीं है जिनपर सीमा शुल्क अधिकारियों को हैरानी हो। यदि यह काफी पहले से चल रहा है, तो अब हमें इस बारे में काफी जानकारी हो जानी चाहिए इसके पीछे कौन ताकतें हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं विश्व सीमा शुल्क संगठन (डब्ल्यूसीओ) के साथ अंतर-सरकारी सहयोग पर काफी जोर देती हूं। इससे हम स्थानीय अधिकारियों तथा सरकारों की मदद से तस्करी के पीछे मुख्य साजिशकर्ता या मास्टरमाइंड तक पहुंच सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि वस्तुओं के अवैध व्यापार पर अंकुश के प्रयासों की पुष्टि इस तथ्य से होती है कि सीमा शुल्क अधिकारी सतर्क हैं। आपने तस्करी का कुछ सामान रोका है। और जो सामान आपने पकड़ा है, चाहे वह वैध ही क्यों नहीं है, उसे आप पूरी तरह नष्ट कर देते हैं। यह आपके समर्पण को दर्शाता है। सीतारमण ने कहा, ''सभी सरकारों के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि तस्करी की उन गतिविधियों को कैसे रोका जाए, जो हमारी जंगली वनस्पतियों और जीवों को खतरे में डाल रही हैं। तस्करी करने वाले लोगों की सोच है कि हम सिर्फ छोटी मछलियों को पकड़ रहे हैं। पुलिस या सीमा शुल्क अधिकारी बड़ी मछलियों को पकड़ नहीं पा रहे हैं।

एनसीएलएटी के न्यायिक सदस्य राकेश कुमार का इस्तीफा, अवमानना की कार्यवाही बंद की गई

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एनसीएलएटी के न्यायिक सदस्य राकेश कुमार ने इस्तीफा दे दिया है और उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही भी बंद कर दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीएलएटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पीठ को मामले में नए सिरे से निर्णय लेने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीएलएटी के तकनीकी सदस्य की बिना शर्त माफी स्वीकार कर ली है। फिनोलेक्स केबल्स मामले में उनके खिलाफ अवमानना का मामला बंद कर दिया गया है। उच्चतम न्यायालय ने फिनोलेक्स केबलों से संबंधित एक मामले में उसके आदेशों की अवहेलना करने के लिए राष्टीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) की पीठ के सदस्यों को 30 अक्टूबर को माफी दे दी। शीर्ष अदालत ने हालांकि फिनोलेक्स केबल्स के पूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक दीपक छाबड़िया पर अदालत के आदेश के खिलाफ किए गए उनके कार्यों के लिए एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की जांच करने वाले पर भी 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। शीर्ष अदालत ने एनसीएलएटी के आदेश को निरस्त करते हुए 18 अक्टूबर को एनसीएलएटी की पीठ को तलब किया था और मामले की नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश दिया था। उसने एनसीएलएटी की नई पीठ को मामले की सुनवाई करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि वह केवल पीठ पर लगाए गए आक्षेपों के कारण आदेश को रद्द कर रही है, न कि मामले के गुण-दोष के आधार पर। एनसीएलएटी का आदेश फिनोलेक्स समूह के नियंत्रण को लेकर चचेरे भाई दीपक छाबड़िया और प्रकाश छाबड़िया के बीच विवाद से संबंधित है। एनसीएलएटी के समक्ष दायर मामले में 2019 में हुई असाधारण आम बैठक (ईजीएम) के दौरान पारित कुछ प्रस्तावों की वैधता को चुनौती दी गई थी।

ओडिशा के धामरा एलएनजी टर्मिनल पर अदाणी समूह का स्पष्टीकरण

कहा-वित्तीय गारंटी इंडियन ऑयल और गेल की नहीं

नई दिल्ली ।
अदाणी समूह पर तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के आरोपों के बीच ओडिशा के धामरा एलएनजी टर्मिनल पर अदाणी ग्रप के सूत्रों ने बड़ी जानकारी दी है। ग्रुप से जुड़े सूत्रों का दावा है कि ओडिशा के धामरा एलएनजी टर्मिनल के लिए इंडियन ऑयल (आईओसी) और गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की तरफ से पैसे या किसी तरह की वित्तीय गारंटी नहीं मिली है। सूत्रों का कहना है कि धामरा एलएनजी टर्मिनल पूरी तरह से प्रमोटर से मिली वित्तीय मदद से बनाया गया है; आईओसी, गेल की ओर से कोई वित्तीय गारंटी नहीं दी गई है।

इंडियन ऑयल और गेल की कोई गारंटी नहीं - दरअसल, धामरा टर्मिनल को लेकर सांसद महुआ मोइत्रा ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अदाणी ग्रुप के सूत्रों ने महुआ के आरोपों के बाद कहा, ओडिशा के धामरा में एलएनजी आयात सुविधा का निर्माण किया जो पूरी तरह से प्रमोटरों की वित्तीय सहायता पर आधारित है। सूत्रों के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों- आईओसी और गेल की तरफ से कोई वित्तीय उपक्रम या गारंटी नहीं दी गई। दोनों कंपनियां केवल किरायेदार थे।

धामरा एलएनजी टर्मिनल की लागत 6,450 करोड़ रुपये - अदाणी समूह की स्थिति स्पष्ट करते हुए ग्रुप के सूत्रों ने कहा आईओसी और गेल (इंडिया) लिमिटेड ने नवनिर्मित टर्मिनल पर गुजरात के दाहेज में धामरा जैसी लेकिन पुरानी और मूल्यह्रास सुविधा के कारण कम दरों पर जगहों को किराए पर लिया है। सूत्रों ने कहा कि आईओसी और गेल की तरफ से परियोजना के दौरान या उसके बाद नकद या बैंक गारंटी के रूप में कोई राशि नहीं दी गई है। धामरा एलएनजी टर्मिनल की परियोजना लागत 6,450 करोड़ रुपये है।

46,500 करोड़ रुपये के भुगतान का दावा खारिज - गौरतलब है कि तमिलनाडु के एन्नोर में ओडिशा के धामरा की तरह ही समान आकार के एलएनजी टर्मिनल का निर्माण आईओसी की तरफ से कराया गया है। आईओसी ने निर्माण में 5,000 करोड़ रुपये खर्च किए। सांसद महुआ ने अधिक कीमत पर निर्माण को लेकर सवाल खड़े किए हैं। अदाणी समूह के सूत्रों का कहना है कि ओडिशा की परियोजना को पूरी तरह से धामरा एलएनजी टर्मिनल के शेयरधारकों ने इक्विटी और ऋण से वित्तपोषित किया है। सूत्रों ने इस दावे को खारिज कर दिया कि आईओसी और गेल ने 46,500 करोड़ रुपये का भुगतान किया था।

दुनियाभर में सबसे सस्ती दूरसंचार सेवाएं भारत में, सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में दूरसंचार क्षेत्र किफायती

नई दिल्ली । केंद्रीय दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार चाहती है कि भारत में दूरसंचार सेवाएं दुनिया में सबसे सस्ती बनी रहें। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) में उन्होंने कहा, सरकार की ओर से हम पूरी तरह स्पष्ट हैं। आज सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत का दूरसंचार क्षेत्र सबसे किफायती है। विश्लेषकों के अनुसार, दूरसंचार कंपनियों को 5जी नेटवर्क के निर्माण में किए जा रहे निवेश को निकालने के लिए तीन साल में प्रति ग्राहक औसत कमाई 270-300 रुपये करने की जरूरत होगी। अभी यह 140-200 रुपये है। वैश्विक स्तर पर यह कीमत औसतन 600-850 रुपये है और चीन में यह करीब 580 रुपये है। प्रमुख चार सेवाप्रदाताओं में भारती एयरटेल व रिलायंस जियो ने अभी 5जी सेवाएं शुरू की हैं। 5जी नेटवर्क में उनका निवेश स्पेक्ट्रम की लागत सहित तीन लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। भारत में सफलता के बाद रिलायंस जियो वैश्विक स्तर पर प्रवेश को एक विकल्प के रूप में देख रही है। कंपनी इसका लगातार मूल्यांकन कर रही है। रिलायंस जियो के अध्यक्ष मैथ्यू ओमन ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस में कहा, हमारा मानना है कि भारत के लिए वैश्विक बनने का अवसर बड़ा है। डिजिटल इंडिया विजन को बढ़ाने के लिए सरकार को न सिर्फ मोबाइल टावर तैनाती बल्कि उपकरणों व सेवाओं को किफायती बनाना चाहिए।

रेमंड और गोदरेज के बीच हुए 2825 करोड़ के सौदे की जांच कर रहा डीजीजीआई, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली ।
जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) कथित तौर पर रेमंड और गोदरेज के बीच हालिया सौदे की जांच कर रहा है। इस साल की शुरुआत में, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने घोषणा की थी कि उसने रेमंड कंज्यूमर केयर लिमिटेड के एफएमसीजी कारोबार का अधिग्रहण करने के लिए एक समझौता किया है, जो भारत में डियोड्रेंट और सेक्सुअल वेलनेस श्रेणियों में अग्रणी खिलाड़ी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जीएसटी अधिकारियों ने रेमंड कंज्यूमर केयर से यह बताने के लिए कहा है कि सौदे की लेनदेन राशि पर जीएसटी क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने रेमंड को इस सौदे के लिए 2,825 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। इस सौदे में पार्क एवेन्यू, केएस, कामसूत्र और प्रीमियम के ट्रेडमार्क के साथ एफएमसीजी कारोबार का अधिग्रहण किया गया था। डीजीजीआई ने कथित तौर पर रेमंड से जुड़े परिसरों का किया निरीक्षण डीजीजीआई ने कथित तौर पर रेमंड से जुड़े परिसरों का निरीक्षण भी किया। रेमंड के एक प्रवक्ता ने मीडिया को बताया कि यह एक निरीक्षण था और तलाशी नहीं था। प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने दस्तावेजों के साथ एक उपयुक्त स्पष्टीकरण दिया है ताकि यह साबित हो सके कि बिक्री पर जीएसटी नहीं लगता है। प्रवक्ता ने कहा, सौदे की रूपरेखा और दोनों पक्षों द्वारा मांगी गई स्वतंत्र कर विशेषज्ञों की राय के आधार पर इस सौदे पर कोई जीएसटी नहीं लगता क्योंकि यह मौजूदा चिंता के आधार पर कारोबार की बिक्री थी। जीसीपीएल के एमडी और सीईओ सुधीर सीतापति ने अप्रैल में सौदे की घोषणा करते हुए कहा था कि इस अधिग्रहण से कंपनी को अपने बिजनेस पोर्टफोलियो और ग्रोथ स्ट्रैटिजी को अंडर-पैनिट्रेटेड कैटिगरी के साथ कॉम्प्लिमेंट करने का मौका मिलेगा। रेमंड डियोड्रेंट और सेक्सुअल अवेयरनेस श्रेणी में रहा है मार्केट लीडर उन्होंने कहा था कि डियोड्रेंट और सेक्सुअल अवेयरनेस जैसी श्रेणियां, जहां रेमंड एक अग्रणी खिलाड़ी है, में समान उभरते बाजारों की तुलना में भारत में कम प्रति व्यक्ति खपत को देखते हुए आने वाले दशकों में दोहरे अंकों में वृद्धि होने की क्षमता है। सीतापति ने कहा कि उनका उद्देश्य इन श्रेणियों की क्षमता को अनलॉक करना है।

जूट किसानों के लिए खुशखबरी, न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर बिक्री पर रोक की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली ।
केंद्र सरकार ने जूट किसानों को राहत दी है। जूट के न्यूनतम मूल्य वाले आदेश की समय सीमा में इजाफा कर दिया गया है। इस महीने जूट की बंपर फसल के कारण किसानों को नुकसान होने से बचाने के लिए जूट के लिए न्यूनतम मूल्य तय किया गया था। अब इस न्यूनतम मूल्य की समय सीमा 31 दिसंबर, 2023 की बजाय बढ़ाकर 31 जनवरी, 2024 या फिर अगले आदेश तक कर दी गई है। बता दें जूट की पैदावार को देखते हुए जूट कमिश्नर ने न्यूनतम मूल्य आदेश जारी किया था। बीते 5 अक्टूबर को एक अधिसूचना में जूट आयुक्त ने 'गोल्डन फाइबर' यानी जूट की बंपर फसल के लिए न्यूनतम मूल्य तय करने की घोषणा की थी। अधिसूचना के अनुसार खेत के स्तर पर जूट की न्यूनतम कीमत 5,050 रुपये प्रति क्विंटल और कोलकाता में डिलिवरी के लिए 5,500 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है। इस फैसले का स्वागत किया गया था क्योंकि सबसे अधिक कारोबार वाली किस्म

टीडी5 की औसत कच्चे जूट की कीमतें फिसलकर 4,100 रुपये तक गिर गई थीं। जूट आयुक्त मलय चंद्र चक्रवर्ती ने कहा था कि ''कोई भी खरीदार या विक्रेता इस आदेश में निर्दिष्ट दरों के अलावा अन्य पर लेनदेन करने का हकदार नहीं होगा। बता दें कि जूट किसानों ने हाल ही में नादिया, मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर, उत्तर 24-परगना और हुगली जिलों में अपनी उपज के लिए बेहतर कीमतों और एमएसपी में वृद्धि की मांग करते हुए प्रदर्शन किया था। उन्होंने सड़कों को अवरुद्ध कर और जूट की गांठों में आग लगाकर अपनी मांग रखी थी। पश्चिम बंगाल में लगभग पांच से छह लाख लोग जूट की खेती करते हैं।

क्या वेब चेक-इन अनिवार्य है यात्रियों की शिकायतों के बीच इंडिगो ने दी ये सफाई

नई दिल्ली ।
वेब चेक-इन से संबंधित हवाई यात्रियों की बढ़ती शिकायतों के बीच, इंडिगो ने कहा कि यह प्रक्रिया अनिवार्य नहीं है। हालांकि, भारतीय एयरलाइन ने अपने यात्रियों को परेशानी मुक्त उड़ान अनुभव के लिए पहले से वेब चेक-इन करने की सलाह दी।

इंडिगो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वेब चेक-इन ग्राहकों को हवाई अड्डे पर एक सहज अनुभव प्रदान करता है।

वेब चेक-इन एक अनिवार्य आवश्यकता नहीं है, हालांकि, परेशानी मुक्त उड़ान अनुभव के लिए, हम अपने ग्राहकों को पहले से वेब चेक-इन करने की सलाह देते हैं। वेब चेक-इन ग्राहकों को हवाई अड्डे पर एक सहज अनुभव प्रदान करता है।

कब आया स्पष्टीकरण

यह स्पष्टीकरण केंद्र को मुफ्त अनिवार्य वेब चेक-इन के बावजूद प्रत्येक सीट को भुगतान के रूप में दिखाने वाली एयरलाइनों के बारे में शिकायतें मिलने के कुछ दिनों बाद आया है। केंद्र ने इन शिकायतों पर चर्चा के लिए 8 नवंबर को सभी एयरलाइंस और ट्रैवल पोर्टल्स के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक भी बुलाई है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने 26 अक्तूबर को एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि पिछले एक साल में सरकार की राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के माध्यम से एयरलाइन क्षेत्र से संबंधित लगभग 10 हजार शिकायतें प्राप्त हुईं। रोहित सिंह ने कहा कि लगभग आधी शिकायतें ऐसी हैं, जिनमें टिकट रद्द कर दी गईं लेकिन एयरलाइंस से कोई रिफंड नहीं मिला है और कुछ प्रमुख शिकायतों में मुफ्त अनिवार्य वेब चेक-इन के बावजूद हर सीट को भुगतान के रूप में दिखाने वाली एयरलाइंस भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये शिकायतें महज एक छोटी सी झलक हैं। हमने सभी एयरलाइंस, ट्रैवल पोर्टल और उपभोक्ता संगठनों के साथ इन उपभोक्ता शिकायतों पर चर्चा करने के लिए 8 नवंबर को एक बैठक बुलाई है।

यात्रियों को किसी भी तरह की न हो असुविधा

सचिव ने बताया कि मंत्रालय का एयरलाइंस या ट्रैवल कंपनियों के बिजनेस मॉडल से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन हम कह रहे हैं कि जब उपभोक्ता के पास कन्फर्म टिकट है तो उसे इन चीजों (पेड सीट) के रूप में और असुविधा नहीं होनी चाहिए।

विनिर्माण फंड में बढ़ा निवेशकों का आकर्षण; खनन सहित कई क्षेत्र वृद्धि को तैयार

नई दिल्ली ।
मैन्युफैक्चरिंग थीम में ऐसे कई क्षेत्र हैं जो आने वाले वर्षों में तेजी से विकास करने को तैयार हैं। इनमें प्रमुख रूप से ऑटोमोबाइल, रक्षा, खनन, कैपिटल गुड्स, रेलवे, कपड़ा, केमिकल, पेट्रोलियम और गैस शामिल हैं। भारत के तेजी से हो रहे शहरीकरण और लोगों की बढ़ती आय का मतलब यह है कि आने वाले दिनों में हाउसिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग बढ़ेगी।

वैश्विक स्तर पर देखें तो कई देश ऊर्जा क्षेत्र में निवेश कम कर रहे हैं, जिससे भारत को फायदा होना तय है। मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत बढ़ावा देने को सरकार के कदम जैसे मेक इन इंडिया, प्रदर्शन से जुड़े उत्पादन, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स के

लिए गति शक्ति, देश भर में एक्सप्रेसवे और राजमार्गों को पूरा करना, रक्षा निर्यात आदि पूरे थीम को सबसे आगे ले जाने के लिए तैयार हैं।

दुनियाभर में तनाव के बीच मल्टी एसेट फंड में भी है मौका

मध्य पूर्व देशों में संघर्ष ने कई देशों के बीच तनाव को बढ़ाया है और निवेशकों को हतोत्साहित किया है। यदि आप उन लोगों में से हैं जो इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि ऐसी स्थिति में अपना निवेश कैसे करें, तो मल्टी एसेट दृष्टिकोण चुनना चाहिए। मल्टी एसेट से एक साथ निवेशक कई परिसंपत्ति वर्गों में निवेश कर सकते हैं। यह एक सदाबहार रणनीति है, लेकिन अनिश्चितता के माहौल में इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

उच्च विकास की संभावनाओं में निवेश का है अवसर

मल्टी एसेट निवेश दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि निवेशक इक्विटी की उच्च विकास संभावनाओं से न चूकें। साथ ही डेट जैसी स्थिर संपत्ति के जोखिम के साथ संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखें। एक परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोना महंगाई के खिलाफ मजबूत बचाव प्रदान करता है। रियल एस्टेट साधन आपके पोर्टफोलियो में अतिरिक्त कमाई जोड़ते हैं। आईप्रू मैन्युफैक्चरिंग फंड में अगर किसी निवेशक ने इसकी स्थापना के समय 10 लाख रुपये का निवेश किया होगा तो वह रकम अब 5.5 करोड़ रुपये हो गई है।

निवेश के लिए म्यूचुअल फंड अच्छा

मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी कंपनियां मजबूत वृद्धि के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। एक निवेशक के रूप में थीम को अपनाना म्यूचुअल फंड के लिए सबसे अच्छा है। इसमें बेहतर रिटर्न अब तक मिला है। उदाहरण के तौर पर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मैन्युफैक्चरिंग फंड का शानदार ट्रैक रिकॉर्ड है। इसने एसएंडपी बीएसई इंडिया मैन्युफैक्चरिंग टीआरआई से अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले पांच वर्षों में लगातार अच्छा रिटर्न दिया है। एक, तीन और पांच साल के आधार पर फंड ने क्रमश: 35.3 प्रतिशत, 34.7 प्रतिशत और 19.7 प्रतिशत रिटर्न दिया है। एसआईपी रिटर्न पांच वर्षों में 25 प्रतिशत से ज्यादा रहा है।

मिला-जुला रहता है पोर्टफोलियो

यह फंड चक्रीय और रक्षात्मक दोनों क्षेत्रों में निवेश के साथ मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के एक क्रॉस-सेक्शन में निवेश कर रहा है। इनमें मूल्य और वृद्धि दोनों तरीकों का समावेश होता है। यह फंड सभी तरह के बाजार पूंजीकरणों अर्थात लार्ज, मिड और स्मॉल कैप में निवेश कर पोर्टफोलियो निर्माण में मल्टी-कैप अनुशासन अपनाता है।

दिल्ली-एनसीआर में डेढ़ करोड़ से अधिक कीमत के लग्जरी मकानों की बिक्री दोगुनी

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में चालू कैलेंडर वर्ष के पहले नौ महीने जनवरी-सितंबर में 1.5 करोड़ रुपये अधिक कीमत के लग्जरी मकानों की बिक्री दोगुनी होकर 13,630 इकाई पहुंच गई।पिछले साल की समान अवधि में दिल्ली-एनसीआर में 6,210 लग्जरी मकान बिके थे। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक के मुताबिक, इस साल के पहले नौ महीनों में देश के सात प्रमुख शहरों में लग्जरी मकानों की बिक्री दोगुना से अधिक होकर 84,400 इकाई पहुंच गई। पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 39,300 इकाई था। इस साल के पहले नौ माह में सात शहरों में कुल 3.49 लाख मकान बिके।इसमें लग्जरी मकानों की हिस्सेदारी 24 फीसदी थी। इन शहरों में भी उछाल हैदराबाद में लग्जरी मकानों की बिक्री तीन गुना होकर 13,630 इकाई। बंगलूरू में बिक्री 3,810 से बढ़कर 9,220 इकाई पर पहुंच गई। मुंबई महानगर क्षेत्र में बिक्री 74 फीसदी बढ़कर 36,130 इकाई पहुंच गई। पुणे में बिक्री 2,350 से लगभग तीन गुना होकर 6,850 इकाई पहुंची। चेन्नई में बिक्री 1,370 से बढ़कर 3,330 इकाई पहुंच गई। जनवरी-सितंबर में कोलकाता में लग्जरी मकानों की बिक्री 69 फीसदी बढ़कर 1,610 इकाई पहुंची।

पंकज को बगैर बताए कभी काट दिया था रोल

-आज इतना काम मिल रहा कि ब्रेक लेना का समय नहीं

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी आज किसी पहचान के मोहताज नहीं है। अपने काम से उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। बहुत कम लोग जानते हैं कि उनका असली नाम पंकज त्रिपाठी नहीं है। उनका असली नाम पंकज तिवारी था लेकिन जब वह नौवीं कक्षा में पढ़ रहे थे तभी उन्होंने अपना नाम बदलकर पंकज त्रिपाठी करने का फैसला कर लिया था। साल 2004 में वह अपने जड़े जमाने के लिए जद्दोजहद कर रहे थे। उसी दौरान ऋतिक रोशन की फिल्म लक्ष्य में उन्हें भी एक रोल निभाने का चांस मिला था। वह काफी एक्साइटेड थे। बिहार के एक अखबार में उनका नाम तक छप गया था कि वह ऋतिक रोशन के साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। लेकिन जब वह अपने पूरे परिवार के साथ थिएटर पहुंचे तो उनके पैरों तले जमीन निकल गई। पंकज ने एक इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया था। उन्होंने बताया, मैंने किसी को नहीं बताया था लेकिन वहां के एक अखबार में ये बात छप गई थी। लेकिन फिल्म देखने पहुंचे तो मैं कहीं नजर नहीं आया। मेरे सीन ही हटा दिया गए। लोगों को भी बता दिया होगा कि मैं लक्ष्य फिल्म का हिस्सा हूं और फाइनल कट में वो सीन ही गायब हो गए। इस बात का मलाल मुझे आज भी है। पंकज त्रिपाठी के साथ ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। सिर्फ लक्ष्य ही नहीं एक और फिल्म में से भी उनके सीन गायब कर दिए गए थे।

इस बात का खुलासा खुद एक्टर ने किया था कि मसान से भी उनके कुछ ऐसे सीन हटा दिए गए थे जो काफी अच्छे थे। उन्होंने अपनी बातचीत में इन सीन के बारे में बताया कि फिल्म में लंबा सीन था जिसे छोटा कर दिया गया। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्टर ने इस बात का भी खुलासा किया है कि बैक टू बैक फिल्में करके अब वह थक चुके हैं। अब वह ज्यादा फिल्मों में काम नहीं करेंगे। थोड़ा ब्रेक चाहते हैं। उन्होंने कहा मुझे याद ही नहीं रहता कि मैंने कोई शॉट कब दिया, कब क्या हुआ और वो शॉट कौन सी फिल्म में दिया था। हालांत ठीक नहीं है। पूरे साल लगातार एक्टिंग नहीं कर सकते और मैं वही कर रहा था। अब मैं थोड़ा कम काम करूंगा। बता दें कि एक्टर पंकज ने करियर की शुरूआत में काफी संघर्ष किया। कई छोटे-छोटे किरदार निभाए जो शायद उनके टैलेंट के आगे बहुत छोटे थे। लेकिन आज वह हर बड़ी फिल्म में अहम भूमिका में नजर आते हैं।

मामा गोविंदा के साथ डांस करते नजर आए कृष्णा

-दोनों के बीच पेचअप की आ रही खबरें, चल रही थी अनबन

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर कृष्णा अभिषेक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह गोविंदा के साथ उनके सुपरहिट गाने बड़े मियां छोटे मियां पर डांस करते नजर आ रहे हैं। यह एक थ्रोबैक वीडियो है। कृष्णा और गोविंदा को ब्लैक सूट में स्टेज पर डांस करते हुए देखा जा सकता है। इस वीडियो के साथ इसके कैप्शन ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। कृष्णा अभिषेक ने इस थ्रोबैक वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, इससे बेहतर वीडियो नहीं हो सकता। स्टेज पर फायर। मामा हमेशा एक प्रेरणा रहे हैं। रियल लाइफ में बड़े मियां छोटे मियां। हाल के दिनों में, कृष्णा अभिषेक ने बार-बार अपनी मामा यानी गोविंदा के साथ पैचअप की इच्छा व्यक्त की है। कुछ महीने पहले कृष्णा ने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में गोविंदा को टैग किया और लिखा, बचपन से ही डांस करना मेरा जुनून रहा है, जब मैं सेट पर अपने मामा गोविंदा के साथ ट्रैवल करता था और उन्हें डांस और एक्टिंग करते हुए देखता था तो मुझे बहुत अच्छा लगता था। और आज सेट पर वही काम करते हुए मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। इससे पहले, कृष्णा अभिषेक ने कहा था कि देर-सबेर वे फिर से एक हो जाएंगे। वह मेरे मामा हैं और मुझे पता है कि देर-सबेर हम एक साथ वापस आएंगे। मैं हमेशा मानता हूं कि खून पानी से अधिक गाढ़ा होता है और इसमें हमें फिर से जोड़ने की ताकत होती है। जहां ऐसा लगता है कि कृष्णा अपने मामा के साथ फिर से जुड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। वहीं, गोविंदा ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी दूरी बनाए हुए हैं। गोविंदा ने एक इंटरव्यू में कहा था, कभी-कभी, कोई सीमा पार कर जाता है और वहां मैं पूरे परिवार के साथ थोड़ा सख्त हो जाता हूं। अगर तुम सीमा लांघोगे तो मैं दूरी बना लूंगा और यह दुश्मनी के कारण नहीं है। यह सिर्फ मेरी मानसिक शांति और मेरे चारों ओर एक सुरक्षित माहौल बनाए रखने के लिए है। इसलिए, ऐसा नहीं है कि मेरे मन में कृष्णा के खिलाफ कुछ भी है। बता दें, कृष्णा और गोविंदा के बीच पिछले 7 साल से ज्यादा वक्त से भी अनबन चल रही है। दोनों के बीच बातचीत नहीं हो रही है। द कपिल शर्मा शो में जब भी गोविंदा को गेस्ट के रूप में बुलाया जाता था तब कृष्णा शो में पार्टिसिपेट नहीं करते थे।

लाडली को छोड़ फिल्म फेस्टिवल आई प्रियंका

- चर्चा में है बेटी मालती के नाम वाला ये पेंडेंट

मुंबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय स्टार प्रियंका चोपडा अपनी लाडली को छोड़ फिल्म फेस्टिवल के लिए मुंबई आ गईं है। हाल ही में उन्हें एयरपोर्ट पर देखा गया था। एयरपोर्ट से पीसी की कई तस्वीरें सामने आईं। इस दौरान पीसी का लुक तो काफी स्टाइलिश था हालांकि उनके गले के नेकलेस ने सबका ध्यान खींचा। दरअसल, उन्होंने गले में बेटी मालती मैरी के नाम वाला नेकलेस पेयर किया था। फैंस को प्रियंका ये नेकलेस काफी पसंद आया। प्रियंका के लुक की बात करें तो पीस ने एयरपोर्ट के लिए ऑल ब्लैक लुक को चुना। ब्लैक क्रॉप टॉप और जॉगर्स के साथ मैचिंग श्रग पीसी के लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। बर्फी एक्ट्रेस ने अपने शानदार एयरपोर्ट लुक को एक स्टेटमेंट नेकलेस, फ्री हेयरडू, डेवी मेकअप और काले स्नीकर्स से कंप्लीट किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल की ओपनिंग नाइट की मेजबानी प्रियंका चोपड़ा और ईशा अंबानी करेंगी। इस इवेंट में सोनम कपूर आहूजा, फरहान अख्तर, जोया अख्तर, सिद्धार्थ रॉय कपूर, राणा दग्गुबाती और अन्य बॉलीवुड हस्तियां भी शामिल होंगी। बता दें कि प्रियंका चोपड़ा बीते साल सेरोगेसी के जरिए प्यारी सी बेटी की मां बनीं। पीसी ने अपने लाडली का नाम मालती मैरी चोपड़ा जोनस रखा। मालती मैरी के जन्म के बाद से ही प्रियंका-निक की दुनिया उस नन्हीं सी परी के आस-पास बस गई। कुछ वक्त पहले बेटी मालती के साथ प्रियंका चोपड़ा निक जोनास का कॉन्सर्ट इंजॉय करती नजर आई थीं, जिसका वीडियो खूब वायरल हुआ।

जापानी गेम-शो ताकेशीज कैसल का ट्रेलर लांच

प्रतिष्ठित जापानी गेम-शो ताकेशीज कैसल के रोमांचक भारतीय रीबूट के ट्रेलर का अनावरण हो गया है। यह जापानी शो का हंसी ठहाको से भरपूर ट्रेलर दर्शकों को शो की एक झलक देता है। अभिनेता और कंटेंट निमार्ता भुवन बाम के अल्टर ईगो टीटू मामा हमें पुरानी यादों से भरे गेम-शो के फॉर्मेट की ओर ले जाता है और हमें महान ताकेशी किटानो सहित मुख्य पात्रों का परिचय कराता है। ट्रेलर में, भुवन बम टीटू मामा के रूप में शो के अनुभवी कमेंटेटर और पसंदीदा प्रशंसक, जावेद जाफरी को उनकी प्रतिष्ठित फिल्म, जजंतरम ममंतरम के लिए श्रद्धांजलि देते हुए दिखाई देते हैं। ताकेशी कैसल प्राइम सदस्यता के लिए नया जोड़ा गया है।

भारत में प्राइम सदस्य केवल रुपए 1499 प्रति वर्ष में एकल सदस्यता में बचत, सुविधा और मनोरंजन का आनंद लेते हैं। तीन दशकों से अधिक समय के बाद वापसी करने वाले, इस प्रसिद्ध गेम शो का यह बिल्कुल नया संस्करण ओरिजिनल संस्करण के सभी विलक्षण, एड्रेनालाईन-फ्यूल एलिमेंट को बरकरार रखे हुए है।

आदित्य-अनन्या का रोमांटिक वीडियो आया सामने

- डेट नाइट में बाहों में बाहें डाले दिखीं एक्ट्रेस

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे का एक रोमांटिक वीडियो सामने आया है। इसके बाद एक बार फिर इस हॉट कपल को लेकर चचाएँ शुरू हो गई है। कपल का रोमांटिक डेट नाइट एक नया वीडियो सामने आया है। बीती रात मुंबई में डिनर डेट से आदित्य और अनन्या की कई एक साथ वीडियो सामने आए। लवबर्ड्स एक रेस्तरां में ब्लैक आउटफिट में ट्विनिंग करते नजर आए। वायरल हो रहे एक वीडियो में अनन्या पांडे को आदित्य के कंधे पर झुकते हुए देखा जा सकता है। इतना ही नहीं, दोनों ने एक दूसरे का हाथ पकड़ रखा था और एक कॉमन फ्रेंड के साथ बात करते दिखे। ड्रीम गर्ल 2 एक्ट्रेस अनन्या काले रंग की प्लंजिंग-नेक बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही थी। उन्होंने अपने लुक को ड्यूई मेकअप, मिनिमम एक्सेसरीज और मैचिंग ब्लैक फुटवियर के साथ पूरा किया। आदित्य के बारे में बात करते हुए, उन्होंने काले रंग की टी-शर्ट पहनकर उबर कूल लुक चुना, जिसे उन्होंने डेनिम के साथ जोड़ा। इससे पहले कॉफी विद करण सीजन 7 के एपिसोड के दौरान अनन्या ने आदित्य को आकर्षक लगने के बारे में बात की थी। जब करण जौहर ने उनसे अभिनेता ईशान खट्टर के साथ उनके कथित रिश्ते और अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ डेटिंग की अफवाहों के बारे में पूछा, तो अनन्या ने जवाब दिया और कहा कि वह अतीत में नहीं रहना चाहतीं। हालाकि, अनन्या ने अपने नए क्रश का खुलासा तब किया जब उन्होंने कहा, मुझे आदित्य रॉय कपूर हॉट लगते हैं। दोनों की डेटिंग की अफवाहें तब शुरू हुईं जब वे पिछले साल कृति सेनन की दिवाली पार्टी में एक साथ नजर आए। दोनों में से किसी ने भी अभी तक अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है. इस बीच, आने वाले महीनों में वह सिद्धांत चतुवेर्दी और आदर्श गौरव के साथ खो गए हम कहां में नजर आएंगी। वह निर्देशक विक्रमादित्य मोटवाने की अनटाइटल्ड साइबर क्राइम-थ्रिलर फिल्म में भी नजर आएंगी।

मेरी किसी खान के संग पर्सनल दुश्मनी नही : कंगना

बालीवुड की पंगा क्वीन के नाम से मशहूर कंगना रनौत ने हाल ही में एक इंटरव्यू में सलमान खान, आमिर खान और शाहरुख खान संग उनके रिश्ते को लेकर बात की है। एक्ट्रेस ने कहा, मेरे साथ किसी भी खान की पर्सनल दुश्मनी नहीं थी। मैंने कभी उनके बारे में गलत नहीं कहा। मेरा मेन मुद्दा उनकी फिल्मों में एक्ट्रेसेस के छोटे रोल और उनकी कम उम्र थी। अब 35-40 की एज की एक्ट्रेसेस उनकी हीरोइन बन रही हैं। मैंने इस बदलाव के लिए संघर्ष किया, वरना पहले उनकी एक्ट्रेसेस उनकी मां का रोल करती नजर आती थीं। कंगना रनौत से जब सवाल किया गया कि वह पहले जितना बेबाक नहीं हैं तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा, कई मानहानि के मामलों के निपटने के बाद एहसास हुआ कि कोर्ट में जाना समय की बबार्दी है। मैं किसी के खिलाफ बोलने से नहीं डरती लेकिन आपको कोर्ट जाना पड़ता है तो लगता है समय की बबार्दी है

शिल्पा ने सीढ़ियों पर करवाया जबर्दस्त फोटोशूट

बालीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी 48 की उम्र में भी ब्यूटी से लोगों को खूब मात देती हैं और अक्सर अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस ने अभी सीढियों पर रेड आउटफिट में एक खूबसूरत फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। फैंस एक्ट्रेस की इन फोटोज पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में शिल्पा शेट्टी रेड कलर की ड्रेस में बेहद गॉर्जियस लग रही हैं। हाथ में गोल्डन चूड़ा, रिंग्स और कानों में बालियां एक्ट्रेस के लुक को चार-चांद लगा रही हैं। अपने लुक से दीवाना बनाते हुए शिल्पा सीढ़ियों पर कातिलाना पोज दे रही हैं। फैंस एक्ट्रेस के इस लुक की खूब तारीफ कर रहे हैं। काम की बात करें तो शिल्पा शेट्टी को हाल ही में फिल्म सुखी में देखा गया था। फिल्म में एक्ट्रेस के किरदार को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

कराची टू नोएडा का ट्रेलर रिलीज, मचाया धमाल

फिल्म कराची टू नोएडा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जारी होते ही इस फिल्म के ट्रेलर ने धमाल मचा दिया है। यह फिल्म में पाकिस्तान की सीमा हैदर और भारतीय सचिन मीना की प्रेम कहानी पर बन रही है। इस फिल्म के 3 मिनट के ट्रेलर में सीमा हैदर के किरदार का नाम सायमा हैदर तो वहीं गुलाम हैदर के किरदार में एहसान खान ने रोल प्ले किया है। खास बात ये है कि इस ट्रेलर ने आते ही धमाल मचा दिया है और इसके व्यूज लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बता दें इस चंद मिनट के ट्रेलर में कुछ ऐसे डायलॉग बोले गए हैं जिन पर विवाद भी हो सकता है। इस फिल्म के ट्रेलर में सीमा हैदर को आईएसआई एजेंट नहीं बल्कि रॉ का एजेंट दिखाया गया है. जब इस बारे में पाक को पता चला तो वहां पर जमकर बवाल मचा. वहीं पाकिस्तान में खुलासा होने से पहले सीमा भारत भागकर आ जाती है और लोगों के बीच घुल मिलकर रहते हुए नजर आईं।

पुराने गानों के रीमेक में 'रैप' जोड़ने से भड़के मशहूर गीतकार और लेखक जावेद अख्तर

मशहूर गीतकार और लेखक जावेद अख्तर अपने गीतों और शायरी के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही जावेद अख्तर काफी बेबाक हैं और अपने बेबाक बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। वे कला और विशेषकर संगीत के क्षेत्र में हो रहे बदलावों के बारे में गर्मजोशी से बात करते हैं। राजनीति पर भी टिप्पणी करते हैं। उन्होंने हाल ही में नए गानों में रैप जोड़ने पर टिप्पणी की है, जिसने उन्हें चर्चा का विषय बना दिया है। जावेद अख्तर पुराने गानों पर दोबारा काम करने के विरोधी नहीं हैं लेकिन उनका मानना है कि व्यावसायिक दृष्टिकोण से किए गए बदलाव पूरे गाने का मजा खत्म कर देते हैं। एक इंटरव्यू में जावेद अख्तर ने कहा, 'पुरानी यादों को ताजा करना, उन गानों को नए रूप में पेश करना या ऐसा करने की कोशिश करना बिल्कुल गलत नहीं है। लेकिन ऐसी कलात्मक चीजों के लिए पुरानी कलाकृति पर निर्भर रहना खतरनाक है।' जावेद अख्तर ने कहा, 'यह सही नहीं है कि आप एक महान पुराना गाना लें और फिर इस तरह के रैप को इंटरल्यूड के रूप में इस्तेमाल करें जो अर्थहीन और अजीब है। यह ताजमहल में डिस्को गाने बजाने जैसा है।' जावेद अख्तर ने ये भी कहा कि ये गाने हमारी सांस्कृतिक विरासत हैं इसलिए इनका इस तरह अपमान उचित नहीं है। उन्होंने कहा, 'ये पुराने गाने आज भी लोगों के दिलों के करीब हैं। इन गानों को महान संगीतकारों, गायकों, गीतकारों द्वारा संगीतबद्ध किया गया है। आपको उनका सम्मान करना चाहिए। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत है। अगर आप इन गानों को नए रूप में पेश करना चाहते हैं तो जरूर करें। अगर आप केएल सहगल के गाने को अ-रजीत सिंह की आवाज में दोबारा बनाना चाहते हैं तो जरूर बनाएं, लेकिन बीच में रैप जोड़ना बिल्कुल सही नहीं है। जावेद अख्तर फिल्म इंडस्ट्री के बेहद मशहूर गीतकार और लेखक हैं। उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण और राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

सूडोकु नवताल- 6598

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6597 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्दजाल - 7345

फ	क	म	हें	द्र	ग	अं	बा	ला	ल	ट
द	री	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	क	ड़
पा	नी	प	त	दी	छ	हि	अ	र्म	र	क
इं	स	ल	क	दि	वा	स	सा	ल	ना	क
डि	आ	त	ग	फ	ज	ना	तू	र	ल	क
य	ह	द	गु	दि	री	उ	ती	ण	घ	क
रो	व	ल	ड़	या	प	दा	जू	भि	व	रा
क	एं	ऊ	गां	द	ब	क	बा	ए	वा	क
क	ड	ल	व	र्द	गी	स	री	द	प	नी
क	गॉ	ल	प	म	हें	द्र	ग	ढ़	प	द
य	मु	ना	न	ग	र	स	य	ब	प	म

शब्द जाल में हरियाणा के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

अंबाला,भिवानी,फरीदाबाद,यमुनानगर, पानीपत, गुड़गांव, करनाल, महेंद्रगढ़, रोहतक, हिसार

शब्दजाल - 7344 का हल

पी	क	ल	व	ग	सा	ना	क	प	ल	आ
र	ब	ल	न	व	ग	ग	से	म	ल	म
त	स	र	ल	र्म	वा	पु	रा	रा	ख	क
क	ज	ज	ग	पु	न	न	प	न	ली	क
यू	क	दो	ग	द	लं	का	ब	ग	झ	क
क	क	ल	प	ह	झ	पू	ना	बू	घ	को
लि	अ	दे	व	ना	र	ल	श	र	ल	ल
प्ट	ता	दा	ई	धा	ब	क	फ	लो	श	पा
स	बा	चे	न	पी	प	ल	र	नी	प	कि
द	पा	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	म	स्ता
गु	ल	मो	ह	र	न	रा	बा	द	प	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6298

	3	1		6		5
7	30	2	25		34	4
4			3		7	
	34	3	35		33	6
1	2			4		
	32	5	42	3	32	7
3			6		2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6297 का हल

1	2	4	6	7	5	3
7	26	2	31	2	36	4
4	5	1	3	6	7	2
6	32	5	29	3	37	6
2	3	6	4	1	7	5
5	34	3	36	5	32	7
3	5	7	6	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रगनानंदा की बहन का कमाल, पूर्व विश्व चैंपियन मुजिचुक को हराया ; प्रतियोगिता में शीर्ष पर

नई दिल्ली ।

भारत की आर वैशाली ने फिडे महिला ग्रैंड स्विस शतरंज प्रतियोगिता के चौथे दौर में यूक्रेन की पूर्व विश्व चैंपियन मारिया मुजिचुक को हराकर अपने अंकों की संख्या 3.5 पर पहुंचा दी। यह प्रतियोगिता विश्व चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा है। अभी सात दौर बाकी हैं और वैशाली ने चीन की टैन झोंगयी, यूक्रेन की अना मुजिचुक और कजाखस्तान की आसुबायेवा के साथ संयुक्त बढ़त पर है। भारत के उदीयमान शतरंज खिलाड़ी आर प्रगनानंदा की बहन वैशाली ने हाल ही में समाप्त हुए कतर मास्टर्स में अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया था। उन्होंने साबित कर दिया था कि वह किसी भी चुनौती के लिए तैयार हैं।चेन्नई की रहने वाली इस खिलाड़ी ने अपने आक्रामक कौशल का शानदार नजारा पेश किया और मुजिचुक को केवल 23 चाल में हराया। यूक्रेन की खिलाड़ी ने शुरू में ही प्यादा गंवा दिया था जिससे वह आखिर तक नहीं उबर पाई। वैशाली ने सिसिलियन डिफेंस अपनाया था। वैशाली की यह चार बाजियों में तीसरी जीत है। डी हरिका को मंगोलिया की बुतहुईयाग के हाथों हार का सामना करना पड़ा। दिव्या देशमुख ने पोलैंड की ओलिविया से अंक बांटे।

विदित गुजराती की लगातार तीसरी जीत

ओपन वर्ग में ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी की जीत एक समय सुनिश्चित लग रही थी लेकिन आखिर में सर्बिया के एलेक्जेंडर प्रेडके ने उन्हें ड्रॉ पर रोक दिया। इस बीच ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप के पूर्व चैलेंजर स्पेन के एलेक्सी शिरोव को हराकर अपनी लगातार तीसरी जीत हासिल की। विदित ने सफेद मोहरों से खेलते हुए अपनी बेहतर तकनीक का प्रदर्शन किया। फिडे का नेतृत्व कर रहे रूसी ग्रैंडमास्टर आंद्रे एसिपेंको ने एकल बढ़त बना ली है। उन्होंने फ्रांस के आंद्रिया मारिजी को पराजित किया। विदित गुजराती और अर्जुन सहित 17 खिलाड़ियों के एकसमान 17 अंक हैं। भारत के श्रेष्ठ रैंकिंग के डी गुकेश ने लगातार चौथा ड्रॉ खेला। उन्हें अपनी पहली जीत की तलाश है। पी हरिकृष्णा ने ब्रिटेन के श्रेयस रॉयल को पराजित कर पहली जीत हासिल की। निहाल सरीन ने आर्मेनिया के सैमवल को हराया जबकि प्रगनानंदा को तुर्किये के मुस्तफा यिलमेज ने ड्रॉ पर रोक लिया।

न्यूज ब्रीफ

रोहित ने डीआरएस नहीं लेने के लिए कुलदीप को डांटा

लखनऊ । भारत ओर इंग्लैंड के बीच हुए एकदिवसीय विश्वकप के लीग मुकाबले में स्पिनर कुलदीप यादव ने शानदार गेंदबाजी कर दो अहम विकेट लिए। उसके बाद भी उन्हें कप्तान रोहित शर्मा से उन्हें डांट खानी पड़ी जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है, इसमें रोहित कुलदीप को डांटते दिख रहे हैं जिसके बाद से ही प्रशंसक भी हैरान हैं और अंदाज लगा रहे हैं कि रोहित ने ऐसा क्यों किया है। अब इसका कारण सामने आया है। रोहित के कुलदीप यादव को डांटने की वजह डीआरएस नहीं लेना बताया जा रहा है। ये मामला इंग्लैंड की पारी के 22 वें ओवर का है। इसमें कुलदीप यादव की एक गेंद बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन के पैड पर लगी पर अपील के बाद भी अंपायर ने लिविंगस्टोन को आउट नहीं दिया। तब भारतीय टीम के पास दो रिव्यू बचे थे पर कुलदीप ने इसके लिए अंपायर से नहीं कहा। इस ओवर के बाद बड़े स्क्रीन पर रीप्ले दिखाया गया, उसमें गेंद लेग स्टम्प से टकरा रही थी। इसी बात को लेकर ओवर खत्म होने के बाद रोहित ने कुलदीप को डांट लगाई क्योंकि उन्होंने रिव्यू के लिए कप्तान पर जोर नहीं डाला था। अगर वो ऐसा करते तो लिविंगस्टोन का विकेट मिल जाता हालांकि इससे विशेष नुकसान नहीं हुआ क्योंकि कुलदीप की ही गेंद पर पारी के 30वें ओवर में लिविंगस्टोन आउट हो गये। कुलदीप ने 8 ओवर में 24 रन देकर 2 विकेट लिए।

भारत से विश्वकप में दो दशक बाद हारी है इंग्लैंड , इससे पहले 2003 में नेहरा की गेंदबाजी से हुई थी ढ़ेर

लखनऊ । भारतीय टीम को विश्व में इंग्लैंड से दो दशक के बाद जीत मिली है। यहां भारतीय टीम ने जसप्रीत बुमराह और मो शमी की शानदार गेंदबाजी की सहायता से विश्वकप के लीग मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। इंग्लैंड टीम को 20 साल बाद भारतीय टीम से विश्व कप किसी मैच में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले भारतीय टीम ने 20 साल पहले इंग्लैंड को 2003 में हराया था। दोनों टीमें पहली बार 1975 विश्व कप में आमने सामने हुई थीं जिसमें इंग्लैंड 202 रन से जीती थी। इसके बाद 1983 में टीम इंडिया को जीत मिली थी। 1987 में इंग्लैंड 35 जबकि 1992 में 9 रन से जीती थी। 1999 में भारतीय टीम 63 रन से जीती थी। 2007 विश्व कप में दोनों टीमें आमने सामने नहीं हुई। 2011 विश्व कप में दोनों के बीच मैच बराबरी पर रहा। 2015 में इनके बीच मैच नहीं हुआ पर 2019 विश्व कप में इंग्लैंड ने फिर से जीत हासिल की। अब लखनऊ में इंग्लैंड टीम हारी है। 2003 में डरबन के मैदान पर पहले खेलते हुए टीम इंडिया ने सचिन तेंदुलकर के 50, राहुल द्रविड़ के 62 तो युवराज सिंह के 42 रनों की बदौलत 250 रन बनाए थे। वहीं इंग्लैंड की ओर से एंडी कैड्रिक तीन तो एंड्रयू फ्लिंटॉफ 2 विकेट लिए थे। इसके बाद खेलने उतरी इंग्लैंड की टीम भारतीय तेज गेंदबाज आशीष नेहरा के आगे ढ़ेर हो गयी। नेहरा ने मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए केवल 23 रन देकर 6 विकेट लिए।

आजम के पसंदीदा बल्लेबाजों में रोहित, विराट भी शामिल

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम के पसंदीदा बल्लाबजों में विराट कोहली , रोहित शर्मा और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन शामिल हैं। आजम की तुलना विराट से की जाती रही है हालांकि वह इसे सही नहीं मानते। उनका कहना था कि विराट काफी अनुभवी है जबकि उनका करियर अभी शुरु ही हुआ है। विराट ने इस बार विश्वकप में 354 रन बनाए जबकि रोहित ने 311 रन बनाए हैं। रोहित विराट के अलावा आजम जिस बल्लेबाज को पसंद करते हैं व विलियमसन हैं। विलियमसन अपने शांत स्वभाव के कारण प्रशंसकों के पसंदीदा रहे हैं। इस बार चोटिल होने के कारण वह अब तक मैदान में वापसी नहीं कर पाये हैं। बाबर ने कहा, विराट , रोहित और विलियमसन दुनिया में मेरे पसंदीदा बल्लेबाज हैं। वे दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी हैं। वे हालातों को अच्छी तरह से समझते हैं, इसलिए वे सर्वश्रेष्ठ हैं। मैं उनकी प्रशंसा करता हूं। उन्होंने आगे कहा, विराट, रोहित और विलियमसन के बारे में मुझे सबसे अच्छी बात यह पसंद है कि वे टीम को विलियमसन हालातों से बाहर निकालते हैं और घातक गेंदबाजी के खिलाफ रन बनाते हैं।

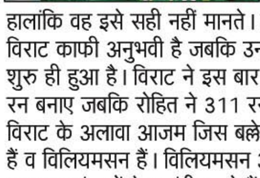

अंगद बेदी ने एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

400 मीटर रेस में आए फर्स्ट, पिता बिशन सिंह बेदी को समर्पित किया मेडल

नई दिल्ली ।

बॉलीवुड एक्टर अंगद बेदी ने दुबई में हुए ओपन इंटरनेशनल मास्टर्स 2023 एथलेटिक्स चैंपियनशिप से अपने इंटरनेशनल स्पोर्ट्स करियर की शुरुआत की है। इवेंट में उन्होंने 400 मीटर की रेस में गोल्ड मेडल जीता है। इस मेडल को अंगद ने अपने पिता, क्रिकेट लीजेंड बिशन सिंह बेदी को समर्पित किया है जिनका बीते 23 अक्टूबर को निधन हुआ है। लंबी बीमारी से जूझने के बाद 77 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली थी। अंगद ने यह जानकारी एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने फैंस से शेयर की। उन्होंने एक वीडियो शेयर कर बताया कि उन्होंने अपना पहला इंटरनेशनल मेडल जीत लिया है।

एक ताकत आई जिसने मुझे ऊपर खींचा: अंगद

वीडियो शेयर करते हुए अंगद ने लिखा, 'ना दिल मानने को तैयार था और ना ही हिम्मत थी। ना मेरी बॉडी तैयार थी और ना ही मेरा दिमाग पर एक ताकत आई जिसने मुझे ऊपर खींचा। ना तो यह मेरा सबसे अच्छा वक्त था और ना ही अच्छी फॉर्म पर किसी तरह मैंने यह कर दिखाया। यह गोल्ड मेडल हमेशा खास रहेगा। थैंक्यू पापा मेरे साथ बने रहने के लिए.. मैं आपको मिस करता हूं.. आपका बेटा।

कोच और वाइफ को कहा थैंक्स

इसके साथ ही अंगद ने अपने कोच और वाइफ नेहा धूपिया को भी थैंक्स कहा। एक्टर ने लिखा, 'मेरी कोच का भी शुक्रिया जो इस पूरी जर्नी में मेरे साथ रहे।

मेरी डॉक्टर को भी थैंक्स और मेरी वाइफ नेहा धूपिया का शुक्रिया कि उन्होंने मुझे झेला.. आपके पास कोई और चॉइस ही नहीं थी। बच्चों मेहर और गुरिक के लिए.. मैं आप दोनों के साथ दौड़ना चाहता हूं। अंगद की इस पोस्ट पर कई सेलेब्स ने उन्हें बधाई दी। विक्की कौशल ने लिखा, बल्ले शेरा। वहीं सनी कौशल और आयुष्मान खुराना ने भी अंगद को बधाई दी। वर्क फ्रंट पर अंगद हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'घूमर' में नजर आए थे। इस फिल्म में अंगद पहली बार स्क्रीन पर अपने पिता के साथ नजर आए थे। इसके अलावा वे नानी स्टारर 'हाय नाना' में भी मृणाल ठाकुर के अपोजिट नजर आए हैं।

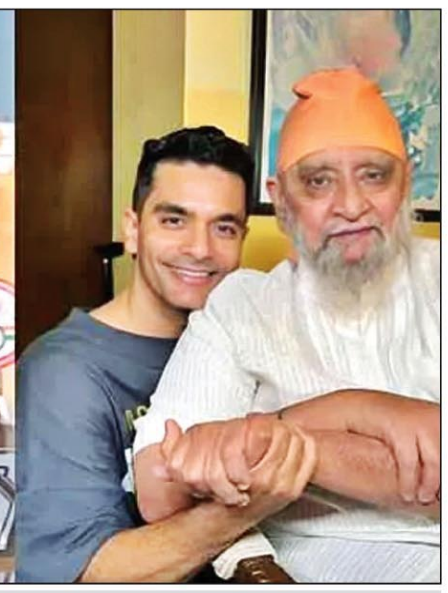

अकमल बोले अगले मैच भी हार जाये तो भी होगा पाक क्रिकेट में सुधार

लाहौर । विश्वकप में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन को लेकर जहां पूर्व क्रिकेटर टीम की आलोचना कर रहे हैं। वहीं पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने कहा है कि अगर टीम को फिर से बेहतर होना है तो कप्तान बाबर आजम और उनकी टीम को विश्व कप में अपने बचे हुए मैच भी हार जायें। अकमल बोले, तभी पाक क्रिकेट में सुधार होगा जब नये सिरे से शुरुआत होगी एक दो मैच में जीतने के बाद फिर टीम पुराने तरीके से चलने लगेगी। पाक क्रिकेट विश्व कप में अपने 6 में से 4 मुकाबले हारकर इस समय खराब स्थिति से गुजर रही है। पाकिस्तानी जनता नाराज तो है ही साथ ही दुनिया भर में बैठे पाकिस्तान क्रिकेट टीम के प्रशंसक भी सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा निकाल रहे हैं। विशेष तौर पर अफगानिस्तान से मिली हार के बाद पाकिस्तानी क्रिकेटरों की फिटनेस और खेल के तरीकों पर सवाल उठने लगे हैं। बहरहाल, अकमल ने अपने बयान को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह केवल मैच हारने के बारे में नहीं है, बल्कि टीम के भीतर घटते अहंकार के बारे में है। उन्होंने कहा कि हारना यहां मुद्दा नहीं है। उनके अहंकार को समाप्त करना होगा।

गंभीर ने इंग्लैंड के खराब प्रदर्शन के लिए रूट को जिम्मेदार बताया

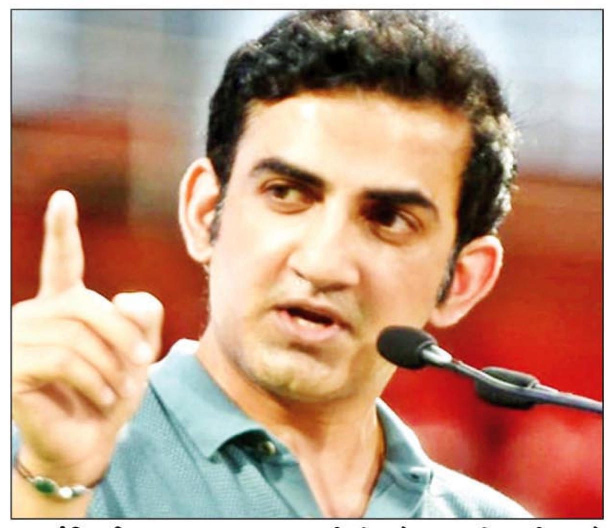

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने एकदिवसीय विश्वकप में खराब प्रदर्शन के लिए इंग्लैंड के प्रमुख बल्लेबाज जो रूट के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड की पूरी बल्लेबाज रूट के इर्द-गिर्द घूमती है और जब वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करते हैं तो टीम की बल्लेबाजी ढ़ह जाती है। गंभीर ने ये बात इंग्लैंड की भारत के खिलाफ हार के बाद कही है। गंभीर ने कहा, अगर आप इंग्लैंड की बल्लेबाजी लाइनअप को देखें, तो जो रूट के अलावा बाकी सभी लोग आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहते हैं। यह जो रूट का खराब फॉर्म है जो इस बल्लेबाजी लाइनअप के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदेह साबित हुआ है। उनके विफल होने से पूरी टीम लड़खड़ा गयी। उन्होंने कहा कि रूट को एंकर की भूमिका निभानी चाहिए थी जिससे अन्य खिलाड़ी अपने अनुसार खेल सकें पर वह विफल रहे। रूट भारत के खिलाफ मैच में खाता भी नहीं खोल पाये थे। गंभीर ने कहा, वह वह एंकर था जो एक छोर से बल्लेबाजी कर सकता था और बाकी लोग वास्तव में उस तरह से खेल सकते थे जैसा वे चाहते थे। जिस क्षण रूट ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, हर कोई विफल हो गया। बहुत से लोगों में सीमिंग और स्विंग होती गेंदों के खिलाफ खेलने के दबाव को झेलने की क्षमता नहीं होती है। रूट ने इस टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करते हुए न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ अर्धशतक बनाए थे पर उसके बाद से ही वह रन नहीं बना पाये हैं। उन्होंने छह मैचों में 29.16 की औसत और 93.08 की स्ट्राइक रेट से कुल 175 रन ही बनाए हैं। टीम अभी दो अंकों और -1.652 के नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे हैं।

डच ऑलराउंडर बोला, आईसीसी हमें बड़े राष्ट्र का दर्जा दे

नई दिल्ली ।

नीदरलैंड के ऑलराउंडर बास डी लीडे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा है कि उन्हें बड़े राष्ट्र का दर्जा देना चाहिए। नीदरलैंड अभी इस विश्व कप में भाग लेने वाला एकमात्र एसोसिएट देश है। नीदरलैंड के ऑलराउंडर बास डी लीडे ने अपील की कि विश्व कप में जिस प्रकार टीम ने दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश को हराकर दो बड़े उलटफेर किये हैं। उससे आईसीसी को उन्हें बड़े राष्ट्र का दर्जा देना चाहिए। नीदरलैंड वर्तमान विश्व कप में भाग लेने वाला एकमात्र एसोसिएट देश है। उसने धर्मशाला में दक्षिण अफ्रीका को 38 रन से हराकर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था। इसके बाद उसने यहां बांग्लादेश को 87 से हराकर साबित कर दिया कि दक्षिण अफ्रीका पर उसकी जीत महज संयोग नहीं थी।

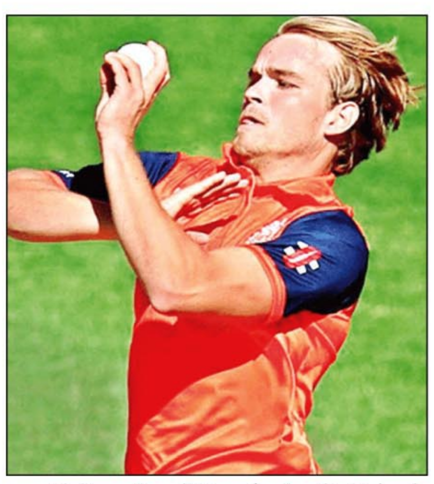

लीडे ने कहा, ''हमारे लिए और नीदरलैंड क्रिकेट के लिए प्रत्येक जीत बड़ी जीत है। हम अपने देश के युवाओं को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम आने वाले साल में हमें एक संभावित बड़े राष्ट्र के रूप में देखने के लिए आईसीसी का ध्यान आकर्षित करने का भी प्रयास करना चाहते हैं। इसलिए हमारे लिए प्रत्येक जीत काफी महत्वपूर्ण है।

पंड्या अब सेमीफाइनल में ही वापसी करेंगे, अगले मैचों में शमी को ही मिलेगा अवसर

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अपनी चोट से उबर रहे हैं और अब उनके सीधे सेमीफाइनल में ही खेलने की उम्मीद है। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ जीत के साथ ही पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी है जिससे अब टीम के लिए लीग के अगले मुकाबले औपचारिक ही हैं। पंड्या ने अभ्यास भी शुरु कर दिया है। टीम इंडिया को अगला मुकाबला 2 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ खेलना है पर उसमें पंड्या की जगह पर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ही खेलेंगे।

टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंच गई है। ऐसे में टीम प्रबंधन पंड्या को लेकर कोई जल्दी नहीं करना चाहता। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक पंड्या सेमीफाइनल में खेलते हुए दिख सकते हैं। वह अभी बेंगलुरु स्थित एनसीए में उबर रहे हैं। पंड्या बांग्लादेश के खिलाफ गेंदबाजी के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी एड़ी में दर्द है। पंड्या ने एनसीए में कई नेट सत्र में भी भाग लिया। इस दौरान बीसीसीआई की मेडिकल टीम की उनपर नजरें बनी हुई हैं। इस समय पंड्या को यात्रा के लिए नहीं कहा जा सकता। वह अभी बेंगलुरु में हैं और वहीं से टीम से दोबारा जुड़ सकते हैं। पंड्या के बाहर होने के बाद से टीम इंडिया सिर्फ 5 ही गेंदबाजों के साथ उतर रही है। हालांकि अब तक इसका अधिक असर नहीं दिखा है. लेकिन उनकी वापसी से टीम संयोजन में फिर से बदलाव होना तय है। अभी पक्के तौर पर पंड्या के मैदान पर वापसी की तारीख नहीं बताई जा सकती पर वह तेजी से उबर रहे हैं। सेमीफाइनल के लिए समय है। ऐसे में उन्हें उबरने के लिए और अधिक समय मिल जाएगा। ऐसे में वे नॉकआउट के मुकाबले के दौरान वापसी कर सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने चौथी बार जीता रग्बी विश्वकप, फाइनल में न्यूजीलैंड को 12-11 से हराया

पेरिस । गत विजेता दक्षिण अफ्रीका ने अपने खिताब की रक्षा करते हुए न्यूजीलैंड को 12-11 से शिकस्त देकर चौथी बार रग्बी विश्वकप का खिताब जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका पहली टीम बन गई है जिसने चार बार रग्बी विश्वकप खिताब जीता है। वहीं, न्यूजीलैंड के पास अपने पांचवें फाइनल में चौथी बार यह ट्रॉफी जीतने का मौका था। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान सिया कोलिसी ने कहा कि जो लोग दक्षिण अफ्रीका से नहीं है वो लोग नहीं समझ सकते कि यह ट्रॉफी हमारे देश के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। मैं अपने देश के सभी लोगों का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने हमारा समर्थन किया। स्विट्जरलैंड के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर भी अपने परिवार के साथ इस मुकाबले के दौरान मौजूद थे। फेडरर की मां दक्षिण अफ्रीका से हैं।

अकरम ने बुमराह को विश्व का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताया, नई गेंद पर उनका नियंत्रण मेरे से भी बेहतर

लाहौर ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अभी वह विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। अकरम के अलवा पाक के ही दिग्गज क्रिकेटर मिस्बाह उल हक ने भी इंग्लैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी के लिए बुमराह और मोहम्मद शमी की जमकर सराहना की है।

बुमराह और शमी दोनो ने ही इंग्लैंड के खिलाफ लखनऊ में हुए विश्वकप लीग मैच में तीन और चार विकेट लिए थे। कुल मिलाकर सात विकेट लिए थे। 7 विकेट लिए थे. दोनों ने नई गेंद से कमाल की गेंदबाजी की थी और इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ढ़हा दिया।

अकरम ने बुमराह की जमकर तारीफ करते हुए कहा, अभी बुमराह फिलहाल, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज होने के कारण नंबर एक पर हैं। उनके पास अच्छा नियंत्रण है। इसके साथ ही उनकी गेंदों में विविधता के साथ ही तेजी भी है। वह एक प्रकार से पूर्ण गेंदबाज हैं। उन्हें गेंदबाजी करते देखना अच्छा लगता है। नई गेंद के साथ, इस तरह के विकेट पर ऐसा मूवमेंट हासिल करना साथ में रफ्तार, शानदार फॉलोथ्रू होना एक संपूर्ण गेंदबाज की निशानी हैं।

अकरम ने तो यहां तक कहा कि नई गेंद से बुमराह के पास जो नियंत्रण है, वो मेरे से भी अच्छा है। अकरम बुमराह के इतने खतरनाक गेंदबाज होने के कारण भी बताये हैं। अकरम के अनुसार ,जब बुमराह राउंड द विकेट बाएं हाथ के बल्लेबाज को गेंदबाजी कर रहे हैं और गेंद को सीम पर हिट करते हैं और जब वह क्रीज के बाहर से गेंदबाजी करते हैं, तो बल्लेबाज को लगता है कि गेंद अंदर की तरफ आ रही है। ऐसे में बल्लेबाज उसी हिसाब से शॉट खेलता है लेकिन गेंद पिच पर पड़ने के बाद अंदर आने के बजाए बाहर की तरफ जाती है और अधिकतर मौकों पर बल्लेबाज या तो बीट होता है या विकेट खोता है।

अकरम ने अपनी गेंदबाजी की बात करते हुए कहा, जब मैं नई गेंद से दाएं हाथ के बल्लेबाजों को इस तरह की आउटस्विंगर करता था, तो कभी-कभी मैं गेंद पर नियंत्रण भी नहीं रख पाता था पर नई गेंद पर बुमराह का नियंत्रण निश्चित रूप से मुझसे बेहतर है। वो नई गेंद से जिस लेंथ पर बॉलिंग करते हैं, उससे बल्लेबाजों के मन में हमेशा संदेह बना रहता है।

पीसीबी के अनुबंध से खुश नहीं पाक क्रिकेटर

लाहौर । पाकिस्तान के क्रिकेटरों को कई माह से वेतन नहीं मिला है और कहा जा रहा है कि वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अनुबंध से भी नाराज हैं। पाक टीम भारत में खेल रही है पर इस दौरान भी उसने पीसीबी को संदेश भेजकर अनुबंध को लेकर नाराजगी जतायी है। कप्तान बाबर भी इससे नाराज हैं। अब पीसीबी खिलाड़ियों से बात करने एक अधिकारी को भारत भेजने वाला है। इसके बाद खिलाड़ियों को अगले सप्ताह तक 4 महीने का वेतन मिल सकता है। पीसीबी 4 वर्ग में खिलाड़ियों को अनुबंध देता है। इस बार 3 साल के लिए अनुबंध किया गया है। आजम सहित 3 खिलाड़ी ए वर्ग में हैं। उनको अब हर महीने लगभग 13 लाख रुपये मिलने हैं। एक खिलाड़ी ने अभी उसने अनुबंध पर आधिकारिक तौर पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं। इस कारण अब तक वेतन नहीं दिया गया है। विश्वकप टीम में शामिल कुछ खिलाड़ियों को डी वर्ग में भी रखा गया है, इससे वे खुश नहीं हैं। वहीं कई अन्य ने भी अपने वर्ग को लेकर सवाल उठाए हैं। कुछ खिलाड़ी इससे भी नाराज हैं। उन्हें लगता है कि बाबर आज सहित कुछ खिलाड़ियों ने दूसरों के अनुबंध पर ध्यान दिए बिना अपना वेतन बेहतर करा लिया। पीसीबी के अधिकारी खिलाड़ियों के भुगतान में लगे हुए हैं। सभी से ईमेल के माध्यम से अपनी सहमति देने को कहा गया है। वहीं एक अधिकारी को भारत भेजा गया है, जिससे कि अनुबंध पर हस्ताक्षर हो सकें।

PCB
Pakistan Cricket Board
PAKISTAN

ज्यादा शक्कर खाना हो सकता है हानिकारक

अधिक मात्रा में शक्कर का सेवन करने से त्वचा पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। रिसर्च द्वारा यह बात सामने आई है कि शक्कर आपकी त्वचा के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं है,शक्कर त्वचा में मौजूद जल को सोख लेती है और उसे रूखा बना देती है। इससे त्वचा झूलने लगती है। अगर आप ढेरों शक्कर खाती हैं तो उसे बैलेंस करने के लिए ढेर सारा पानी पीना ना भूलें।

काला नमक देता है बड़े फायदे

रोज सुबह काला नमक और पानी मिला कर पीना शुरु करें। इससे आपका ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर,ऊर्जा में सुधार, मोटापा और अन्य तरह की बीमारियां ठीक होंगी। काले नमक में 80 खनिज और जीवन के लिए वे सभी आवश्यक प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं, जो हाइड्रोक्लोरिक एसिड और प्रोटीन को पचाने वाले इंजाइम को उत्तेजित करने में मदद करते हैं। इससे खाया गया भोजन आराम से पच जाता है।

आयुर्वेद से करें गठिया का उपचार

सामान्यतया गठिया रोग 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को होता है, लेकिन वर्तमान में इसकी चपेट में युवा ही नहीं बच्चे भी आ रहे हैं। गठिया का रोग यानी आर्थराइटिस से शरीर के जोड़ो में दर्द और सूजन आ जाती है। गठिया रोग अचानक नहीं होता बल्कि धीरे-धीरे फैलता है इसलिए गठिया का सही उपचार जरूरी है। जरूरी नहीं है कि आप गठिया के उपचार के लिए एलोपैथ की शरण में ही जाएं, इसके लिए आप आयुर्वेद का सहारा ले सकते हैं। आयर्वेद के जरिए गठिया के सभी प्रकारों जैसे - रूमेटायड आर्थराइटिस, ऑस्टियो आर्थराइटिस, गाउट, जुवेनाइल आर्थराइटिस और ऐंकलूजिंग स्पोंडीलोसिस आदि का उपचार आसानी से कर सकते हैं। इस लेख में विस्तार से जानिए आयुर्वेद के जरिए गठिया का कैसे कर सकते हैं उपचार। आमतौर पर गठिया होने का प्रमुख कारण आनुवांशिक होता है, लेकिन कई बार किसी भयंकर बीमारी या संक्रमित रोग के कारण भी गठिया रोग हो जाता है। आर्थराइटिस को आयुर्वेद में आम-वात के नाम से जाना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार गठिया होने के कारकों में खराब पाचन, खानपान की गलत आदतें और निश्क्रिय जीवनशैली के साथ ही वात दोष को माना गया है।

आयुर्वेद से उपचार

आयुर्वेद में गठिया का पूरी तरह से इलाज किया जाता है न कि सिर्फ दर्द को खत्म करने की कोशिश की जाती है। यानी गठिया का स्थाई इलाज आयुर्वेद में ही संभव है। गठिया का इलाज लंबा होता है। इसीलिए आयुर्वेद में गठिया के इलाज को योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है इसलिए पीड़ित की जीवनशैली, रहन-सहन और खानपान आदि पर खास ध्यान दिया जाता है।

उपचार के साथ दिनचर्या

गठिया में सिर्फ आयुर्वेदिक औषधियां ही नहीं बल्कि अच्छी खुराक लेने की सलाह भी दी जाती है। दरअसल, आयुर्वेद के इलाज के दौरान, गठिया के मूल कारणों को खोजने और फिर उसका सही रूप में उपचार करने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। यदि किसी व्यक्ति में गठिया रोग वात बिगड़ने और दोषपूर्ण पाचन की वजह से हुआ है तो आयुर्वेद में उसके इलाज स्वरूप रोगी की असंतुलित शारीरिक ऊर्जाओं को शांत करने और पाचन क्षमता बेहतर करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

परहेज भी जरुरी

गठिया के उपचार में जितनी जरूरी इसकी चिकित्सा है, उससे कहीं अधिक जरूरी परहेज भी है। रोगी के लिए विशेष प्रकार के व्यायाम कराए जाते हैं और सप्ताह में एक से दो बार सोने के पहले 25 मिलीलीटर एरंड के तेल का दूध के साथ सेवन कराते हैं। इसके अलावा लक्षणों व रोग की गंभीरता के आधार पर उपचार किया जाता है। उपचार के दौरान रोगी को दर्द कम करने के लिए एंटी-रुमेटिक और एंटी-इंफ्लेमेट्री दवाएं दी जाती हैं साथ ही भरपूर आराम करने की सलाह दी जाती है।

उपचार और खानपान

गठिया के मरीजों के लिए खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है। अधिक तेल व मिर्च वाले भोजन से परहेज रखें और डाइट में प्रोटीन की अधिकता वाली चीजें न लें। भोजन में बथुआ, मेथी, सरसों का साग, पालक, हरी सब्जियां, मूंग, मसूर, परवल, तोरई, लौकी, अंगूर, अनार, पपीता, आदि का सेवन करें। इसके अलावा नियमित रूप से लहसुन व अदरक आदि का सेवन भी इसके उपचार में फायदेमंद है। अर्थराइटिस के इलाज के लिए इम्यून सिस्टम का मजबूत होना बेहद आवश्यक है, साथ ही पाचन तंत्र का भी बेहतर होना जरूरी है। इसलिए नियमित व्यायाम के साथ खानपान का विशेष ध्यान रखें।

क्या आप भी अपने बच्चे को बैठाते हैं वॉकर में?

वॉकर पर बैठे शिशु को इधर-उधर तेज गति से चलते हुए देखकर हर माता-पिता का मन प्रफुल्लित हो उठता है। वॉकर के बारे में ज्यादातर माता-पिता की यह धारणा है कि वॉकर के सहारे शिशु न केवल शीघ्र चलना सीख लेगा, बल्कि उसका शारीरिक विकास भी होगा। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो अलर्ट हो जाए, क्योंकि इस संबंध में जो शोध हुए है उसके अनुासर वॉकर शिशु के विकास को मन्द करता है। यह देखने में आया है कि शिशु के लिए वॉकर का प्रयोग माता-पिता कुछ सीमा तक अपनी सुविधा के लिए करते हैं। यह जानते हुए भी कि शिशु अभी ढंग से बैठना या घुटने के बल रेंगना या चलना नहीं सीखा है। आपको बता दें जिन शिशुओं की उम्र 2 वर्ष से कम है उनके वॉकर की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती है।

शिशुओं के एक वृहद समूह के लिए वॉकर का प्रयोग करने व नहीं करने वाले सम्मिलित है, इसका अध्ययन उनके शारीरिक संचारण और मानसिक विकास को लेकर किया गया था।

अनुसंधान में यह उजागर हुआ कि 6 से 15 माह के 109 शिशुओं में से जिन 56 शिशुओं को वॉकर दिया गया था, वो शारीरिक संचारण और मानसिक विकास के मापदंडों जैसे बैठना, रेंगना, चलना शामिल है में बिना वॉकर के 53 शिशुओं से तुलना में काफी पीछे रहे। इस अध्ययन से यह तथ्य सामने आया कि जो शिशु ने वॉकर का प्रयोग नहीं किया था। वो औसतन पांच माह की उम्र में बैठना, आठ माह में घुटने के बल रेंगना और दस माह की उम्र में चलने लायक हो गया था।

क्या कहता है शोध

शोधकर्ताओं के अनुसार शिशु घर के परिवेश में चल फिर कर बहुत सी वस्तुओं की खोज कर काफी कुछ सीखता है। वह किसी चीज या वस्तु को गिराकर फैंक कर उसको प्राप्त करने के लिए हर तरह की शारीरिक क्रिया करता है, जो कि वॉकर पर बैठे शिशु के लिए संभव नहीं हो पाता है और ऐसी परिस्थिति में वह अपने स्तर पर अनुसंधान/खोज नहीं कर पाता, जिसके फलस्वरूप उसके ज्ञान और बुद्धि का विकास भी नहीं हो पाता है।

वॉकर के कुप्रभाव

चाइल्ड स्पेशलिस्टस की मानें तो वॉकर के उपयोग में बच्चे के चोट लगने की संभावना रहती है। सामान्य बच्चों की तुलना में वॉकर का उपयोग करने वाले बच्चे सिढियां चढ़ने व उतरने में दिक्कत करते है और गिरने की संभावना ज्यादा रहती है। वॉकर की वजह से हैड इंजरी व मौत तक हो सकती है। अन्य प्रकार की चोटें जैसे फ्रैक्चर, केमिकल्स व जहरीले तरल पदार्थों को पी लेना, पानी का पौंड में डूब जाना शामिल है, होने की संभावना रहती है। एक साल से कम उम्र के बच्चे जिनकी टांगों में वजन झेलने की क्षमता कम होती है, वॉकर में खड़े होने से और टांगों पर जोर पड़ने से गोल मुड़ (बो-लेग्स) जाती है।

मेकअप उतारने के लिए लगाएं बादाम तेल

कई लड़कियों को आंखों पर लगा हुआ काजर और मस्कारा उतारने में थोड़ा समय लगता है। दुनिया की बहुत सी लड़कियों ने आंखों के मेकअप को उतारने के लिए बादाम तेल का इस्तेमाल किया है, जिससे उनका मेकअप बिना महनत किए ही उतर जाता है। बादाम तेल में बिल्कुल भी कैमिकल नहीं होता, जिससे त्वचा पर कोई बुरा असर पड़े। यह चेहरे पर कोमलता का एहसास छोड़ जाता है। इसे चेहरे या आंखों पर लगाने से यह त्वचा से आराम से छूट भी जाता है और बिल्कुल भी नहीं चिपचिपाता।

बादाम का तेल लगाने का तरीका

अपनी उंगलियों पर जरुरत भर का तेल ले कर पूरे चेहरे तथा आंखों पर लगाएं। फिर एक कॉटन बॉल ले कर उसमें गुलाब जल डाल कर चेहरे से एक्सट्रा ऑइल साफ करें।

थोड़ा सा और तेल ले कर आंखों से मस्कारा और आइलाइनर छुड़ा लें। एक बार मेकअप साफ कर लेने के बाद चेहरे को हल्के गरम पानी से धो लें।

चेहरे पर बादाम का तेल लगाने से ना केवल मेकअप साफ होता है, बल्कि चेहरे पर चमक भी आ जाती है। तो अब से बाजारू मेकअप रिमूवर ना खरीद कर बादाम तेल का ही प्रयोग करें।

जानें क्या होते हैं फ्रेकल्स

फ्रेकल्स त्वचा पर होने वाले एक प्रकार के दाग हैं। जो आकार में छोटे, चपटे तथा लाल या भूरे रंग धब्बे होते हैं। यह एक आम समस्या है। यह समस्या आमतौर पर लोगों में पाई जाती हैं और पूरी तरह नुकसानरहित होती हैं। हल्के रंग की त्वचा वाले लोगों में ये ज्यादा पाए जाते हैं क्योंकि उनमें त्वचा को सूर्य किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने वाला केमिकल मैलेनिन (त्वचा सेल्स द्वारा उत्पन्न) कम मात्रा में होता है। त्वचा में मैलेनिन के असमान वितरण के कारण ही फ्रेकल्स उत्पन्न होते हैं। किसी एक जगह पर मैलेनिन का अत्यधिक बनना भी फ्रेकल्स बना देता है। फ्रेकल्स अधिक देर तक धूप में रहने का परिणाम हैं जो सूर्य की किरणों से ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों में आम पाए जाते हैं। फ्रेकल्स आमतौर से चेहरे, कंधों और बांहों पर पाए जाते हैं। इस लेख को पढ़ें और फ्रेकल्स के बारे में विस्तार से जानें।

फ्रेकल्स के लक्षण: फ्रेकल्स किसी एक धब्बे या गुच्छों के रूप में भी अनियमित विकसित होते हैं, गुच्छों में होने के कारण यह त्वचा पर बहुतायत में देखे जा सकता हैं।

आनुवंशिकी कारण: फ्रेकल्स आनुवांशिक कारणों से भी आपकी त्वचा पर हो सकते है। यानी आपके परिवार में किसी को फ्रेकल्स हों तो आपको भी होने के चांस बढ़ जाते हैं।

धूप भी कारण: धूप में ज्यादा रहने से त्वचा को अधिक मैलेनिन बनाना होता है ताकि सूर्य की हानिकारक किरणों से रक्षा की जा सके। किन्हीं हिस्सों पर मैलेनिन का इस तरह बनना या मैलेनिन का असमान वितरण फ्रेकल्स बना सकता है।

फ्रेकल्स के जोखिम कारण: गोरे रंग के लोगों में फ्रेकल्स होने की आशंका अधिक रहती है क्योंकि ऐसी त्वचा में मैलेनिन कम होता है और यह (धूप में)आसानी से झुलस सकती है।

फ्रेकल्स का उपचार

अधिकतर मामलों में फ्रेकल्स हानिरहित होते हैं और कॉस्मेटिक कारणों को छोड़ दें तो इनका उपचार आवश्यक नहीं होता। त्वचा टोन की रिसेम्बलिंग हेतु एक जैसी टोन लाने के लिए फ्रेकल्स को हल्का करने हेतु ब्लीचिंग क्रीम का उपयोग किया जा सकता है। हालांकि यह प्रभावित त्वचा को असमान बना सकती है और रैशेज की वजह भी बन सकती है। लेजर ट्रीटमेंट या इन्टेन्स पल्सड लाइट थेरेपी पिगमेंटेशन को खत्म कर सकती है लेकिन परिणाम भिन्न हो सकते हैं और अनेक सिटिंग की जरूरत हो सकती है। क्रायोथेरेपी या तरल नाईट्रोजन द्वारा फ्रीजिंग। केमिकल पील्स।

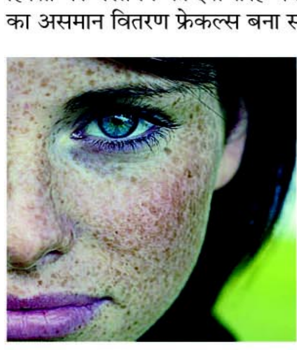

फ्रेकल्स की रोकथाम

चूंकि गोरी त्वचा वाले लोगों को आसानी से फ्रेकल्स हो जाते हैं और सूरज की धूप से त्वचा का निरंतर अत्यधिक क्षतिग्रस्त होना आपके लिए त्वचा कैंसर होने के चांस बढ़ा सकता है। इसलिए रोकथाम के उपाय अपनाए जाने की जरूरत होती है। फ्रेकल्स ऐसी त्वचा का लक्षण है जो आसानी से सनबर्न का शिकार हो सकती है जिससे आगे चलकर त्वचा कैंसर हो सकता है। कम से कम 30 एसपीएफ वाली सनस्क्रीन इस्तेमाल करें और फिर उपयोग संबंधी लेबल निर्देशों का पालन करें। ज्यादा देर तक धूप में रहने से बचें।

बारिश में सेहतमंद बनाता है अदरक

बारिश के दिनों में भीगने का मजा ही कुछ और है। बाद में सर्दी होने से सारा मजा किरकिरा हो जाता है। इस दौरान चाय और भोजन में उपयोग किया जाने वाला अदरक आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। इसके सूखे हुए स्वरूप को सोंठ कहा जाता है।

अदरक के सेवन से आपकी स्वास्थ्य संबंधी आधी से ज्यादा समस्याएं चुटकियों में दूर हो सकती हैं। इसका इस्तेमाल हालांकि सालभर किया जाता है, लेकिन बरसात में अपनी डाइट चार्ट में इसको शामिल कर अदरक के कमाल के गुणों का लाभ आप उठा सकते हैं...

बरसात में सर्दी, जुकाम, कफ की समस्या होना आम बात है। इस दौरान गर्मागर्म अदरक का काढ़ा या चाय बेहद लाभ देती है। इसके अलावा अदरक का सेवन तनाव कम करने और थकान दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा गले में इंफेक्शन या दर्द होने पर अदरक और काले नमक का एक साथ सेवन जल्द राहत पहुंचाता है।

खूबसूरती निखारता है अदरक

अदरक स्वाद के साथ ही खूबसूरती भी निखारता है। इसके लेप से त्वचा के दाग मिटने के साथ ही झुर्रियां भी कम होती हैं। जोड़ों के दर्द में भी यह फायदेमंद है। बस आपको दर्द वाली जगह पर अदरक का गर्म लेप लगाना है, इससे काफी फायदा मिलता है। इसके अलावा अमीबिक पेचिश, गठिया, साइटिका जैसी बीमारियों का इलाज भी अदरक में छिपा हुआ है।

श्वास संबंधी रोग में फायदेमंद

आपको बता दें अदरक की गर्म तासीर होने के कारण सांस संबंधी तकलीफ होने पर काफी फायदा मिलता है। नहीं रहेगी अपच की समस्या अदरक पाचन क्रिया को बेहतर करता है। अगर आपको भूख नहीं लग रही है या फिर उदरशूल की समस्या है, तब अदरक आपकी समस्या से छुटकारा दिला सकता है। जी मचलाना या अपच जैसी समस्याओं में भी अदरक बेहद लाभदायक है।

महिलाओं की समस्याएं होगीं दूर

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता और दर्द में भी अदरक के सेवन से निजात मिलती है। इसके अलावा गर्भाशय के कैंसर, डाइबिटीज और ह्दय रोगियों को भी अदरक का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए।

रेसिपी

ओटस् रवा इडली

सामग्री

1/2 कप ओट्स का आटा, 1/2 कप सूजी, 1/2 कप ताजा दही, 2 टी-स्पून धी, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून हिंग, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 2 टेबल-स्पून मोटे कटे हुए काजू, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ धनिया, नमक, स्वाद अनुसार, 1/2 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, **चुपड़ने के लिए:** तेल, **परोसने के लिए:** सांभर, नारियल की चटनी

विधि

ओट्स का आटा, सुजी, दही और ¾ कप पानी को एक गहरे बर्तन में मिलाइए और 30 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। एक छोटे नॉन-स्टिक पैन में धी गरम करें और उसमे सरसों डालिए। जब सरसों चटखने लगे, तब उसमे जीरा और हिंग डाले और मध्यम आंच पर कुछ सेकेंड भुनिए। अब इस तड़के को बाकी बची सामग्री, सिवाय फ्रूट सॉल्ट के, ओट्स और सुजी के मिश्रण के साथ मिलाइए। स्टिम करने से पहले, मिश्रण पर फ्रूट सॉल्ट डाले और उपर से 2 टी-स्पून पानी डाले। बुलबुले आना शूरु हो, तब उसे धीरे से मिलाइए। इडली पात्र को तेल लगाइए और उसमे मिश्रण डालकर स्टिमर में 7 से 8 मिनट इडली पकने तक स्टिम कीजिए। थोड़ा सा ठंडा करें और पात्र से निकाल कर सांभर और नारियल की चटनी के साथ तुरंत परोसे।

पनीर पीटा पॉकिट्ज

सामग्री

पीटा ब्रैड: 3/4 कप संपूर्ण गेहूं का आटा, 3/4 स्पून दरदरा ताज़ा खमीर, 1/2 स्पून शक्कर, नमक, 1/2 स्पून तेल गूंधने के लिए, 2 स्पून तेल, 1 स्पून नींबू का रस, 12 मिलीमीटर (1/2) का टुकड़ा कसा हुआ अदरक, नमक , स्वाद अनुसार, 2 स्पून कटा हरा धनिया, 1 स्पून बहुत बारीककटा लहसुन, **पनीर कोलस्लो:** 1/2 कप 12 मिमी. (1/2) के चकोर टुकडो में कटा पनीर, 1 कप कतरी हुई बंद गोभी, 1/2 कप कसी गाजर, 1/2 कप अंडारहित मेयोनीज, 1/2 टी-स्पून सरसों का पाउडर, 1 से 2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक तथा ताजी पिसी काली मिर्च , स्वाद अनुसार

विधि

पीटा ब्रैड के लिए: सारी सामग्री को एक बाउल में डालकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम और इलास्टिक जैसा गूंध लीजिए। थोड़ा तेल डालिए और वापस गूंधिए। मलमल के गीले कपड़े से 10 से 20 मिनट तक ढक कर रख दीजिए जब तक फूलकर दुगना नही हो जाता। आटे को हल्के हाथ से दबाइए ताकि सारी हवा बाहर निकल जाए। आटे को 4 बराबर भागो में बांटिए। आटे के प्रत्येक भाग को 100मिमी. (4) व्यास और 6 मिमी. (द) मोटी रोटी के रूप में बेलिए। पीटा ब्रैड को मध्यम आंच पर गरम तवे पर दरारे पड़ने और फूलने तक थोड़ा सा सेकिए पीटा ब्रैड को 2 भागो में काटिए और एक तरफ रख दीजिए। **पनीर कोलस्लो के लिए:** एक बाउल में पनीर और मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथें से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सामग्री डालकर हल्के हाथों से मिलाइए और फ्रिज में रख दीजिए। कोलस्लो को 4 बराबर भागो में बांटिए और एक तरफ रख दीजिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**